# 

न 17 व्यर्गि

রাসায়নিক এবং নি ক্লবিদ্যা-শটিত অভিশয় প্রযোজনীয় অন্যুন তিন শঙ বিষয়ের প্রস্তকরণ প্রতিয় ।

> বতবিধ ইংগ্লৈজি গ্ৰন্থ হইতে শ্ৰীতামত লাল বন্দ্যোপাধ্যায় কর্তৃক অনুবাদিত ও প্ৰকাশিত

> > ন্ধিতীয় সংস্করণ। পরিবর্তিত ও সংশোধিত

জনাদি প্রিংটীৎ ওয়ার্কস ৩৭নং কৃষ্ণ সিংকের লেন, কলিকাতা শ্রীঅবিনাশ চক্র চট্টোপাধ্যায় ব র্ড়ক মৃদি ত

2020

## শিক্ষ শিক্ষা।

#### ভাৰ্থাৎ

সাসাহনিক এবং শিল্পবিদ্যা-ঘটিত অভিশান ও নোজনীয় আনুচন ভিন শক বিষয়ের প্রস্তুকরণ-ও জিয়া

প্রমানির প্রমানিক ও প্রাক্তি

দ্বিতীয় সংশ্বরণ। পবিষ্ঠিত ও সংশোধিত

তাদাদি প্রিথ্টিৎ ওয়াকঁন তথ্য ক্ষ দিংহের লেন, কলিকাণ ক্রিকনিশ্ল চন্দ্র চণ্টোপাধ্য'ন কর্তিক মুক্তিত।



## প্রথম-সংস্থরণের ভূমিকা।

অধুনা রাসায়নিক ও শিল্পকার্যের ইউরোপীয় প্রাফ্রিয়া মতে সর্ববসাধারণের উৎসাহ দিন দিন বন্ধিত হইতেছে কিন্তু তদ্বিষয়ক কোন এক খানি পুস্তক এ পৰ্যান্ত বন্ধভাষায় প্রচাবিত হয় নাই এজন্ম আমি বছরিধ ইংরাজি পুস্তক হইতে সাতিশয় প্রযোজনীয় রাসায়নিক এবং শিল্পবিদ্যা-ঘটিত বিষয় সঙ্গলন কবিয়া অনুবাদ করিলাম। এই 'শিগ্ন-শিক্ষা" পাঠে যদি সর্ধবসাধারণের কিঞ্ছিন্যাত্র উপকার হয়, তাহা হইলে আমার শ্রেমু সার্থক জ্ঞান করিব। ' ऐप्न, छ भ, शारमभ, औयभूउन स भग्ना

दहे करही।वव ३४४२

## দ্বিতীয় সংস্থারণ। "

এই मरकत्रा शुक्रक शांनि मन्त्र्नीरात मर्लाभिक ও পরিবর্তিত করিয়া প্রচার করিলাম।

প্রতিভিত্ত, হঞ্জাবলা। ।

# मूहिशव।

স্গৰি দ্ৰব্য প্ৰস্তুতকরণ	প্রক্রিয়া	***	***	5	<b>원</b> :	
গোলাপ জল	***	***	***	>>	11	
ন্যাভেণ্ডার জন	***	***		3	11	
वित्भव मकाक युक	ঐ	***	4.20	33	18	
শ্মিথের পরিশ্রু ল্যাভে	গুৰি এফ	<b>मि</b> •••	***	Ø	£.	
रेखे फि करमान्	***	***	444	1)	23	
हें छि कटगारनव छो।	। प्रशक्ति ।	বা নকল ই	উ ডि करगान	13	),j	
कनत्मनद्रोदिए रेखे फि	কলোন্	***	***	8	,,	
ইউ ডি কার্মিস	***		114	17	) }1	
কুইন অব হঙ্গেরিজ জল	***	***	***	31	11	
ইউ ডি এঞ্জ ডিসটিলি	**	499	***	23	##	
ইউ ডি পটু গাল	***	***	***	¢	11	
देखे जि हित्री। होन	•••	***	409	3)	33	
নূতন ভিক্টোরিয়া হুগক্ষি	100	***	444	21	33	
পারফিউম ভিরম	***	***	***	11	11	
স্পিরিট ডি রোজ	***	444	449	49	ti	
গালাপি আতর	***	***	**	**		
ন্মথের লাাভেণ্ডার স্পি	ន្តិថិ	***	+4+	<b>3</b> )	4	
द्रक जिना तिन्	***	**	111 - 111	3) *	"	
	4	644	**	ડડ જો	n .	
ভানিকা এনেস শালাক্ষর এ	***	***		-	,) 	
the standard		414	and the same of th	45	14 7	5
S. Francis	N I	) t t	41			
			4 9			

এম্বার্গগ্রিম এমেন	102	***	***	b 9	į
অতি উৎকৃষ্ট সুগন্ধি		488	***	ъ	91
লেবুৰ ঐ	177	***	***	Ab	"
জিন্জার ঐ	***	***	***	1)	
শ্বণিকি জব্য	***	** 1	***	)}	71
কাউশ্লিপ	***	***	***		"
<b>अनक्</b> रेनि	444	411	•••		<b>)</b> †
	***	•••	***		,,
মিলিফুর মিল্কু তাব হোজ	•••	***	***		"
কোল্ড ত্রিম	***		***		"
লেবুর ক্রিম	•••	***	***		,
উত্তম উইওসর সাবা	<b></b>	***		<b>₩</b> . 1	į
क्ति भागान	* ***	***	* # 1	,, ,	
কাৰ লিক সাবান	•••	••	444	22	1
कठिन श्रदम्प्रम	444	***	44	,, ,	ř
স্থানি এ	***	***	4=5	57 3	ř
রোজ ঐ	***	403	***	33 g	į
ভ্যাদিলা ঐ	**>	***	***	23 3	
ম্যাকাসার ঐ	***	***	***	35 '	,
ইষ্ট ইতিয়া ঐ	***	***	***	<b>)</b> 1 )	,
	### ##################################	***	44	3 H	)
স্গলি তৈল চুলের	ର୍ଣ ଶା	***	***	22 31	)
মাকাসার তৈল	***	4 # 4	490	200	ŧ
ভ্যানিলা ঐ	400	441	200	\$8 ,	į
शिकेलि त्राप्तन के	466	484 13	***	2) H	ļ
অশাদেশীস্ফুলল কৈ	M	***	***	33 33	
রাণিস প্রস্তুত কর্ণ	প্রোক্রেয়া	***	P	\$¢ ,,	
অ্যাম্বার বার্নিস	***		***	ek 21	
क्षवं जानि ज	Duck-	415	441	7 11	•
स्टिश्कारधात्र कृष्णवर्ष	बागम्	***	44+	54 . at	
				,	

A

গাড়ীর জন্ম স্পিরিট বা	ৰিস	444	**	১৯ পৃঃ
গাড়ীর জন্ম তৈল ঐ	400		***	ንባ ,,
দপ্তরিদের আবশ্যকীয় চ	চর্মের বার্নি	স্	***	5bm ,,
চিনের বার্নিস	460	***	110	59 D
কোপ্যাল তৈল বার্নিস	***	***	***	99 39
কোপ্যাল স্পিরিট ঐ	***	***	***	\$ A ,
টার্পিন কোপ্যাল ঐ	***	***	100	22 23
জাপানীয় ঐ এ	***	•••	101	" R. 11
কুফবর্ণ জাপান (ঐ	***	***	***	59 99
স্থিতি স্থাপক ঐ	***	***	***	20 11
ত্রণস্থক কুফুবর্ণ ঐ	***	***	***	25 ,
কৃষ্টাল ঐ	***	***	444	23 28
ঞ্লেক্ সিবল ট্র	***	***	***	22 "
ফরানচাস ঐ	***	***	***	22 29
নিন্টি জন্ম ঐ	***	44.5	• •	2) )1
কাচ ঐ		144	***	२७ //
গন ব্যারেল ঐ	** 1	***	***	57 33
হদ হেয়ার ঐ	***	***	***	28 11
होंगील दिनीय के	###	***	***	22 33
গালার ঐ	***	***	***	59 14
দ্রব গালার এ	***	480	***	10 32
নানা প্রকার বর্ণের গাল	तात्र वार्निम	144	484	24 17
ম্যাষ্টিক ঐ	***	144	**	300 11
সাধারণ টার্সিন ঐ	41	484	***	19 14
মোহরের জন্ম ঐ	4+4	484	**	2.1 13
পাটলবর্ণ স্পিরিট জ্ব খেতবর্ণ সিরিট জ্ব	***	100	•• *	23 31
শ্বেতবুৰ্ণ 📅 পিনিট 🗝	**	***	**	94 33
শিপারিট এ	4**		-	2 by 11
द्रमारमञ्ज <b>भ</b> े	400	<b>48</b> 2	***	

বেজিসাস এ	***	-	***	33	পৃঃ
ভৈল বার্নিসের <b>জন্য</b> ১	গুদ্ধ † ক	रे जन	••	1)	31
(ফ্রান্ড পালিস	***	487		२৯	•
ক্লেকসিবল পে টবার্টি	ৰ্নস	444	•	৩১	33
মেহণ নি অয়েশ	***	***	•	73	,
ক্যানেড বার্নিস	***	F-0		৩২	13
ধ্যোগিত কাচের এ	144	***	4 +	>>	35
	(a)	**		37	59
ইদেক্ট্ৰে। বা বৈছ ডি	ক শ্ৰোভ	প্ৰভাবে গিণি	টকরণ প্রাণা	नी ७७	,,
অণ্ নিণ্টি	***	***	449	<b>66</b>	,,
ন্থোপ্য 🐠	444	•	444	49	33
नि(क्न के	***	***		0b	);
পিডেম এ	**	111	4.4	>>	21
প্ল'টনাৰ এ <sup>&gt;</sup>	401	*	***	95	37
मखान क	***	5 * *		32	3
জার্মান রোপের ঐ	***	464	114	>>	21
দিনের এ	*** *	444	***	8.	J)
তা শার এ	5 8 8	**		12	22
हरमक्रहें। होहिनि	***	456	***	37	33
কোন্ড গিলডি	140	***	***	89	37
গ্রীকদিগের গিণ্টি	***	***	404	80	))
জাপানীগদিগের গিণি	***	***	***	11	ji.
<u>তৈল গিণ্টি</u>	400	*44	•	88	,
বাৰ্মিস 'এ	***			•,	29
खंदगद्र क	*4		***	8¢	1)
সামানা প্রারে হাই	ড্রোজেন গ	্যা <mark>স প্র</mark> স্তুত বু	হর্মণ	89	ž,
সামান্য প্রাবে হাই এলকিংটনল পেটেট	গিন্টি		•	81-	· >>
াগকিং লিকাব	5 b	5		1 20	»
্বিল ডিং ওয়ীর্মের জ	ন্য এগুমাল	[গ্যাম		85	770
नि प्राप्त हर्ग	<b>h</b> .			*	<b>)</b> )

গিভাদ্ ওয়াক্দ	***	***	***	85	<b>연</b> 2
পুৰণ দ্ৰৰ	*	4 .	9	ě+	**
গোল্ড সাইজ				33	13
স্বৰ্থ বৃত্ত করণ প্রাণালী	***	***	*	11	22
अयादमभीय अर्गामकात	রঙক্রণ এ	थवानी	4.0	3)	1)
পুরাতন গিণ্টি উজ্জ্বল			•	¢5	11
मनिन गिणि পরিকাব	করণ প্রণা	नी	50 <b>0</b>	2)	n

## বিবিধ দ্র'ব্য প্রস্তুত করণ প্রক্রিয়া।

#### ष्टेंषिश

	0	14.4			
অর্থাৎ যে উপায়ে পুর	की धवश ख	স্ত মৃতাবস্থায়	জীবিতের	<b>न्यांत्र</b>	
প্রতীয়মান হয		***	***	¢:	١,
ৰজির বাবহারোপযো			***	2)	13
কলের ব্যবহারীপথে	াগী চর্বি ও	প্রস্তুত কর্নণ	***	৫৩	13.
লফোক্ ফ্লুইড	***	***	440	<b>68</b>	
হিলাতি দীপ শলাকা	***	+64	***	*	23
রিজিন দীপশলাকা লা	লবৰ্ণ	***	444	¢¢.	1)
দীলবণ	+ = 6	9.3	*41	¢ 10	18
সবুজ বৰ্ণ	***	***	do	11	39
প্রণালী বারাণ্ট এও	মের ভাষ	***	***	23	10
রোজ সিরপ	•••	444	040	49	13
ব্দিঞ্চার সিরপ্	***		N/A	ų	0
লেবুর দিয়াপ	***		***	3)	2)
কৃত্রিম লেবুর জুস্			***	21	j)
জিগ্জার বিয়ার	111	•	***	¢b-	1
সোড়া ওয়াটার	•	***	***	25	23
<b>द</b> नगरम्	2	*		es	28
হুগদি (Aromatic) f	স্পরিট অ	ব্ জিনিগার	• †	44, 4	15 M
ধোঁত করিন শুল কর	9	***	<b>3</b>	R 22	73
শোহর করিবার নামাব	र्वत्र भोगा		$(x) = \frac{\Phi_{n_0}(A)}{2n_{n_0}}$	40	) <u>1</u>
		_			

<del>ব্যক্ত</del> ন্বৰ্ণ		0.70	•	460	<b>일</b> :
<b>পীতবর্গ</b>				৬১	<i>(</i> '''
স্বৰ্	**		*10		39
সবুজ বর্ণ			**	9	
পাটলবর্ণ	41	•••	••	w 33	
<b>मौलवर्ग</b>		, .	***	" ৬২	"
ক্ষুষ্ণবৰ্ণ	***			·	<b>))</b>
বোতলের ছিপি মোহনে	রে গালা	444	444	<i>#</i>	
ওয়াটার প্রেফ দ্রব	***	***	***	" " 91	<i>1</i> 7
মোম পরিছার করণ	***	***	694	400 400	)) .s
দ্বেলিংবটল	***	***	• •	31	j) .a
८मट मिन्यूम		***	***		19
ক।সা	100			<i>න</i> ඡුට	
হাজেৎপাদক বাস্প	**	+48	***		37
ক্ষিকের দাগ তুলিবাব	উপায	•		***	"
শাবির প্রস্তুত করণ	100			1) <b>%</b> 8	<b>?</b> •
मिमान रेजन भनिकान	করণ	**	***		)7
ক্লারিশাএডগল		•		<i>))</i>	İÞ
ইম্পাতের উপর লিথিবা	র অস্ত এন	গ্রেভিং মি	্ৰাণ	*)	)! 
ফিলটারিং চূর্ণ		***	***		<b>37</b>
কাষ্ঠাক অগ্নিস্ত কাদগ্ধ	কর্বোপায়	4 **	***	<b>\$1</b>	))
কেশ কোঁকড়ান অবস্থা		44	100	11 WW	3.
শুভ কেশকে কুফবর্ণ ক		des.	444		191
বুড়েন্স ডিপিলেটারি	110	***	*44	ונ. פשי	43
রেডউডস্ ঐ		***	504		11
कारमित्रकांन ग्राण्युकि	কার		***	د <i>ا</i> سائ	79
<b>प्रकाशन</b> का	è na	***	444		33
काष छ दी जेन एस है कि	म i	•••	A	u es	PR
आश्राम जीक करिनाव	<b>লেট</b>	***	<b>4</b>		11
भागितक नाइकिए लीव	প্রস্কৃত কর	<b>4</b> .	435	2 =	₩ <sub>0</sub>
Distance A	> 4 4 1 4	•	2.24	, ,	15

চিত্রকর্দিগের জিম	147	433	210	40 9	j:
তি ক্রিয়ান্দ্রের ক্রিয়া	•••	400	'	90	j1
ভিনিসটারপেনটাইন	•••	***	4#4	45	1)
अं हिंद	***	**	44	95	Ħ
মূ <b>তি</b> সিরিষ	•••	121	844	45	<b>31</b>
।শামন ভরুক শিরিধ	***	***	4++	92	11
জরণ ।শার্থ ম্যাবিন সিরিষ			***	93	)1
	***		•	42	tr.
গ্লিসিবি <b>ন</b>		•••	***	ÖF	H
स्त्रा 	• अस्त्रा सर्वत्रम	**		90	39
and the first first first	<b>ওর জল</b>		•••	90	11
র্ক্তবর্ণ		411	***	945	38
<b>ক্রিম্সন্</b>	•	***	***	48	44 58
এ্যাম্বারবর্ণ 👁	Many.	***		9.8	)) ))
অলপ্ইয়ের বর্ণ	•	***	444	98	
क्मनारमञ्ज दर्	***	400	***	98	11
পিক বৰ্ণ	***	***	144	98	ĮJ.
পর পল্ বর্	***	***	444	92	ij
ভায়লেট বৰ্ণ	***	***	4 400		44
পীত বৰ্	***	***	444	94	ŋ
স্বুজ বৰ্ণ	***	# ***	***	9 &	78
নীলবৰ্ণ	100	- +++ 	ete Santon managhi	9 &	13
मानाविध शंगार्थ स्ट्रेट	<b>उनाक</b>	াচক কথা	हिर्वात व्यनामा	9.50	11
শাইক্রেসাক্ সল্ট	***	***	474	9.46	11
বৈছাতিক গ্রামণল্গ		***	100	74	H
ধ'ভুকে শীঘ্র দেব কর	•	***	***	**	ij
সহজ উপায়ে গ্যাসের	আলোক	414	***	9 4	37
বিবৰ্ ছন্তিদন্তকে শুৰ্জ	বর্ণ করণ	1**	The second	79	g) p
হস্তিদক্ষে নক্সাকিরণ	644	***	419	46	33
ं इश्विम्ब्यूट्स वर्षावद ट	কামণা কর	9	40.0 to	16	19
			•		in.

মহিষের শৃঙ্গ কোমল	কপ্পণ		*14	41~ 성:
জার্মাণ সিল্ভার	664	410	***	ار ط9
সট মেটাল্	444	44	444	۱, کړه
भीष्र भनमभीन धाजू	846	***	169	າລ _
বিজি কাঁসা	4 69	4 4 4	***	bro ji
পিউটাৰ	1 1	•••	***	b-0 ),
কুইন্স মেটাল	9.61	***	•	b-5 ,,
ত্রিট নিয়া মেটাল	¥4è	**	***	b-5 ,,
টাইপ মেটাল	444	•••	***	b-5 ,,
श्रि:मम (यह म्	***	***	***	b's ,,
ধ্বল মেটাল্			***	ر. ر. دط
পি <b>ত্ত</b> ন্থ	***		644	ક્રમ્ય <u> </u>
<b>গৈক্ষাপা</b>	188	410	444	b-2 ,;
গোল্ড লোভ	***	464	444	b-≥ ,,
বৈ শ্ৰ	***	466	846	رز ف
ব্রেঞ্চের্ণ [ক] স্বর্ণবর্ণ	+++	111	444	₽ <b>-</b> ७ ′,,
(খ) বোপ্যবর্ণ	+++	460	***	b-0 ,,
(গ) বস্তব্ব	441		480	b-9
ব্ৰোঞ্জিং করণ	***		*4*	₽-8 m
পিডলের কার্টো ব্রোঞ্জি	ং কর্ম	***	444	F8 ,,
ঝাল প্রস্তুত করণ	114	***	***	be 1,
পিতলের ঝাশ	446	6.0	199	bre 31
সাং ঝাল	***	***	***	bre n
শ্বাল	494	***	200	b∉ ,,
রোপ্য ঝাল	444	444	A 100	b-to 33
छाप्रन निगक्त वीन	112	••	***	3) ))
শিৰোগ্ৰাফি কাগীৰ গ	Q.,	***	*6.	, y y
দ্বাপু প্রস্তু করেণ	ekęs	100		n n n
দুপুণ প্রস্তুত করেণ ইতিয়ারবর গলাইবার	अशस्य क	ěve	***	ĕ•9 ~, •,

***			-11	bb	위:
কাঁচে অন্ধিত করণ	***	444		•	۲ الا
লোহ ও ইস্পাতে	ঐ	4 4 9		bit.	
জিন মদিরা	444		***		13
ক্লাবেট এ			***	tra La	at
লণ্ডন পোর্ট এ	444	0.66	***	いか	Ð
मध्यमिविविधवत्व क्रिय	চ কবণ	***	400	しゅ	71
আহি ও হস্তিদন্ত বিবিধ	বংগ ব	রঞ্জিত কবণ	***	₩.	1)
মতিয়াদি শাস রক্তবণ	এ	•••	***	\$>	13
প্রেক্সস্তা বিবিধ বর্ণে	ଏସ '	***	444	44	4
বিবিধ প্রকার সিমেণ্ট	প্রস্থাত	করণ		25	12
ময়দার আটা		•		25	41
কাচ জুড়িবার	<b>(b)</b>	*		24	11
প্রস্তর জুড়িবার	(p)	•		2,5	ш
এ্যান্ডার প্রতিবার		•	•	20	12
्या का		•		20	15
ত্রালাস আরমেনিয়ান	ďλ	<b>*</b> ,	14	20	10
ভাষ্যও	a)			38	22
বিশস্ ফায়ার প্রেফ	(B)			84	şi
বয়শার		**	•	₩8	12
বোটানি বে	M)			58	-
ব্ৰুষ্	ત્રો				**
ক্যাপ	ď,	• •		84	\$1
दक्षिकाल जिद्यके	Ф, "	*	•	à¢	14
- চাইনিজ	(b)	*	* *	54	##
কপার শিাথস্	a)	•		24	21
কটপাস	· (2)	•	• •	24	1\$
ভিন্বের	<b>,</b> Ф,	4	•	24	11
স্থিতি স্থাপক	Ø,	***	7 P	20	
রবাবের জুতা জুঞিবার বৈহাতিক	رات راق, ا	***		94	17
ু বৈষ্ট্ৰীতিবা	ष्र	***	A6 *	54	31
					4

रैनिक्षिनिश्वाम'	সিমেণ্ট		444	৯৭ পূ
ফায়ার প্রেফ	<b>എ</b>	140	4 4	رر ۹%
<b>5'J'फ</b> म्	മ്	•••	*4*	ر, 9%
शामिनिञ	ৰ)	***	***	<b>એ৮</b> ,
<b>का</b> हित्तम	এ	••	+	৯৮ "
প্ৰাস	ര്	449	***	<b>ል</b> ৮ "
ষ্টিম বয়লার	മ്	***	640	৯৮ "
ষ্টিম পাইপ	a)	***		ఎస్ ,
চিনের বাসন জুডিবার	(b)	441	***	<sub>ال</sub> هذ
কাঁচ জুড়িবার সহজ	উপায়	948	***	నిస్త్రి
বিবিধ প্রকার অনৃগ্য স	<b>া</b> গী		***	3) sy
প্রস্তারের এন্থ্রেভিং ম	াসী	***	410	505 11
লিখোগ্রাফির	a)	***	₩.	545 %
বিবিধ প্রাকার	ďγ			٠, ٢٠٠
ক্লু ফুবপ 🔶	rd>	•••		١١ ٥٠٤
নীলবণ মিডািড	खे	444	•	5 • 8 ,,
নীপ	ब	4+4	•	50¢ "
Cव्याभ	<b>S</b>	***	•	5 · & 3)
নকল করিবার	এ	••	***	50¢ 34
রক্তবণ <sup>*</sup>	ট্র	460	4	50% Jr
পরপল	d)		***	> 9 ,,
ৰোউনী	ို့ရာ	•		>09 "
সব্জ 💿 🤌	क्	• • •	· E.	09 "
শীতধৰ	a)		***	5 ob ,,

স্বগ্ৰিণ	সিমেণ্ট	***	***	5 00	쒸
হটিকল6রল	رق ر	•••	***	2 op.	'n
<b>ভিন্নস্থা</b> য়ী	<b>ھ</b> )		***	2 op	7,
हीरनद मभी	Ø,	***		505	,,,
চিহ্ন ক্রিবার	w,	***	***	\$\$0	*,
मूखाकन विवास	ره	• • •	***	555	33
পাতলা জুতার কা	नो		***	550	11
ব্রায়াট এবং জেম	म मार्ट्स्वत है	থিয়া রব	র তন্ত্রণ		
· ·	তার কালী	•••	***	558	##
জুভার কালী	•••	***	111	558	12
জুতার কালী যাহা	क्रक इंद्रेग्न, हुन	জ্ঞা হয়	•••	226	13
অশ্ব সাজের কালী	***	***	16	\$\$¢	31
শীল আলোক	***	***	414	>>%	,,,
<u> विक्थनम</u>	ঞ		4+	559	
সাবুজা	À	•	. At.	\$\$#	"
ফিকা স্থানর সর্জ	23	494	4 6 4	\$\$be*	1)
विवा द		444	850	535	Ŋ
শিক্ষ	33	•	***	558	н
পর্পল	723	489	649	555	22
দ্বক্তবৰ্ণ	s <b>(</b> n)	400	+++	59.	,JF
কম্লা বৰ্ণ আলোৰ			4.00	585	1/9
পর পল্ প্রণ আলে	本	940 0	<b>3</b> 4	38%	y.
र्गाणांभी जारनांक	+10	111	100	525	a Pi
चारमारन वर्ग भार	माक	***	*** *	A STATE	<b>&gt;</b> 8

, s 48		M			•
গাঢ় ভায়োলেট বণ	অালোক	***	4++	522*	M.
ক্ষিকা ভাষেণ্ডেট বগ	' অ্লোক		***	५२२	n
গীতৰণ আলোক	_	•••	444	५२२	35
স্বাদা আলোক	***	***	***	১২৩	1
বন্দুকের বাকদ	***	***	***	. 528	n
বিবিধ প্র	াকাব রং	প্রস্তুত কর	ৰণ প্ৰণালী	• •	
ভার্নিদেন	***	***	442	52¢	**
শাইট বেড	***	***	++1	<b>५</b> २७	**
কার্নিন -	***	400	444	५ २७	"
ভুরু <b>ল</b> কার্ম্মিন	114	400	• •	>29	**
ব্ৰুম কাষ্ট্ৰের লেক্	*	4 * *	**	52,4	31
কচিনিল লেক	111	***	474	<b>ን ২</b> ৮	"
ল্যাক লোক	***	***	444	> 50	31
ম্যাদরি লেক	•••	***	***	ンマア	17
অল্ট্রাম্যাবিন্	***	444	•••	522	))
কুত্রিম অল্ট্রা্ম্যারিক	<del>(</del> ,,	13	39	500	•
কোবল্ট নীলবণ	99	10	10	,500	n
প্ৰানিয়ান নীলবণ	,	*	*	\$00.	
हीरभव नीन	*	3è	10	2/27	#
স্যাক্ষন নীলবণ		20	, p#	202	
श्चिम्ब मीलवर्ग त	- N - 1	30	"	505	٠
পরিশ্রুত দাদিথিক		<b>*</b>	*	3000	3) 185
	n _	<del></del>			₹

9/27/7

39-1906

# 36 24

# সুগন্ধি দেব্য প্রস্তুতকরণ প্রক্রিয়া।

#### গোলাপ জল।

- (ক) সচবাচর গোলাপ জল চোযান প্রথা থারা প্রাক্ত ইইয়া থাকে টাট্কা সংগদি পতদল গোলাপ প্রেণর পাপরি ১০ পার্ডিও এবং গোলাপী আতর ৩০ ফোটো এক গালন্ জনের সহিতে বক যন্তের সাহাযো চোযান প্রথা সম্পন্ন হয় কিন্তু উপরোজ্জা প্রথা বাতীত অন্ত প্রকার উপায়েও ইহা প্রস্তুত কর যায়
- (খ) তাটো অব্রোজ অথব গোল পী অতর ৮ ১০ ফোটো বিজ্ঞান ঘটিকাচুর্ণ এক ডামে উত্তমরূপে নিশাইয়া তিন পোমা প্রিজ্ঞান্ত জালে দ্র্য করিয়া, পরে ফিল্টার যা শোষক কাগমে হাঁকিয়া লইতে হইবে।
- া) নিজত তথিবা বৃষ্টির জল এক পাইন্ট এবং শিপরিট লব বোজ এক ডাম্ একত মিগ্রিত করিলে অভি সহজেই ইহা রস্তত হয়

মৃগদাভি, ভারলেট পূপ্প ও জেদামিন পূপ্প প্রভৃতির মুগন্ধি জল প্রস্তুত করিতে হইলে উহাদিগেব প্রত্যেকটীর এসেন তুই ড্রাম এক পাইন্ট্ বিশুদ্ধ জলে মিশ্রিত করিতে হইবে

#### ল্যাভেগুরি জল।

- ১ অতি উত্তম লাভেণ্ডাব তৈল তিন ড্রাম, এক পাইণ্ট শোধিত হুরায় দ্রব করিয়া পবে ৮০ গ্যালন্ গবিজ্ঞত জলে মিশাইয়া লইলে ইহা প্রস্তুত্বয়
- ২ ইংলিস ল্যাভেণ্ডাব তৈল । পাউন্ন, তিন কোয়ার্টস্ শোধিত সুরায় দ্রব করিয়া, এক পাইণ্ট শোলাপ জল মিশ্রিত করতঃ পবে ফিল্টার ব শোষক কানজে ভ্রাকিয়া লইতে হইবে।

#### বিশেষ সদগ্রযুক্ত ল্যাভেগ্রার জল

- > ত্রাও সাহেবের মতে, শোধিত হ্রা ৫ গ্যালান, ল্যাভেড়ার তেল ২০ আউনস্, বার্গেসট্ তৈল পাঁচ আউন্স, এবং এগন্ধারতি জ্ এসেনুস্ অর্ধ অ উন্স্ একত্র মিশ্রিত করিলে প্রস্তুত হয়। কখন ক্থন ইহাতে অরিসের মূল ■ আউনুস্, কিছু দিন ভিজাইুয়া ফিল্-টার করিয়া লওখা যায়।
- হ ভাজাব পাগেরবার মতে ল্যাভোগার এবং বার্গেমট তৈল প্রেড্ডাকেন্ডিন ড্রাম্নজটো অব বোজেন্ এবং লখজ তৈল প্রত্যেকে ছার কোঁটা, মুগনান্ডি ছাই গ্রেণ বিভেদ রোজদ্বেরি তৈলু এক ড্রাম, রিভার মধু প্রকু আউন্স, বেঞ্জোইক এসিড ২০ প্রেণ, স্মাধিত ক্রিম্বিক পাইণ্ট এরকপরিজত জল তিন আউন্স্ মিশ্রিত ক্রিমা

#### শ্বিথের পরিস্রুত ল্যাভেগুর এসেন্স

ইংলিস ল্যাভেণ্ডার তৈল ■ ভাউন্স্, পবীক্ষিত স্থা [শোধিত সুরা ৫ ভাগ ও জল ৩ ভাগ] পাঁচ পাইণ্ট্, এবং গোলাপ জল এক পাইণ্ট, সিশ্রিত করণান্তব, চোয়াইলে ঠিক পাঁচ পাইণ্ট্, ইইবে

## ইউ ডি কলোন্।

ডাক্তাব গ্রানভিল সাহেবেব মতে, লাভেণ্ডার তৈল বার্গেন্
মট তৈল, লেবুর তৈল এবং নিরোলি তৈল প্রত্যেকটা এক আউন্স্
এবং দাক্চিনির তৈল অর্ধ আউন্স, স্পিরিট্ অব্ রোজনের প্রবং স্পিরিট্ অব্ বাম ১৫ আউন্স্, সাড়ে সাত পাইন্ট্ পোধিত হ্রায় মিপ্রিত ক্রণান্তর এক পক্ষ কাল রাধিতে হ্রবে; পরে চােয়াইয়া লইলে ইহা প্রস্ত হ্রয়া থাকে

ফরাসি ফাবমাকোপিয় মতে বার্গেমট, সিট্রন, এবং লেবুর তৈল প্রত্যেকটী ৩ আউন্স্, রোজনেরি, নিরোলি এবং লাভেগ্রাব তৈল প্রত্যেকে দেড় আউন্স্, দারুচিনির তৈল ছয় ড্রাম শে থিড স্বর্মী ২৪ পাইটি, ইউডি কার্মিস, ৩ পাইট এবং ম্পিরিট্ আব রোজনেবি ছই পাইটি মিশাইযা এক সপ্তাহ কাল রাখিয় চোরাইমা লাইবে

ইউ ডি কলোনের স্থায় স্থগি বা নকল ইউ ডি কলেন্।

ইহা প্রস্তুত করিছেই হইলে এসেন্দ্ অব আর্থেরিট আর্থিন্তুত লেবুর এলেন্দ্ ৩ ট্রাম, এপেন্দ্, অস্ব সিদ্ধানি তুই দ্রাম নিয়োলি এবং রেজিমেরি তৈল প্রত্যেকে দেও ড্রাম, বাম জৈল অর্ধ ড্রাম, দেও গালান্ শোধিত প্রায় মিশ্রিত করিতে হইবে

## कन् (मनद्विष्ठिष्ठ देखे षि कल्मान्।

সিজ্যট এবং লেবুর তৈল হুই ড্যা, গোজমোব তৈল এক ড্যান, বার্গেট তৈল এক আউন্স্ স্পিবিট, অব্ নিবোলি ২ আউন্স্ এবং বিশুদ্ধ শোধিত হ্বা ৫ আউনসেব সহিত উত্যৱপে সিশাইলে ইহা প্রস্তুত হয় ইহাও ইউ ডি বলোনেব হ য় ৰাব্ছ ধ্য

## ইউ ডি কার্মিস্।

বাম পূশা ২৪ আউন্স, দোর্ব তৃক্ স্ফাচ্র্য ৪ আউনস কৃটিত দাকচিনি, লবঙ্গ, দায়ফল, প্রত্যেকের তৃই আউন্স, কুটিত ধনে ১ অ'উন্স্ শুজ এ'াঞ্জেকিল' সূল চূর্ব ১ আ'উন্স্, এক গ্য'লন — শোধিত স্রায় চ'র দিবস কাল ভিজাইয়া চোযাইয়া লইলে প্রস্ত হয়।

## কুইন্ অব্ হজেরিজ জল।

বোজমেরি পূঞা ২ পাউগু, শোধিত ত্বা এক গালোন এবং উহাতে অবশুক মত জল সংযোগ করিয়া পরে এক গালোন্ গৈয়াইয়া লইতে হইবে ইহা রোজমেবি স্পির্টি, নামে খাত ইয়া থাকে

## रेंछे फि এश्व फिग्रिलि

বেঞ্জাইন 
আউন্স, প্রোবাক্স ২ আউন্স, লবস গর্জ
আউন্স, ক্যালেম্য্ এবং দাক হিনি ও জ্যেকে শিকি আউনস্ ধনে
এক ডাক্স্ডাই ক্ষেত্রটী জবা উভসরপে বৈ টিত করিম, উহাতে
ভিনি কোমাটাস্ জুল মিশাইয়া, গুই কোমাটস্ট চোমাইছা ৩ৎপরে
আইছা পরিমাণে এসেন্স্ সব্ মান্ধ সংযোগ করিম লইতে

### স্থাদি দ্রবা।

## ইউ ডি প<sup>টু</sup> গাল। '

दक भग्नाम् त्वकिषावण् न्थिति, कम्मा प्रकात रिष्म ७ षार्छम्म्, त्वतूत रिष्म जक पार्छनम्, त्वमम खग्नाम प्रतिक पार्छम्म् भिक्षिक कित्व शिक्ष १ द्य

## रेखे कि शिर्द्धे। हि भि

ভাগিলা চুর্ণ ৩ ডাম, কমলা গুণেশব উৎকৃষ্ট জল ৬ আউন্ন্
এক কোয়াট্স্ শে ধিত হ্বায় তিন দিবস কাল ভিন্নাইয়া রাখিয়
পরে উফ জলের উত্তাপ দারা চোয়াইয়া লইতে হইবে। কখন
কখন ইহাকে কচিনিল দাবা বঞ্জি কর যায়।

## পুতন ভিক্টোবিয়া স্থগন্ধি।

কুটিত লবল ৪০ গ্রেণ, ভা নিলা এক ডাম্ সিডাট্ তৈশ

কেটাটা, চন্দন তৈল এক ডাম্, দাকচিনি ১২ গ্রেণ, ভাবেশার
তৈল ৮ কেটা ডি লোজ ৮ কেটা, নিরোলি তৈল ২০
কেটাটা, লাভেণ্ডার তৈল ১ ডাম, এটালাবিজিজ, ১৬ গ্রেণ, টিংচার
তব্ মান্ধ ১ ডাম্, ১৬ আউন্স্ শে বিত হরায় এক সপ্তাহ কাশ
ডিলাইয়া পরে ফিল্টার করিয়া লইতে হইবে

## পারফিউন্ ডি রয়।

সূই গ্যালান্ স্পিরিটে ৬ আউন্স্ স্থোরার, বেজোইন্ ১৬ আউন্স্, সুস্কবি কাঠ ৮ আউন্স্ স্পিরিট অব রোজ ২ পাইন্ট, কালা প্রপার নিয়ারিট ২ পাইন্ট, আমারারিল অসেন্স্ ৮ আউন্স্ আমারারিল অসেন্স্ ৮ আউন্স্ আইন্ট নার অব্ ভ্যানিলা ১৬ আউন্স্ এবং টিংচার অব্ মাজ আট লাউনস্ মিপ্রিত করিলে ইহা প্রস্ত হয়।

#### স্পিরিট ডি রোঞ্চ।

গোলাপী আতব ২ জাম নিরোলি তৈল কর্ম ডাম্ এবং শোষিত হব এক গালান্ একটা পাত্রে একত্রিত করতঃ শুদ্ধ ক্লোরাইড্ অব্ক্যালসিয়ম্ নিতান্ত স্ক্ষা চুর্প দেড় পাউন্ড্ মিশা-ইয়া নাড়িতে হইবে, অবশেষে চোষাইলে ৭ পাইন্ট্ অবশিষ্ঠ থাকিবে

#### গোলাপী আতর।

সাগন্ধযুক্ত শতদল গোলাপ পুলের পাপড়িগুলিকে একটা কাঁচের পাত্রে অভান্ধ জলেব সহিত রৌদ্রে যে পর্যান্ত উহা হইতে ফোণা নির্গত হইতে আরম্ভ না হয়, সেই পর্যান্ত রাখিতে হইবে। তৎপবে উপবস্থ ফেণ সংগ্রহ করিয়া, চার গুণ পরিমাণ তিল অণব বাদামের ভৈদ্র, উহার সহিত অভি উন্তর্মবর্গ মৃদ্ধিত করিলৈ গোলাপী আতর প্রস্তুত হয়

## শিথের ল্যাভেগ্রার শির্টি।

ইংলিদ্লা'ভে এর তৈল ২ আউন্দ, এদেন্দ্ অব্ এসমার-প্রিজ > আউন্দ, ১ পাছণ্ট ইউডি কলোন্ ও ১ পাইনট্ পোধিত স্রা গিশ্রিত করিলে প্রস্ত হয় ইহা সচরাচ্ব ক্যালে ব্যবহৃত স্ইয়া থাকে।

## वूदक फिला तिन्। •

বার্গেস্ট ও ল্যাভেণ্ডার তৈল পত্যেকে, ৩০ ফোঁটা নিরোলি
কৈন্দের কেন্টা, ভার্বেনা এবং লবঙ্গের কৈল প্রত্যেকে ৫ কোঁটা
প্রস্নেস্ অব সান্ধ, গ্যান্থারগি,জ এবং জেসাবিন্ প্রভ্যেকে জর্ম
জায় এই দমস্ত গুলিতে অল পরিমাণে শোধিত হ্রান নির্দিইয়ান

## হুগন্ধি দ্রবা।

#### ভ্যানিলা এসেন্স !

• ভাানিলা চূর্ব ১২ অ উন্স্ স্পিরিট অব্ এসংশ্রিটী তিন পোয়া লবঙ্গের তৈল ৩০ ফোটা এবং মৃগনাভি চুর্ব দর্শে একএ সিশা-ইয়া এক সপ্তাহ কাল বাখিয়া পরে ফিন্টার কবিয়া লহতে হইবে।

#### গোলাপের এসেন্স

উত্তম গোলাপী আত্তৰ জৰ্জ ছটাক, এক গা'লান্ শে থিত সুবাৰ সহিত মিশ্রিত করত আরত পাত্র মধ্যে জনীয় বাম্পোজাপে উফ করিয়া চকিলে ষণ্টার পর ছ'াকিরা লইলে ইহা প্রস্তুত হয়

#### ভার্যেবনার এসেন্স।

ভাবে নাব ভৈল ২ ভাম্, শে ধিত হবা ৪ আউন্স্, এসেন্স্
ভাব্ এাজাবলি ভা ভর্জ ভাম্, কমলাপুলের জল ভর্জ আউন্স্
একতা নিভাত করিতে হইবে। কেহ কেহ ভাবেনি ব তেল ভার্জ
জ্ঞাতিনন্ ভানিলার এসেন্স্ ৪০ ফোটি, ৪ আউন্স্ শোবিত
হ্রাম নিগ্রিত করিয়া প্রস্ত করেন

#### কলোন এসেন্সা

বার্গেনট তৈল ২ ডাম নেবুর এসেন্স্ অর্ধ ডাম, এসেন্স্ অন্ সিডাট্ ওর্ধ ডাম, রে জমেবি তৈল ১৫ ফোটে এবং উহাস সহিত শে ধিত হার দেড় আউন্স্ নিভিতে করিতে হাইবে

#### এ্যান্থারপ্রিজ এসেন্স।

## অতি উৎকৃষ্ট স্থগন্ধি এসেন্স।

ল্যা'ভেণ্ড'ব তৈল ৪৮ কে'ট, লবজেব তৈল ৩২ ফে'টা, কমলা ত্বকেব তৈল ১৬ ফোটা, বার্গেমট তৈল এবং নাইট্রিক্ ইণার थारजारक ৮ रक है, वक एम रसव रेडन निर्त्यानि रेडन, श्रीनारी আত্তর প্রত্যেকে ছই ফোঁটা, দাফচিনির তৈল এক ফোঁটা, শোধিত হার এটাম্বারাগ্ড এসেন্স্ও মৃগনাভি এসেন্স্ প্রত্যেকে অর্দ্ধ ছটাক এই কয়েকটা উত্তসরূপে সিশাইয়া পরে অত্যন্ত মধু গিশ্রিত ৮ আউন্দ্ পরিস্থাব জল উহাতে সংযোগ কবিলে ইহা প্রস্তাত হয়।

#### লেবুর এসেন্স

লেবুর তৈল ১ আউন্দ্, ৮ অউন্দ্ হ্যোবীর্ষা, টাটকা লোহিড বর্ণ লেবুর অক্ অর্দ্ধ আটন্দ্ তুই দিবস কাল ডিজাইয়া পবে চোয়াইয লইতে হইবে

#### জিন্জাব এসেন্স

কুটিও সুটি ৫ আউন্স, শোধিত সুব এক পাইণ্টে এক পক্ষ काम स्क्रिकारेया भरत किन्छ। त कविय महरू रहरूव

#### স্থান্ধি দ্বা

"পনেটমু, হেযারঅমেণ্ প্রভৃতি সুগন্ধিত কবিনার জন্ম নিম্-ি সিখিত তিন প্রকার স্থান্দি সাধারণতঃ বাবছাত হইয়া থাকে।

ক) কাউশ্লিপ ত্রেন্দ্ অবুনোগেনট ৮ আউন্দ্ লেবুবা এদেন্দ্ ৪ অ উন্দ ্লারকের তৈল দুই আউন্দ্ এবং এসেন্স ভি পিটিট দিণ ্তিপ্রতিমুগ্র উত্তমরপ্র মিপ্রিত করিলে গুম্বত হইবে

## (খ) জनक्ष हेलि।

वार्शिमिं अवर त्ववूत अरमगृ व्यत्यादक ए च छिग् कमना-प्रतिव देवन अवर नवत्त्व देवन व्यत्यादक २ आछिग्म् मार्माक्षणेग देवन अक बाखिग्म्, अभीव हिलाम व्यक्त बाखिगम् अक्य गिनारिया करमक बन्धाकान छिक्छ दन नाथिय शदन छेशत्रस्र शतिसात व्यस्म ছ'। किया नहेल हहेत्व

## (গ) মিলিফুর

অত্যুৎকৃষ্ট গ্রামারগি ভ এদেন্স্ । আউন্স, লেবর এমেন্স্
তিন আউন্স, লবস তৈল এবং ল্যাভেণ্ডার তৈল প্রভাবেশ ছুই
আউন্স্ এসেন্স্ ডি পিটিটগ্রেণ, এদেন্স্ অব্ বার্গেমট এবং
বালসাম অব্ পির প্রত্যেকে এক আউন্স্ একল উত্যারপ মিপ্রিত
কবিলে প্রস্তুত্র । ইহার এক অ উন্স্ একপাইন্ট প্রিমাণ শোধিত
স্বায় তব করিয়া ক্মালে বাবহারোপ্রোগী স্থানি হুইয় থাকে

মিক্তাব্রোজ।

মিষ্ট বাদাম ৫ আউন্যু, তিজ বাদাম এক আউনস্, গোলাগ জল আড়াই পাইট, খেত সাবান কৰ্ম আউন্ম, বাদামের তৈল ক্ষম আউনস্, তিমিবস তুই আউনস্, খেম সোম কৰ্ম আউনস্, লাভেণ্ড'ব তৈল ২০ কোঁটি, তাটে ক্ষব সোজ ২০ গোটা এবং শোধিত হার এক পাইটি প্রাণমন্ত লি উন্ম রপ গোত করিয় সাবান ও অতাস গোলাপ জ্লেন সহিত চট-কাইতে হইবে পরে উহাতে উত্তমবপ মিগ্রিত জ্বীমৃত, খেজ মোন তিমিবসা, এবং বাদাম তৈল সংযোগ করিয়া ক্রিয়া ক্রান্ত ভার ইইলে উই বন্ধ ঘালা ছাঁকিয়া লইবে এবং খনলৈখে ল্যাভেণ্ডার তৈলি এবং অটো অব রোজ লিপরিটে দ্ব করিয়া উহার সহিত মিশ্রিত করিয়া লইকে ভাইষে কিন্তু সামাশ্র প্রকার উপায়েও ইহা প্রস্তুত কবা যায়। ১ আউনস বাদাম তৈল এক ডামু পটাসদ্রবের সহিত মিপ্রিত করিলে যখন উহা ক্রিমেব স্থায় হয়, তখন ১ পাইণ্ট গোলাপজল ক্রেমে ক্রেমে উহাতে সংযোগ করিয়া মর্দিত কবিতে হইবে

#### কোল্ডক্রিম

শেত মোম এক আ উনস, বাধাম তৈয় । আউনস, গোলাপজল

ই আউনস, সোহাগ হ জ ডুাম্ এবং গোলা । আউর ৫ ফোঁটা
প্রথমতঃ মোম আল উত্তাপে বিগলিত কবিন, বাদাম তৈল মিলিত
কবিতে হইবে; এবং সোহাগা গোলাপজলে জবীভূত করণান্তর
উহ'র সহিও মশাইয় পরে আতর মিশ্রিত করিলে ইহা প্রস্ত

## म्बर्त किम।

এক জ উনস্বাদান তৈল এবং ২ জুমা তিনিবসা অগ্নান্তাপে
কলাইয় যথন উহা লীওল হইবে, তথন-উহাতে ১৬ ফোটা এসেল
জন্লেমন মিশ্রিত করিয়া লইতে হইবে

#### উত্তম উইগুসর সাবান।

শাণে অত্যন্প কটিক সোডার সহিত মিশ্রিত করিয়া যথন উহা সাধানের আকাবে পরিণত হয়, অধন অতাল্প পরিমাণে নিবিরের টেকে বার্নের্মিট তৈল ত্রবং লীভেণ্ডার তৈল উহাতে বোল করিলে ইনি প্রভাত হয় ইহা অবিকা, আয়ুও প্রগদি। করিটে হইলে এমেনস অব মান্থ অ্যানারণি, জ এউত্তর উহাব সিইক মিশ্রিত ক্রিতে ইইবে

#### হ্নি সাবান

ইহা প্রস্তুত করিতে হইলে শ্বেত সাব'ন খণ্ড খণ্ড করত অগ্নান তাপে তাব করিয়া অত্যল্প পরিমাণে ভার্কেন এবং রোজজিরেনিয়ন্ তৈল উহাতে মিশ্রিত করিতে হইবে।

#### কাব লিক সাবান

শেত উইওসর সাবান ১২ ভাগ কাবলিক ত্রিসভ্ ১ ভাগ। প্রথমতঃ সাবান অগু াতাপে দ্রব করিয়া পরে কাবলিক অগিও মিপ্রিত করিতে হইবে।

### কঠিন পমেটম।

মেষের চর্বি এক সের, পীত মোম তুই ছটাক, ডিমিবসা অর্জ ছটাক এবং বেজোইন চূর্ণ ২ জাম্ একতা করিয়া অগ্নান্তাপে বিগলিত করিতে হইবে এবং উহা শীতল হইলে ল্যাভেড়ার তৈল ২ জাম, ত্যাস্থাবগ্যিজ এসেল ভর্ম জাম মিজিত করিয়া লইতে হইবে।

## । স্থান্ধি পমেটম।

মেষ ও শ্কবের চুর্বি প্রভোকে ১ আউন্দ অগু তোপে গলাইয়া বার্গেমট এসেন ১ ড্রাম, লেবুর এসেন ১ ড্রাম, রোজমেশ্বি ও কাসিয়া তৈল প্রভোকে অর্দ্ধ ড্রাম এবং লবক্ষর তৈল ২০ কেশ্বিটা মিশ্রিত করিলে উৎক্রন্ত জ্বান্ধি প্রমেট্য প্রান্তত হয়।

## ्रिताषा भटमरेम ।

কঠিন পমেটম আয় জোপে গলাইয়া, উন্ধান আলক্ষানেট মুল ক্লিবারা উত্তম রক্তবর্ণ রঞ্জিত করত উফাবস্থায় আয় গোলাপ আল দিয়া নাড়িত হইবে পরে শীতল হইলে অত্যন্ত পরিমাণে গোলালী আত্র মিশ্রিত করিতে হইবে।

#### ভাগনিলা প্রেটম

কঠিন এবং বোল পটেটম্ প্রজ্যেক ১২ পাউও এবং ভানিলা চূর্ণ ১ ও মিশ্রিত কবত অগ্যুতাপে গলাইয়া পরিস্কৃত অংশ চ নিনা নইতে হইবে তবে উহাতে অত্যন্ন অটো ডি রোজ এবং বার্গেমট তৈল মিশ্রিত করিলে প্রস্কৃত হইবে।

#### মাকাসার পমেটম।

বিশুদ্ধ এরও তৈল ৫ সাউল ও ১ লাউল পেত মোন্ অধানভাপে বিগলিত করির, লর্জ আউনস্পরিমানে আলক্যানেট মূল
চুর্ণ দ্বারা রক্তবর্ণ রঞ্জিত করত ফ্ল্যানেল কাপড় দ্বারা দ্বাঁকিয়া
লইতে হইবে। পরে অরিগেন্য তৈল ও রোজমেনি তৈল
ভাত্যেক ১ দ্রাম, জানফলের তৈল , অর্জ দ্রাম এবং গোলাপি
ভাত্যেক ১ দ্রাম, জানফলের তৈল , অর্জ দ্রাম এবং গোলাপি

#### ইফ্ট ইণ্ডিয়া পদেট্য।

মোন্ত চিনির সহিত গুড়ান মুগনাভি ২৯ কেলাইন চূর্ব ও আউল এরং চিনির সহিত গুড়ান মুগনাভি ২৯ কেলা একটা আহত পাজে বাখিয়া চুই ঘটা কাল অগ্যান্তাপে জবীভূত করত পরে পরিকার অংশ সান্ধানে ঢালগা ছাকিয়া লইতে হইবে এবং অগ্নেবে উহাতে গোরুর এসেল অগ্পান্তাল, লাভেডার তৈল ছামি এবং লবল, কাালিয়া এবং উ্রেনা ইত্যাদির তৈল মুট্টাকে কর্ম ভ্যাম পরিয়ালে বিভিত ক্রিয়া লুইতে হইবে

প্রাধির তৈল চুলের জন্য। সাধারণতঃ নানিকেল তৈলে প্রগনি দেব্যাদি মিডিত করিয়া। মুয়ান প্রিয়া প্রস্তুত হয় কিন্তু ভিল কিন্তা বাদানের তৈলে ইহা প্রস্তুত হইলে জাত উৎকৃষ্ট হইয়া থাকে। প্রথমতঃ পরিক্ষার নাবিকেল তৈল, তিল কিলা বাদাম তৈল ১ পাইন্ট্র ২ ড্যাম পরিমাণ প্রাক্ষরণনেট মূল চুল বালা অক্স অগ্যুতালো বা কিয়ৎ-কাল রোজে ল্লাথিয়া ষথন উহা, উজ্জ্বল লোহিত বর্ণ হয় তথন ফিন্টার বা শোবক কাগজে ছাকিয়া লইতে হইলে পরে জারিগেন্ম, বোজমেবি, তৈল প্রভোকে ১ ড্যাম, বার্গেন্ট, লেখুর, নিরোলি এবং ল্যাভেণ্ডার তৈল প্রভোকে ৫ ফোটা, উহাব সহিত্ত মিপ্রিত করিতে হইবে ইহাকে পীতবর্ণ রঞ্জিত করিবার আলাক্যানেট মূল চুপের পরিবর্তে প্রানেটা কিলা পাম তৈল মিপ্রিত করিতে হইবে।

## ্মাকাসাব তৈল।

ভিনেকেটের মতে কেন তৈল । পোয়া, নট তৈল 5 পাইন্ট্ উপরোজের জার এাজেকানেট মূল চুর্ন ধারা বর্ণাক্ষ করিয় ফিন্টার করত রেক্টিকাএড নিপরিট ৪ ছাউমল্ এনিন্দিক্ষ বাঁলেটি ও ড্যাম, উংচার অব্যাস্থ এবং এলেমন্ডি পর্ট্রাল উত্তিকে ই ড্যাম এবং গোলালী আত্তর অর্ড্রাম নিজিত্ত অবিতে হটার।

#### ভ্যানিলা তৈল

বিশুদ্ধ ব'দাম বা জ্বল্প'ইএর তৈল দেড় পাইণ্ট সর্ব্বে'ৎকৃষ্ট ভ্যানিল চূর্ণ ২ আউন্স্, বার্গেমট তৈল ১ ভ্যাম, গোলাপী আত্ম কিস্বা অটো ভি রোজ ১৫ ফোটা একত্র মিশ্রিত কর্ত ছই দিবস কাল রাখিয়া পরে ফিল্টার করিয়া লইতে হইবে।

#### हिউलि वराज

এক পাইণ্ট্ বাদাম কিবা তিলের তৈলে, এগান্থারিছিজ ২ ড্যাম, মৃণনাভি চূর্ণ জন্ধিয়াম ক্যানিয়া, ল্যাভেণ্ডার, নিরোলি এবং লবন্দাদর তৈল প্রত্যেক ১০ ফোটা কিছুদিন ভিজাইয় রাখিয়া, পরেগদিশটার ক্রিয়া লইভে হইবে।

## অস্মদেশীয় ফুলল তৈল।

বেলা, চমল, জেনানিল প্রভৃতি পূপা হইটে নিমলিথিত প্রকারে তৈল প্রস্তুত হইয় থাকে প্রথমতঃ টাট কা পূপাঞ্জনির একটি স্তর করিয়া, তিলেব তৈল সিঞ্চন করত উহা সিজ্ঞা করিতে হইবে, পরে উহার উপর বিতীয় স্তর সাজাইতে হইবে এবং ঐকপ তৈল দারা ভিটাইতে হইবে, এবং ক্রমান্তর গাঁচ ছয় স্তর উপর্যালগারি তেল দারা লিজ হইলে এক দিবসকাল থাকিবে, পরে স্কালপনে তৈল নির্গত করণাস্তর আবশ্যক্ষত ভিলের তৈল মিপ্রিত করিছে হইবে। তেল অত্যাধিক স্থানি করিতে হইবে। তল অত্যাধিক স্থানি করিতে হইবে। প্রস্থারাইটে হয়। এবং স্কালপনে তৈল বহিদ্ধত করিয়া পরে অল্পনির্মাণ্ডে তৈল সংযোগ করিতে হইবে। প্রস্থারস্থার-

## বার্নিস প্রস্তুত করণ প্রক্রিয়া।

-:0:--

## ঞান্ধার বার্নিग।

বিশুদ্ধ ও উৎকৃষ্ট এ্যাস্থার ৬ পাউও, অধ্যুত্তাপে দ্রব করত উহার সহিত উফ নির্মাণ মসিনার তৈল ২ গ্যালান মিড্রাড করিয়া, বে পর্যান্ত উহা চট্চটে না হইয়া আইনে নেই পর্যান্ত ক্রমাগত উত্তাপ দিতে হইবেক। পরে নামাইয়া কাশ্প শীতল रहेरन जावछक मङ । गानन् होर्निम टेजन मश्रेषाश करिएड हरेदा। हेहां नियमिषि७ (कार्यामं वार्निटमत्र स्नाप्त व्यकीयमान হর। যত প্রকার অন্মেল বার্নিস আছে, তাহাদিগের সক্ষ অংশেশা ইহা আধিক কাল স্থায়ী। কিন্তু শুক হইডে কিছু বিলম্ব হর্ষ যদাপি ইহাকে শীল্ল শুক্ষ করিবার আবিখ্যক হয়, তাহা হইলে ড্রায়িং অর্থাৎ শুক্ষকারক মগিনার তৈলে, উঞ্চ মসিশার তৈলের পরিষর্জে ইহার সহিত মিজিত করিয়া ব্যবহায় করিতে হইবে যে সকল পদার্থে কঠিল এবং বছদিনস্থায়ী वार्मिम पावश्रक रवा, रमरे मकम भगार्थ और वार्मिम विद्रभव डिल्ट्य<sup>भ्री</sup>। दक्ष्मा'न व्यन्तिमृदक कठिन ७ अधिककान आहि করণ হাংক কথা কথা কথা উহার সহিত ক্রিটাত ক্রান্যায় कांद्रिशाणि कार्याक जक, जाबाब वार्निम क्षेत्रंड कविटिंड इंदेश्य, ० ६ द्वान न्याचात्र, जरू पाछनम् द्वादाकत्रसम्बद्धान् कतिएउ र्हेर्व।

## ক্লফ বর্ণ এগাম্বার বার্নিস

কৃষ্ণৰ প্ৰান্থার ১ পাঁউও অগু তাপে বিগলিত করত উষ্ণ শুদ্ধ কারক মিনার তৈল অলি পাইটে উহাতে মিশ্রিত করিছে হইবে পরে কাল রজন চূ ০ সাউল, নেপল্স দেশীর গ্রোস্ফ্যালট্য ■ আউন্স, উহার সহিত উপ্তমরূপ মিশ্রিত করিয় শীতল হইলে এক পাইট টার্পিন তৈল উহাতে সংযোগ করিছে হইবে ইহা গাড়ী বার্নিস করিবার স্থার কৃষ্ণবর্ণ বার্নিস হইর থাকে।

## লোহকার্যোর কৃষ্ণবর্ণ বার্নিদ।

প্রথমতঃ অ্যাস্ক্যাণ্টম্ ৪৮ পাউত অম্যুত্তাপে বিগলিত করত অত্যুক্ত মনিনার তৈল ১ - গ্যালন, রেড্ণেড ও ম্দ্রাশন্ধ প্রত্যেকে ৭ পাউত এবং ৩ পাউত ভক্ত সলক্ষেট অর্ব জিন্ধ এই করেকটার সহিত অম্যুত্তাপে ছই দটা কাল ফোটাইতে হইবে। পরে কৃষ্ণবর্ণ গম্ এয়ানার ৮ পাউত বিগণিত করিয়া ছই গ্যালন উষ্ণ মনিনার তৈলের সহিত মিপ্রিত ক্ষরণান্তর উহার সহিত সংযোগ করত এতত্ত্ত্ব পুনরায় অম্যুত্তাপে ছই দটা কাল ফোটাইতে হইবে, যে পর্যান্ত উহ চট্চটে না হয়। অবশেষে শীতল হইলে ৩০ গ্যালন টার্পিন তৈল মিপ্রিত করিয়া পাতলা করিতে হইবে। গাড়ীর লোহ কাণ্য এবং অন্যান্য পরিকার কাণ্যানিতে বিশেষ রূপ ব্যবহাত হয়।

গাড়ীর জন্ম ন্পিরিট বীনিগ।

গম্পা প্রারাক ু ক্র পাউও, অভিশব পাংগুবর্ণের পাতগালা ক্রিটিল, প্রচ্ছ রবিন অর্জ পাউও, ত কোয়টিন্স রেনিটিয়োএড পিরিটি এই কুয়েকটি দেব্য বিগলিত করিয়া ১২ পাউও বিশ্বস্থ ক্যানেডা হ'লদাম মিশ্রিত করিতে হইবে ইহা শারা গাড়ীর ভিতর প্রদেশ বার্নিস করা যায় এবং দশ মিনিট কাল মধ্যে শুদ্ধ হইয়া যায়

## গাড়ীর জন্ম তৈল বার্নিশ্।

- (च) शम् ध्यानिमि ৮ भाषे छ, निर्माण मिनाम देखन २-६ गानन, एक द्वर्गाम व्यव लिए धवर म्हाणका व्यव्यादक ७ काष्टिम धारे करमकार भाष भूर्त्वाक श्रकारम क्यांगिरमा ४-६ गानिम गिरिन देखन मश्रमाण कर्न्न भाषना क्रिमा न्हेर्ड ह्हेर्य।

২। গম্ এটানিমি ৮ পাউও, নির্মাণ মাসিনার তৈল ত প্রারম্বা মূদ্রাশঙা ■ আউনা, শ্বন্ধ ত্থার অবলেড চুণ্ এবং থেড ভূঁডে প্রভারে প্রকাটন উপরোক্ত ক প্রকরণাম্যায়ী ফোটাইরা খনে ৫২ গটালন টার্পিন তৈল সংযোগ করিয়া পাড়লা করিছে হুট্রে। ইহাও উপরোজ্বিত পদার্থ দি বার্নিদ করিবায় জন্য ব্যবহৃত হইয়া খ'কে কিন্ত আইৎকৃষ্ট নহে।

## দপ্তরিদের আবশুকীয় চর্ম্মের বার্নিস।

পাংশুবর্ণ গম্ স্যাঞার্যাক্ ৩ জ উলা এক পাই ট রেক্টিফাষেড
শিপরিটে ভিজাইয়া রাখিতে ২ইবে এবং মধ্যে মধ্যে নাড়িতে
হইবে উহা উত্তমকপ দ্রুশীভূত হইলে প্রস্তুত হয় দপ্তবিরা
ইহা দারা মরকো চর্মো বাধান প্তকের মলাট বার্নিস করিবা
থাকে কথন কখন পাংশুক্রেব পাত্রগালা, কাঠ হইতে প্রস্তুত
ন্যাপ্থায় দ্রীভূত করিয়া উহার পরিবর্ধে ব্যবহার করা যায়

#### চিনের বার্নিস

গম্ সাংগারাক এবং ম্যান্তিক প্রত্যেকে হুই আউল, এক পাইণ্ট রেক্টিফারেড স্পিরিটের সহিত মিপ্রিত করিয়া এক্টি হিম্নুক্ত আবৃদ্ধ পাত্র মধ্যে লইয়া অলীয় বাস্পের উত্তাপে ফোটা-ইতে হইবে এই ছিল্ল দিয়া উহাদিগের ধূম সকল নির্গত ছইয়া যায় পরে বিগলিত হইলে বন্ধ ছারা ছাকিয়া লইতে হইবে ইহা একটী কঠিন ও উজ্জ্ল বার্নিস এবং অতি সীয় শুষ্ক হয়

#### কোপ্যাল তৈল বার্নিস

গাংশবর্ণ শক কোপ্যাল ২ পাউও অগ্ন গোপে অবীভূত করত উষণ ভক্ষকারক সমিনার তৈল এই পাইও মিশ্রিত করিয়া, তৈল বাণিস প্রস্কৃতির ন্যায় কিয়ৎকাল ফোটাইয়া, পরে তিন পাইন্ট টার্শিন তিল মিশ্রিত কবিয়া পাতলা করিলে লোকছ হয়। ইয়া রিলাগে ভক্ষ হইয়া পাকে। ২। স্বাহ্ন পাংশ্বর্ণ আ দ্বিরাদেশীয় কোপাল ৮ পাউও অগু তোপে বিগলিত করিয়া ২ গালন্ পংশুবর্ণ শুজকারক মসিনার তৈল মিশ্রিত করিতে হটবে পরে উপরোক্ত প্রকারে রেক্টি-ফানেড টার্পিন তৈল মিশ্রিত করত তৎক্ষণাৎ পরাণি স্বারা ছাকিয়া যোতল কিয়া পিপায় প্রিতে হটবে ইহা একটি স্বায়ী কঠিন এবং স্থান্য বার্নিস

## কোপালি ম্পিরিট বার্নিস।

- ১। कालान जर कां हुन खाडाक आंडिम, श्रावीधा जक भारेने, कश्र्र वर्ष आंडिम जकी भाज गर्धा जक्त किया क्रमीय वाल्लाखाल पिटड स्टेटक जर एय भ्रांख उख्यक्त विशिष्ठ मा स्य मिरे श्रीष्ठ मर्धा गर्धा माजिटड स्टेटक। भरत भीडिम स्टेटम श्रीकात कर्भ ह निय वाज्य श्रीय प्र शिष्ठ स्टेटव।
- ২ কোপালে গলাইরা অলে ফেলিতে হইবে পরে তক্ষ করিয়া চূর্ণ করত তাহার ■ আউলা গম সাাগ্রারাক ৬ আউল, মাাইক ২ আউল, বিশুদ্ধ কিয়ো টার্গিন ৩ আউল এবং কাচ চূর্ণ ■ আউল, ২৪ আউল রেক্টীফায়েড্ স্পিরিটে গিন্ত্রিত করিয়া আল অল অগির উত্তাপে উত্তম্বপ দ্রবীভূত করিতে হইবে,। ইহা ফাডান্ত শীল্ল শুদ্ধ হইয়া যায়।

## টার্পিন্ কোপ্যাল বার্মি।

এক পাইণ্ট টাপিন তৈলকে জনীয় বাষ্পদারা উত্তপ্ত করিয়া ক্যোপাল চুর্থ অভাক্ষপরিমাণে ক্রমায়য়ে ৩৪ অ উল যোগ করিছে হইবে। উত্তয়রপ মিজিত হইলে ইহ' বাবহারোপযোগী হইয়া থাকক, ইহা কোপাল স্পিরিট ধার্নিসের নাায় দীয়ে শুক্ত অব্দ্র উহা অপেকা অধিক দিন খায়ী হয়।

#### জাপানীয় কোপ্যাল বার্নিস।

আফি কা দেশীয় পাংগুবর্ণ কোপাল ৭ পাউগু, বিশুদ্ধ শুদ্ধকারক মদিনার তৈল অর্ধ গালল এবং টার্পিন তৈল ৩ গালন।
ইহা আবিকল কোপাল তৈল বার্নিসেব নাাষ প্রস্তুত করিতে
হইবে ইহা এক বণীর মধ্যে শুদ্ধ হইষা যায়। যত প্রকার
কোপাল বার্নিস আছে সর্বাপেক। ইহা অধিক কাল স্থায়ী এবং
শক্ত হইয়া থাকে কিন্তু এান্বোর বার্নিস এতদপেক্ষা আরগু
অধিক কাল স্থায়ী ও উৎকৃষ্ট। ইহা গাড়ী ছবি, পালিস করা
ধাতব জ্ববা দি, কাঠ ও অন্যান্য পদার্থ নির্মিত জ্ববাদি বার্নিস
করিবার জন্য ব্যবস্তুত হয়।

## কৃষ্ণবৰ্ণ জাপান বানিস

নেপ্লৃস্ দেশীয় এ্যাসফ্যাপ্টম্ ৫০ পাউগু কৃষ্ণবর্ণ গম্ এ্যানিমি
৮ পাউগু একতা বিগলিত করিয়া, উহাতে ১২ গ্যালন মসিনার
তৈল মিশ্রিত করিয়া ফোটাইতে হইবে ২ গ্যালন মসিনার
তৈলে, অগ্যুত্তাপে জবীভূত ১০ পাউগু এ্যাশ্বর ফোটাইরা উহার
সহিত সংযোগ কবত ভংপরে রেড লেড, মুদ্রাশন্ধ ইত্যালি শুক্দকারক জব্য মিশ্রিত করিয়া, পরিশেষে আবশ্যক মন্ত টার্পিন তৈল
সংযোগ করিয়া পাতল। করিতে হইবে ইহা কাঠ ও ধাতবজ্ঞব্যে
মাথাইবার অত্যক্ত শ্বন্ধর বার্নিস।

স্থিতিস্থাপক কৃষ্ণবর্ণ জাপান শ্বানিস।

তেল বার্নিস মৃতির, বিশুদ্ধ এগাসফ্যালটম্ ১৪ আউনা এবং পাইন্ট টার্নিন জৈক গ্যালন। প্রথমতঃ অম্বর অল নাসিনার ইহা বিলম্বে গুড় হা, অত্যন্ত মসিনার তৈলে এগাসফ্যালটম্ অগু তোপে দ্বীভূত কবত উহার সহিত সংযোগ করিতে ইইবে। পরে উহা অবশিষ্ট তৈলের সহিত মিশ্রিত করত ফোটাইয়া বর্ণন উহা শীতক হইবে তথন উহাতে আবশাক মত টার্লিন ডিজ মিশ্রিত করিয়া পাতল করিতে হইবে

# ত্ৰণ সুইক কৃষ্ধবৰ্ বাৰ্নিস

- ১ একটা লোহ পাত্রে এসাসফালটম্ ২ পাউও অগু তাপে বিগণিত করিয়া অভ্যুক্ষ সসিনার তৈল এক পাইন্ট্ সংযোগ পূর্ব্বক অগি হইতে নামাইয়া শীতল হইলে ৪৮ আউল টার্পিন তৈল মিগ্রিত করিতে হইবে। ইহা লোহ নির্শ্বিত অধ্যাদি কৃষ্ণবর্ণ বার্নিস করিবার জন্য ব্যবহৃত হয় কেহ কেহ ইহাতে শুক্ষ গানিস অব্যাদি মিশ্রিত করিয়া থাকেন
- ২। ক্লম্বর্ণ পিচ এবং আল্কাতরা হইতে উৎপন্ন এয়ানক্যালটম্ প্রত্যেকে ২৫ পাউও, অন্যুতাপে পাঁচ ঘণ্টাকান
  ফোটাইয়া ৮ গ্যালন সন্নিনান তৈল, রেড লেড এবং মুদ্রালথ
  প্রত্যেকে ১০ পাউও উহাতে মিপ্রিত করিতে হইছে ইহাকেও
  প্ররাথ ফোটাইয়া ২০ গ্যালন টাপিন তৈল সংযোগ করিনা পাজশা
  করিতে হইবে,। ইহ উপরোক্ত ঘার্নিস অপেকা জানেকাংশে
  নিক্ষা

## কুষ্ট্যাল বানিস্।

বিশুদ্ধ ও স্বাস্থ্য বাস্থানতা বাসনাম্ এবং বেক্টিফারেড টার্নিম তৈল সমভাগে মিপ্রিত করিলে ইহা প্রভত হয় । শুনান্টিরে, ও নান্তবিধ চিত্র অন্ন প্রভৃতি কার্য্যে, মৃতিত কাগ্রেচ, টের্নিং কাগ্রেড এবং ইন্ড্রেভিং ট্রান্স্ফার প্রভৃতিতে বার্নিস করিবার জন্য ইহা ব্যবহাত হয়। পেনসিল ড্রফিংকে দৃঢ রাখিবার জন্য ৩ জাউন্ম্যাষ্টিক এক পাইন্ট্ বেক্টিফায়েড স্পিরিটে দ্রবীভূত করিয়া ঘ্রবহার করা যায

## ফেলেক্সিবল বার্দিস।

- ১ খণ্ড খণ্ড ইণ্ডিয়া ববর দেও জাভিন্ন কোরোফরম্, ইথার ধা বাইসলফিউরেট অব্ কার্বন, ইহাদের মধ্যে যে কোনটী হউক এক পাইন্টে ভিজাইয়া রাখিতে হাইবে যে প্র্যান্ত উহা উত্তম রূপত্রীভূত না হয় ইহা মুখাইবা মাত্র শুক্ত হুইরা যায়। বিশুদ্ধ গটাপ্যার্চা কথন কথন ইণ্ডিয়া ববরের পরিবর্জে ধ্যবহার করা যায়
- ই তিরা রবর এক আউন্ এবং শুজকাবক ম্সিনার তৈপ ২৪ আউন একত্র অগুতাপে বিগণিত ক্রিয়া প্রস্তুত ক্রিতে ইহা ছই দিবদের মধ্যে শুক্ত হয়। ইহা হারা বেলুন, গ্যান ব্যাগ ইত্যাদি বার্নিস করা যায়।

#### ফরনিচাস বার্নি<del>স</del>।

বিশুদ্ধ খেত মোম এক অভিন, তাব করিয়া এক পাইন্ট্ রেক্টিফারেড টাপিন তৈলে মিশ্রিত করিলে প্রস্তুত হয় ইহা অপেকা গৃহ সজা দ্রবাদিতে, গাড়ীর বার্নিস্ এবং কোপ্যাল বার্নিস গুলি ব্যবহার করিলে উৎকৃষ্ট খার্নিস হইয়া থাকে

গিল টি জন্ম বানি%।

भारखवर्धित नम् क्षांक् हुर्न, नारक्षाख श्रनभादाणि जवर जारनाहै। खोडांक १२३ व्यक्ति, खाळान ७ व्यादेस, २ पु, मि. म. अहे क्षांकि । भार्ष श्रक श्रक ■ शाहिन्हे, ख्रावीर्ण ननाहेग्रा এবং এানেটি ও খুনধারাপি পৃথক পৃথক স্পিরিটে টীংটার প্রস্তুত করত পুর্বেজি প্রস্তুত দ্রবা শুলি ইহাতে মিলিড করিলে উত্তম রঙ্ করিবার বানিস প্রস্তুত হয় ইহু গিণ্টি দ্রব্য বানিস করিবার উপযোগী

## কাচ বানিস

ভোগারিনার সাহেবের মতে, শুক্ক কার্যনেট অব্ গোড়া ৫৪ ভাগা, শুক্ক কার্যনেট্ অব্ পটাস্ ৭০ ভাগা, সিলিকা ১৯২ ভাগা একরে গালাইতে হইবে। ইহা উঞ্জলে শীঘ্র বিগলিত হয়। ইহা একটা অর্ধ হিতিস্থাপক স্থার বার্নিস

ফক্ল্লাহেবের মতে শুফ কার্কনেট্ অব পটাল্ ১০ ভাগ,
কোয়াটু জি চুর্গ কিলা বালি ( যাহাতে আদে লিখ এবং এয়ালুনিনাব অংশ মাত্র ন ই ) ১৫ ভাগ এবং কয়লা এক ভাগ একরে
গলাইতে হইবে পরে পাঁচ কিলা ছয়গুল পরিমিত শাত্রাফ জলা
দেব করিয়া, শোষক কাগচে ছাকিয়া কিলা ফিণ্টার করিয় লইলে
ইহা প্রস্তুত হয় এই বার্নিস ক্য়ালিতে মাধাইলে বঙ্গ দল্প হয়
না এবং বায়ুতে নন্ত হয় না প্রশুরাদি বার্নিস করিষায় জনা
এবং ফেল্ডো পেণিংএ ( Blesco painbing ) আবশ্যকর্শ্রের এবং
কান্ত নির্মিত দ্রব্যাদিতে মাধাইলে শীয় শুফ হইয়া যায় এবং ফাচের
নায় রূপ ধারণ করে

্গন্ব্যারেল বানিস 🧸

পুতিগালা ১২ আউল, খুনখারাপি ও দ্রামি, ২৪ আউদ্ মেক্টীকাএড স্পিরিটে এব করিলে প্রস্তুত হইষা থাকে। ইফ্রা গুন ব্যারেল বার্নিস করণ জন্য ব্যবহাত হইয়া থাকে।

#### হৃদ' হেয়ার বানি স।

পথ পথ শ্করের লোম ১ ভাগ, গুজকারক ম্সিন'র তৈল
১০ ভাগ ভাগাভাগে গলাইয়া লইতে হইবে ইহা, জুলা,
এবং পশম নির্দ্মিত জব্যাদিতে মাধাইলে অখলোমের নাায
প্রতীধ্যান হয়।

#### ইটালী দেশীয বানিস।

কিয়ো টার্পিন ও ধুনা অগ্নু ভাপে ফোটাইয়া, শীতলহইলে চ্ব |
করত টার্পিন তৈলে ত্রব কবিতে হইবে ইহা মুল্লাঙ্কন কার্যো
নার্নিস জন্য বাবহৃত হয়

#### গালার বানিস।

পাংশুবর্ণের পাতনালা বা সিড্ল্যাক্ ৮ আউন্স, ২৪ ই উন্ধ রেক্টীফাএড স্পিরিটে দ্রব করিলে প্রস্তুত হইবে কাঠ, ধাতু, চর্মা দ্রব্যাদি বিশেষতঃ খেলনা, ছবি প্রশৃতি নানাপ্রকার দ্রব্য ইহা ধারা বার্নিস করা যায়। ইহা একটী স্থাণী এবং শক্ত বার্নিস

#### দ্রব গালার বানিস

#### নানাপ্রকার বর্ণের গালার বানি স

- কে) ছবিদ্রাচুর্গ এক পাউপ্ত, ২ গ্যাশন বেক্টিফাথেড়্
  শিশবিটে তুই সপ্তাহ কাল ভিজাইয় বাখিষ পরে উপ্তমন্ত্রপ মর্দিত করিষা ছাঁকিয়া নইতেহহবে। তৎপরে গ্যান্যোজ ১১ জাউদ্, পাংশুবর্গ পাতগাল ৯ জ উগা, গম স্থান্যার্য ক্ ৩২ পাউপ্ত উহাব সহিত মিঞিত করত পুন্বায় ছাঁকিষ, ২৪ আউল্ টার্পিন তৈলেব বার্নিস মিজিত কবিলে প্রস্তুত ঘ্টবে ইহাব বর্গ জবিকল স্থর্ণের স্থাষ।
- (খ) সিড্লাকৃত মাউল, হরিদ এক অউল, খুনখারাপি ৯ ড্রাম, ১ পাইটি, রেকটিফায়েড, স্পিনিটে ১ সপ্তাহ কাল ভিল -ইয রাখিতে হইবে এবং মধ্যে মধ্যে ন ড়িলে হইবে পরে ছাকিয় ব্যবহার কর যায় ইহা অর্ণের ন্যায় উজ্জ্বল গাঢ় পীতবর্ণ
- (গ) স্প্য নিস এানোটা ওপাউন্ত, খুনখার পি ১ পাউন্ত, গম স্থান্ত্যার্যাক্ ৩৮ পাউন্ত, ২ গ্যালন বেকটাফানেত্ স্পিরিট এখং ২৪ আউল টার্পিন বার্নিস নিশ্রিত কবিয়া, পুর্বেশক্ত প্রকারে প্রস্তুত কবিতে হইবে ইহা বক্তবর্ণ
- (ম্ব) গ্যাম্বেক্ত আভিন্ কেপ্কলনীয় ম্মকরে ৩ আউলা, পাংখবর্গের পাতগালা ১ পাউন্ত, এবং রেক্টীফায়েড স্পিরিট্ মগ্লম প্রেণিক প্রকাবে মিশ্রিত করিতে হইবে ইহার বর্গ অবিকল পিতলের শুয়
- (ও) গিড্লাক, গ্যাস্থ্যেজ, খুন্ধারাল এবং এয়ানে টা প্রত্যেক পাউজ, গদ্ স্থাপুর্যাক্ ২ আউজ, জাফ্রান ১ অউস, এক গ্যালন রেকটিফাফ্রেড্ স্পিরিটে উপরোক্ত প্রেখা-

মুসারে প্রস্তুও করিতে হইবে ইহা ব্রাশ ল্যাকার নামে কথিত হয় ধাতুও কার্চ নির্মিত ত্রব্যাদি পালিস কবিয়া স্বর্ণবর্ণ বার্নিস কেবিধার জন্ম ইহ ব্যবহাব করা হয় পিডল, টিন এবং পিউটার নির্মিত দ্রব্য দি, ইহাদিগের মধ্যে যে কোনটি দারা গাঢ় করিয়া নার্নিস কবিলে অবিকল গিণ্টি করার স্থায় দৃষ্ট হয়

#### ম্যান্তিক বানি স

- া স্বাহ্নন্ম ন্যাষ্টিক ৫ পাউও, উত্যক্ষে ধোঁত করা শুদ্ধ
  কাচ চুর্ব ৩ পাউও অত্যুৎকৃষ্ট রেক্টিফায়েড্টার্গিন তৈল ২
  প্যালন একটা পরিকার চার গ্যালন পরিমাণ টীনের কানেস্তাবায়
  প্রিয়া কাক্ দারা মুধ্বন্দ করণান্তর চাব হণ্টা কাল জুমাগত
  নাড়িতে হইবে, যে পর্যন্ত গম ম্যাষ্টিক দ্রব না হয় পরে
  উহাকে ছাকিয়া একটা পাত্র মধ্যে করত উফস্থানে কিছুকাল
  রাধিন্য নাড়িলে প্রস্তুত হইবে ইহাও একটা স্থানর বান্ত্রিস হইয়া
  প্রে
- ২ স্যাষ্টিক ৪ পাউও ্ং গ্যালন টার্পিন তৈলে উত্তাপ দাবা বিগলিত করিতে হইবে ইহ উপরোজের স্থায় উৎকৃষ্ট নয় এই উভয় বিধ বার্নিস অধিক পরিয়াণে ছবিতে ব্যবহাত হয়। ইহারা উচ্ছল, বর্ণহীন এবং শক্ত বার্নিস

#### भाषायण छोर्थिन वानिभ।

বিশুদ্ধ গ্রন্থন ৩২ পাউও, এক গ্যালন্ টার্নিন তৈলে বিগলিত
ক্রিক্তিইহা প্রন্থত ইন্নুইহ কে সামাগ্রতঃ ওক্ বার্নিন কহে
কৈহ কেহ ইহাতে হু পাইন্ট ক্যানেডা বালসমি মিগ্রিত, ক্রিডে
ক্রিন্তা ইহা কাঠ ও ধাহনির্মিত পদার্থের জন্ম স্ক্রিন্ত স্থানির জন্ম ব্রামির হয় প

গোহবের জন্ম (Sealing Wax) বানিস্

কৃষ্ণ, লোহিত বা ষে কোন বর্ণের হউক ন মোহব করিবাব গালা চূর্ব বেক্টীফাযেড্ কিম্বা মিথিলেটেড্ স্পিবিটে ভিল'ইয়া, জবীভূত কবিতে হটবে ইহা বৈত্যুতিক এবং খাসায়নিক কার্য্যের মন্ত্রাদিব কাষ্টের অংশ এবং কাকেব উপরিভাগ বার্নিস করিবাব জন্ম ব্যবহৃত হয়।

পাটলবৰ্ স্পিবিট্ বানি স

- ১ গম ভাগোব্যাক ৩ পাউও, পাতগল ২ পাউও, ২ গ্যালন রেক্টীফায়েড্ স্পিরিটে দ্রবীভূত করত উফাবন্ধ ম ২৪ আউস্টার্পিনের বার্নিস মিশ্রিত করিয়, পরে ছাঁকিগ পরিপার অংশ বোতলে প্রিতে হইবে
- ২। সিজ্নাক্ এবং পীতবর্ণ বৃনা ঐ'ড্যোল ১২ প উপ্তর

   বোঘার্টস রেকটীফাবেড ক্পিরিট এবং ১২ প্যালন্ টার্পিন
  তৈলে বিগলিত করিলে ইছা প্রস্তুত হইবে ইছা উপরোজেব
  আন উৎকৃষ্ঠ নহে
  শ্বেতবর্ণ ম্পিরিট বানিসা

১। গম্ স্থাপ্রাক্ ধ্পাউগু, কপুরি ২ আউল্ ধ্যেত কৰা শুক্ষ কাচ চূর্ণ ৩ পাউগু এবং বেক্টীকাষেড্ স্পিরিট্ ৭ কোষা-উদ্ ইহাকে মাটিক্ বানিসের ভাষ প্রস্তুত কবিয়া অনশেষে ২৪ আউল্ বিশুদ্ধ ক্যানেওঁ বল্সান্ মিশ্রিত করিতে হইবে। ইহা প্রস্তু, উজ্জ্বল এবং দ্বীদ্য কাল স্থানী বার্নিদ্

২। গম্ খাণ্ডাবা ক্ এবং মাষ্টিক্ প্রত্যেক ও জাউলা, ক কাচচুর্ব ৮ আউল , ১৪ আউল বৈক্টিফায়েড, ম্পিরিটে দ্বীজুড করিয়া বিশুক খ্রাশ্বর্গ টার্গিন তৈল ৩ পাইন্ট্ মিগ্রিত কবিজে হুইবে

## শিরিট্বানিস।

ভান্তাব্যক্ত অউল, বিশুদ্ধ এলিমাই 
আটল, এগানিমি

চলাউল, কপূর্ব কর্ম আউল ২৪ মাউল রেক্টীফাএড শিপরিটে

বিগলিত করিয়া লইতে হইবে

ইহাতে কিবিৎ গন্ধ বেজোইন্,

বাল্যাম অব পিক এবং টলু, ল্যাভেণ্ডার তৈল, এসেন্স্ অব

মাস্ক গুড়ভি জব্য স্থান্দি করণ জন্ত নিশ্রিত করা যায়

ছোট বাক্স, কার্ডবাক্স, বহুতব্য, কাগচ জব্য, খেলনা, ধাতু ও

কার্চনির্দ্রিত জব্যাদি এবং যাহাতে শীল্ল শুক্ষকারক বার্নিস অ বগ্রক

হয়, সেই সেই জব্য ইহা দ্বাবা বার্নিস করা যায়

#### যোগের বানি প্।

বিওদ্ব শেত মোন ১ পাউণ্ড আন অল অগু,তাপে গলাইরা ১ পাইণ্ট উফ বেক্টীফায়েত জ্পিরিটের সহিত মিশ্রিত করিতে হালয়ে। পরে ঐ মিশ্রণ একটা শীতল প্রস্তরের টালিতে চালিয়া প্রস্তরে পেবনী দারা উত্তযরূপ নিজ্পেষিত করিয়া, ক্যাইএর জ্ঞার হইলে প্রস্তরের পাত্রে রাধিষ ক্রেমে ক্রমে ৩২ পাইণ্ট জল উহার সহিত মিশ্রিত করণান্তর বন্ধ দারা ছাঁকিয়া লইতে হইবে চিত্র দি বার্নিস কবিবাব জন্ত ইহা বাবহাত হইয়া থাকে। অন্তান্ত বার্নিসকে স্থায়ী এবং রক্ষা করিবার জন্ত ইহা মাখাইয়া রাধিলে এই উদ্দেশ্য সাধিত হল।

## বেজিমাদ' বানি भ ।

শ্বিদ্ধা বৈদ্ধান ক্রেলের মহিত মিশ্রিত করিখী পরে জি, মিশণের জিল ভাগের এক ভাগ ভক্ত গোড়া চুন চুর্ণ মিশাইরী নাজিকে হইবে এবং বিছুদিন ঐ অবস্থায় রাখিয়, অবশেষে পরিস্কার

## তৈল বানি দের জন্ম শুদ্ধকারক তৈল

তিৎকৃষ্ঠ, স্বাহ্ন, প্রহান মিনার তৈল ১০০ গ্যালন একটা লোহ কিয়া তাম পাত্র বাহাতে দিগুণ তৈল ধরিতে পাষে, ভাহাতে বাধিয়, অন্ন অন্ন আ গুভাপে কৃই ঘটাকাল ফোটাইয় এবং উপনের অস্বাহ্রাংশ পরিত্যাগ করত উহাতে ক্রেমণ শুক্ষ মুদ্রাশন্ম চুর্ব ১৪ পাউও, শুক্ষ বেডলেড ১২ পাউও এবং শুক্ষ আগেরর চুর্ব ৮ পাউও মিল্রিত করিতে হইবে এই সকল জব্য আপেক্ষিক গুকুত্ব বশতঃ তলায় বাহাতে না পড়ে এবং উত্তমক্ষেপ মিল্রিভাবস্থায় র থিবার জন্ম অনবর্গত নাড়িতে হইবে এবং প্ররায় তিন ঘণ্টাকাল ফোটাইয় পরে নামাইয়া শীতল হইকে উপরস্থ অপরিক্ষারাংশ ফেলিয়া দিয়া, টীনের কানেস্ত্রায় ঢালিয়া রাথিতে হইবে ইহাকেই সাধারণতঃ শুক্ষকারক ম্যিনার তৈল কহে

#### रक्ष भागिग्।

পরে ছাঁকিয় লইতে ছইবে গ্যামোজ ও হরিদা চ্ব দারা পীতবর্ত, পাটলাঁ বর্বের গতে গালা বারা গাঢ় ক্ষবর্ব, ফ্রেঞ্চ পালিদকে ফিকা বর্ব অর্থং স্বচ্ছ কবিবার জন্ত সংগরণতঃ প্রত্যেক পাইন্টে ২৪ ভাষ্ অক্সালিক এ্য সিজ্ মিপ্রিত ক্র যায় ইহা দারা স্ত্রধ্রের কাঠ নির্মিত দ্রব্য বানিদ করিয়া থাকে ভজ্জেইহাকে ক্যাবিনেট্ মেকাস্বানিস করা যায় নিয়ে ইহা প্রস্তুত করিবার ক্ষেক্টী প্রকরণ লিখিত ছইল।

- (ক) স্বচ্ছ পাত গালা ৫২ জাউল ববিসন্তকি ২ জাউল, ধুন ৪ ড্রাস এবং খুনখ রাপি ২ ড্রাস চুর্ণ করত এব দিন রৌজে এবং এক পাইট মিথিলেটেড স্পিরিটে নিশ্রিত করিয়া রাখিলে উত্তম ফ্রেঞ্চ পালিস হয
- (খ) স্বস্থ পাত গালা ৫ আউন্স্, গম্ আগ্রাক এক জাউন্স্, এক পাইণ্ট স্বেক্টীফাএড্ স্পিরিটে দ্রবীভূত করিয়া লইলে প্রস্তুত হইবে।
- (গ) স্বাহ্ন পাত গালা ৫২ অ উন্দ গম এগাণিমাই ছয় ড্রাম, এক পাইণ্ট্ রেক্টীফাএড প্রিরেটে দ্রবীভূত করিয়া লইতে হইবে।
- (স) স্বুচ্ছ গাত পালা ১) পাউও, ন্যাষ্ট্রীক ৩ আউন্, ৪৮ আউনুস্ রেক্টীফাএড, স্পিরিটে দ্রবীভূঞিব গিয়া লইতে হয়।
- (৫) স্ক্লাভ গালা ২ পাউও, মা প্রীক এবং স্থাওারাক্ লেডিটিক এ লাভূনুম, এক গালান কেক্টালাএড্ পিপারটে বিগলিভকেরিয়া, টুহাভে এক গাইট কোপাঁরিল বার্ণিয় সংযোগ

- (চ) পাত গালা ১২ আউন্স্, ১৪ অউন্স্ উড্ লাপথায় গলাইয়া অর্দ্ধ পাইণ্ট্ মসিনার ডেল মিটাত করিতে ইইবে
- ছে) পাত গালা অর্ধ পাউতি, গম স্বাণ্ডার্যাণ নিকি পাইটে ত পোয়া স্বেক্টিফাএড স্পিরিটে বিগলিত করিয়া, নিকি পাইটি কোপ্যাল বার্নিস মিপ্রিত করণান্তর অর্ধ পাইটি মনিনার তৈল সংযোগ করিতে হইবে।

শেষাক্ত ছই প্রকার ফ্রেক্ট পালিস দারা বার্শিকা করিবার সময় তৈল আবশ্রক হয় ন কারণ উহাতে তৈল মিপ্রিত থ'কে প্রথমতঃ কাষ্ঠ নির্মিত জ্বানি সিরিষ কার্গট দারা উত্তমরূপ দ্বিত করিয়া এক থক্ত রবর অণবা পাটকরা ছেন্না ফ্রানেল বা স্পঞ্জ ফ্রেক্ট পালিসে শিক্ত করতঃ এক থক্ত কাপড় দিয়া আরত করিয়া তৈলে ডুবাইয় পালিদ কবিতে হয়। তুই কিন্দ বার মাথ ইলে উজ্জ্ব স্থান বার্গিস স্থায়া থাকে

## क्षिक्षियल (अ हे वार्निम्।

খণ্ড খণ্ড পীতবর্ণ সাবান ১২ পাউও, ১২ গ্রাল'ন উফ জলে দ্রবীভূত করতঃ উফাবস্থায়, যে প্রকার বর্ণের হউক ১ মন ১০ সের বার্নিন তৈব মিশ্রিত করিলে প্রস্তুত হইবে ইহ ক্যামিস বার্নিস করিবার জন্ম ব্যবহৃত হইয়া থাকে।

#### भिष्ठा नि व्ययम

মিসিনার তৈল এক পাইণ্ট্ ও উৎক্র জিনিস টার্লিন হৈল ভাউনুস্ এতহেভ্য মিশ্রিত করিয়া, পার এগলক্যানেট্ মুন্দ চ্রু হারী, উত্তম রক্তবর্গ রঞ্জিত করত ছাকিষ্ণ প্রস্তুত করিতে হয়। কেই কেই ইহার সহিত ত আউন্স কোপ্যাল বার্ণি মিশ্রিত করিয়া ব্যবহাব করেন মেহণ্নি কাঠের বাক্স, আল্সারি, দেবাজ প্রভৃতি কান্ত নির্মিত এব্যাদিতে ইহ মাখাইলে উজ্জ্বল বিার্মি হইয় থাকে

#### ক্যানেড। বার্নিস।

পরিসার বাল্সাম অব্ কাানেডা ৪ আউন্দ্ ক্যান্তিন ৮
আউন্দ্ অরু ক্রিপে গলাইব প্রস্তুত করিতে হইবে। সানচিত্র
ও ড্রিং প্রভৃতি কার্ব্যে প্রথমতঃ আইসিংগ্লাসের তাব মাখাইয়া,
ভঙ্ক হইরে, ইহা বুক্স ঘারা মাখাইতে ছইবে

#### থোদিত কাঁচের জন্ম বার্নিস।

দেশ ১ আউন্ল, মাজিক অন্ধ আউন্স্ এনি ক্ষাউন্স্ একএ ১ অনুজান্ত শাতিম শিকি আজি নাড কিবতে হইবে 1

#### খোদিত তাম্র পাত্রের জন্ম বার্ণসি।

পীত গোম ১ আউন্দ্, ম্যাষ্ট্রীক ১ আউন্দ্, এ্যাদ্ফাল্টিম্ অর্দ্ধ আউন্দ্ একতা গলাইম, শীতল হইলে গোলকবৎ করিয় ব্যবহাব করা যায়

# ইলেক্ট্রোবা বৈজ্যতিক মোত প্রভাবে গিল্টিকরণ প্রণালী।

----!O! ----

একটী ধাতৰ পদাৰ্থ, বৈজ্যতিক প্ৰোক্ত দারা অস্ত কোন ধাকু যথা স্বর্ণ, কৌপ্য নিকেল, ভাতা, ইত্যাদিব কোন একটা থারা গিণ্টি করা প্রথাকে ইলেক্ট্রো প্লেটীং বলা ঘার আধুনা ইংলও ফ্রান্স ও আমেরিকা প্রভৃতি দেশে ঘড়ির কেন, ঘড়ির চেন, হার, চাগচ, মাথাব কাঁটা ডিস ইত্যাদি দ্রব্য এই উপায়ে গিণ্টি করিয়া বছল রূপে ব্যবহৃত হইতেছে প্রথম্ভ গিণ্টি দ্রবস্থাসি রাসায়নিক প্রক্রিয়া মতে উত্তস্কপ পরিকার করিয়া, খণ্ড বৌপ্য ইত্যাদি কোন একটি ধাতুর জবণের জলীয় এবে নিমড্জিড করিলে, বৈদ্য ডিক ভ্রোড দারা ধাড়ু বিশ্লেষিত হইয়া এবা-গুলিকে পাতলা আবরণে আচ্ছাদিত করে যথা প্রণের টার-ক্লোরাইড লবণ, জলে দ্রব করতঃ একটি পারে রাখিয়া, তাহাতে এক খণ্ড সর্ণ "এানোড" ও অসর একখণ্ড স্থাণ ''ক্যাথোড' ব্যাটাবি ব বৈদ্যুতিক যন্ত্রের তার স্থ-যুক্ত করিয়া নিসজ্জিত •ব রিলে বৈচ্যুতিক প্রাবাহ উদ্ভব হইবে। विकार कार्यास्य निर्माण कत्रावाशामिता मुक्ति स्वान प्रश्रामा নিসজ্জিত করিয়া কিয়ৎক্ষণ আলোড়িত করিলে, 'লোলোড়ু' এবং "क्यारथाफ" कार्या नाता, जरण त लवन सर्वे देहेरड जैन विद्विधिक হইর। ঐশকণ দ্রবা পাতলা আবরণ দারা আবিত হয়। বৈদ্যাতিক যন্ত্রের নির্মাণ প্রণ লী, সাধ রণতঃ ছুইট্রি চিনামাটীর পারে

গদক জাবক মিশ্রিত জল পূর্ণ করতঃ, একটিতে একখণ্ড তাম ও জাপরটিতে একখণ্ড দস্তা পূথক পূথক তাম তারে ঝুলাইয়া, একটি "ক্যাথোড" অপবটি "এানোড" খণ্ডদ্বে সংযুক্ত কবতঃ উভয় পণ্ড ধাত্র লবণ জবের পাত্রে নিমজ্জিত করিলে বৈহাতিক জ্যোত নিগতি হয় স্বল গিণ্টি কার্যোর জন্য, সচরাচর ডানিএল, শ্মিব ও বৃনদেন সাহেবেব সেলস্ সকল বাবহার করা যায

সর্গ গিণ্টিতে অন্ধ গন্ধ জাবক মিশ্রিত বাই ক্রোমেট অব্
গটাস অব একটি পাত্রে রাথিয় উহার ম্বা দিয়া এক থণ্ড দস্তা ও
তক্ষণ্ড ক'র্ন (গ্যাস বোক) ড'র যে'কো নিমজ্জিত কবিবে
পারে পরিক্ষত জবাগুলি উহাতে তার সংলগ্নে ভ্রাইয়া বি ছুক্লণ
নাড়িয়া নাড়িয়া উঠাইলে দেখিবে অতি ফল্পর গিণ্টি হইনাছে
বাইজোমেট অব পটাস জব ভেলম্বর করণ জন্য কখন কখন গন্ধক
জাবক তিন আউন্দ্ পর্যান্ত মিশাইবে বৃহৎ গিণ্টি কানখানার
ভাএনামোঁ বৈত্যতিক যন্ত্র বাবহাত হয় সেলস ব্য টারি
অপেকা ইহাতে স্পর্বায়ে প্রবিধান্ত্রন ব্রুত্তিক স্রোত্ত পাঙ্রা
যায়ী বৈত্যতিক স্রোত্তর তারতমা জানিবার জন্য গ্যানভানোদিটিব যন্ত্র বাবহার হয় সালোব ময় শুক্ পরিক্ষত গৃহে গিণ্টি
কার্যা করিবে তাস সলফেট ও পট্নস সাএনাইড জব কার্টনির্দিত পাত্র এবং অন্তান্ত ধাতুব লবং জন সকল এনামেল পাত্রে
রাঞ্জিরে

দ্রবাণি নিণ্ট ইরণোপযোগী করিবাব জ্ব্রু প্রথম্ভ সাদা বালী মোট বুক্শ দিয়া জলের সহিত পবিষ্ণার করিবা "এলারি রূপ' শিরিষ কাগল কিম সক্ষিকা ধর্ষণ করত উত্তগ্রন্থ স্থণ করিবে পুরাত্তন সোনার গিণ্টি, রূপার জ্বাগদি হইতে উঠ ইয়া পরিষ্ণার করিবার জন্ম উহা জল মিশ্র গদ্ধক জাবকে ভিঞাইয়া মোটা বুরুশ স্থাবা য্যিবে

গদক জাবক জৰ্জ গালেন, যুবঞ্চার জ ব চ ি কি গালেন ও লবণ জাবক ছই আউন্স্, অৰ্জ গালেন জলে মিগ্রিত ক নিয়া তাহাতে পিতল, তাত্র ও জার্মান ক্ষপার দ্রব্য ভিজাইয়া বুরুষ দ্বারা খবিঃ। পরিষ্কার করিবে

গন্ধক দ্রাবক তর্ধ পাইণ্ট, যবাক্ষার ও তবং দ্রাবক প্রত্যাকে এক আউন্স্, এক গ্যালন জলে মিশাইয়া উহাতে ইস্পাত ও লোহ দ্রবা কিছুদিন ভিজাইয়া পরে পরিকর জলে বুরুষ দিয়া খবিয়া পরিকার করিবে।

উতপ্ত কৃষ্টিক পটাস জবে হাঙ্, সিসা, বিটানিয় ও পিউটার ধাৎ অব্য জুবাইয়া, বুক্ষ দিয়া পরিন্ধার করিবে কদাচ জাখকে নিশজ্জিত করিবেনা জাবকে ইহা গলিয়া যায় স্বর্না সক্ত-ক্ষতার সহিত কার্য করা কর্তব্য উতপ্ত কৃষ্টিক পটাস হত্তে লাগিলে ক্ষত হয়। উহা শীপ্র আরোগ্য হয় না পটাস সাঞ্জন

তিন গাউও জলে, এক পাউও যবাক্ষার দ্রাবক মিশাইয়া তাহাতে বিশুদ্ধ পারদ অল্পে অলে আলোড়িত কবিয়া এক আউন্দ্র্ দ্রব কবত এক গ্যালন জল মিশাইবে ইহাতে পিতল জার্মায়ার রূপা ও তাম ধাতু দ্রবাদি "কুইবিং" করা ময়। দন্তার মুব্যাদি 'কুইবিং" করা ময়। দন্তার মুব্যাদি 'কুইবিং" ক্লন্য তুই গ্যালন জলে, চার আউন্দ্র্যান্ত প্রাক্ত ও কিংশ ক্লার্মায় মারকুউরিক নাইটেট দ্রব করিলে প্রস্তুত হয় বৈত্যা- ভিক গিশ্টিতে দ্রবাদি গিশ্টি করিবার, পূর্বে 'কুইকিং" করা

আবরণ হইলে গিণ্টি করিবার সময় উঠিয়া যায়।

## স্থ গিল্টী।

স্বর্ণ ধাতুর অকসাইড, স্বাওডাইড, ব্রোমাইড সলফ ইড হাইপো সদফাইট নিজেল ও ডবল নাএনাইড এবং টার ক্লোবাইড এই ক্ষেক্টী লৰণ গিণ্টি কাৰ্য্যে ব্যবহার করা যায টার ক্লোরাইড সাধারপত ব্যবহৃত হয। তিম ভাগ লবণ দাবক ও এক ভাগ যৰাক্ষাব ভাবক মিলিত করিলে ''এয়াকোয়া রিভিয়া" প্রস্তুত হয় এই মিশ্রণে স্বর্গ দেব হয়। একটী কাঁচ পাত্রে এক আ।উন্স্ বিশুদ্ধ স্বৰ্ণ চারি আ উন্স্ এয়াকোমা বিজিয়ায় নিমাজ্ঞাত ক্ৰিয়া উফ জলে রাখিয়া দিবে, স্বৰ্ণ দ্ৰব হইলে নাড়িয়া বেণ্ডলে র থিয়া দিবে যদ্যপি স্বর্ণ ক্রম হয় কিয়া স্থর্ণের কিয়দংশ অদ্রনীয় থ কে, ভাহ। হইলে পুনরায অল এগকোযা রিজিয় মিশ্রিক কবিবে ইহ দেখিতে শুল বর্ণ এক স্বাউন্দ্ বিভিন্ন স্বর্ণে ১৬৪ ছাউন্স ক্লোরাইড প্রস্তত এই কোগাইড দ্রব অধিক পরিমানে জল মিশ্রিত করিয সাএনাইড অব্ পটাস দ্ব (এক পাইণ্টে এক আউন্স্) আর অল নাড়িয়া মিশ্রিত করিলে সিম্পেল গোল্ড সাঅনাইড প্রস্তুত হয় সিম্লেল গোলড সাএনাইড জব এবং পটাস সাএ-নাইড ডব ক্ষভাগে একটী পাত্রে শইয়া, অগ্নাতাপে ওক করতঃ শীতস ইইলে জলে এবু করিয়া লইলে ডবল গোল্ড সাএনাইড প্রস্তাত হয়

পাঁচ কোয়ার্ট জলে দুই ড্রাাস গোল্ড ফোরাইজন্পর করতঃ.
ভিহিতে আড়াই পাউও কহীক পটাস, পাঁচ আউন্স্ কার্য নেট

खर आरुत्म माजन रेख जान भड़ेण छन निर्मारेश जाग एटा भी प्रीहेशो, मीडन रहेटल छेड़ाएड क्रक १६ द्वाक क्ष कि हैं वे छेड़ानि प्रता प्रवारेश गरेल प्रमान प्रन वर्ग थीश र्य धरे निल्हिट म प्राजनादेख जटन विश्वक प्रत्य धाराण वावरात किटन प्रमान निन्ही रह हेम्भाड उ त्नीर जनानित जा निरम्भ त्म प्र जार्जनाहेख ववर शहाम जन उ क्नीन देवहाडिक ब्लाड प्रायण न।

## ক্রোপা গিল্টী।

রোপ্য ধাতুর ন ইটেট, অক্লাইড, ক্লোরাইড এবং সাএনাইড ল্বণ িটা জন্ম আবশ্যক হয় এক পাইট জলে, তুই আউল প্টাগিয্ম সাএনাইড দ্ৰব করত, নাইট্রেট অব্ সিলভার দ্রব অল্ল অল পরিম নে মিশিএত করিলে শুদ্রবর্ণ শিল্ল হার সাএনাইড व्यथञ्च इत है। जल एव इय ना किन्छ श्रोगियम माजनाहेफ ख নোডা হাইপোদলফাইট দ্বে জ্ব হয় সাএনাইড অব্ণিল-ভার জব এবং পটাসিয়স জব বৈহ্যাতিক যজের কার্ঘ্যে বিশেষ্ আৰম্ভাক , ১৩৪ ভাগ সিলভার নাইট্রেট, ৬৫ বা ৭০ ভাগ পট্রি সিয়ম সাএনাইও দ্বে দ্বে করিলে সাএনাইড অব সিবভার দ্ব প্রস্তিত হয় একটি বড় পাত্রে এক গ্যালান জল রাখিয়া ভাহাতে ২ পাউও গটানিখ্ম সাএন,ইড এবং কর্দ পাউও সোডা কার্বনাস্ বিগলিত করিয়া° ৪ আউলা সিসভার সাএনাইও এম मिखिङ क्वित्व। अहे गिखंदन शिन्ति कराणामरणना प्रदा श्राम নিমজ্জিত কৰত, অল বৈদ্যাতিক প্রোত হার নীয় স্থান ক্রীন। गि ि गण्येत रम विश्वक दर्शा. श त्र ब्यादन ए क्यावशत्र न्य तिरम्। अल भूमा केवामि निष्ठि व त्रिवात भूर्का "क्ट्रिक्?" कविरक्ष इहरत म ।

## নিকেল গিল্টী।

এক গালান জনে জর্জ পাইণ্ট এনামোনিয়া দ্রব এবং ১২
আউল সলফেট জব নিকেল নিপ্রিত করত, আলোড়িত করিয়া
পুনরায় তিন পাইণ্ট এনামোনিয়া দ্রব নিশাইয় অগ্নুজাপে ফুটিড
করিলে প্রস্তুত হয় কিন্তু ইহা দীঘ্রই অগ্নত্ব প্রাপ্ত হ্য়
তদ্জভ মধ্যে মধ্যে লিটম্স কাগজ দারা প্রিক্ষা করণান্তর,
পুনরায় এনামোনিয়া দ্রব মিশাইয়া লইবে অগ্নত্ব জানিবার
জাত্র নীলবর্ণ লিটম্স কাগজ নিমজ্জিত করিলে লালবর্ণ
ইইবে ক্ষরত্ব জানিবার জাত্র হরিদ্রা বর্ণ লিটম্স নিনজিজত করিলে লালবর্ণ হয় অগ্নন্ত ব কারত্ব ন থাকিলে
কাগজের বর্ণের কোন পরিবর্ত্তন হইবে না, সম্ভাবে থাকিবে
তাল্ল নিন্টি কার্য্যে পাতলা নিকেল ''এনানোড' ব্যবহাত হয়;
কিন্তু প্লাটনম্ এনানোড ব্যবহার করিলে নিকেল ধাত্ব স্থলের
গিন্টি হইয় থাকে

## পিতল গিল্টী।

এক সহস্র ভাগ জবে, পাঁচিশ ভাগ জাগাল কিব পরিঞ্চত জাগাল ও ১৫ ভাগ দয় জিক্ক ফোরাইড দ্রব করতঃ ১০০ শত ভাগ সে ডা কাবনিংশ দ্রব সংযোগে উত্তররূপ অব্দেশ্ভিত করিলে মাহ অবংপতিও হইবে, ভাহ ফুক্লবরপে ধৌত করণান্তর অন্ত পাত্র সুশ্বের রাখিয়, ৫০ ভাগ সোডা বাইসনফেট, ১০০ ভাগ সোডা কার্যনান ও ১০০ ছু ভাগ জল উহাতে সংযোগ করিয়া একটী কাঠ দওঁ দাবা উত্তমকপ নাড়িয়া, তেজন্বক পটাস পাত্রনাইড জ্বুব শিশ্রিত করিতে থাকিবে, যভক্ষণ ঐ অধ্বংপতিত পদার্থ সম্পর্ধন্ধতে বিগলিত না হয় অবংশ্বেষ উহাতে তিন ভাগ

ভারতির সাএনাইড দ্রর গ্রিনিত করিলে সুন্দর পিতন গিণ্টি করণ দ্রব প্রস্তুত হইবে। ইহাতে উৎকৃত্ত গিতলের প্রানোড ব্যবহার কবিবে।

# शारिनम् निल्ही।

সোনা বপার স্থান প্লাচীনাম থাজু গট দিয়ম সাএনাইডে দ্রব হয় ন ক্ষতবাং গিণ্টি কার্য্যের সালে তে ও নিভান্ত ক্ষুত্রবর্ত্তি প্লাটনাম সোডিও ক্লে বাইড জবে অত্যন্ত পরিম নে অক্সালিক জ্যাসিড উত্তর্মকপ আলোড়িড করিয়া মিপ্রিড কর্পান্তর প্রচুর পরিমানে সোডা জব মিপ্রিড করতঃ, ক্লারত্ব প্রাপ্ত হুইলে ব্যবহার্য্য ইহাতে প্লাটনাম জ্যানোড ব্যবহার কবিবে

## मख्यात शिल्णी।

সচরাচর গ্যালভানাইজত দিল বিনিধা যাহা বাজাবে বিনিধা হয়, উহা লোহ অব্য বিগলিত দন্তা গাঙুতে নিমজিত কবিয়া প্রায়ত হয়, ইহাতে বৈছা তিক প্রোক্ত জাবগুকে হয় না। ১ গ্যালন জলে ২ অভিল জিল্প অক্সাইড এবং ২০ অভিল ফটকিন্নি অব করত উফ করিলে দন্তারগিণ্টি এব এল্পত হইবে ইহাতে বিশের এগানোড এবং ব্যাটাবিব কীণ প্রবাহ আবগুক।

# জার্মান রোপোর গিল্টা।

এই দিনি পিতল ও তামাৰ এবো হব নোহ এবো হয় ন। উৎকৃষ্ট জার্মান রূপ যবাক্ষার দ্রানকে এব কর ক, পটাসিয়ম সাএনাইড এব জন্ম জন্ম সংখােগ করিছে ন্যাহ ক্র অধাংপাঙ্কি হইবে, তাহা পৃথক করিয়া তেজার্মী পটাসিয়ম সাএন-নাইউ এব মিলিত করতঃ বিগলিত হইলে, প্নরাম বিনিৎ পটাসিয়ম সাএনাইড এব ও দিন্তণ পরিমানে জল মিলিত করিলে িশ্টির দ্রব প্রঃত ২ইবে ইহ'তে জার্মান রপার এ্যানে গু ব্যবহার করিবে।

## টিনের [রাডের] গিল্টী।

পঁচ গ্যালন জলে, ১ আউন্স টিন ক্লোরাইড এবং ২ পাউঞ্ জ্যামোনিযার ফটকিরি এব কবত অধ্যুত্তাপে জুটীত করিলে প্রস্তুত হয় ইহাতে পবিস্কৃত পিতল ও তাত্রসয় এব্য নিম্জ্রিত করিলে বাঙের সুদর অবরণ হয়

## তামার শিল্টী।

অভান্ত বাত্র ভ্রম্ব ভাষ তামের, সলকেট, এর সিটেট, ন ইট্রেট, সাএনাইড ও রোরাইড লবন এব নিন্টি করিবার জন্ত ব্যবহৃত্ত হয় ভামের সাএনাইড জব বাবা, ইস্পাত লোহ এবং দন্তা প্রস্তুত জব্যাদি হৈছাতিক প্রবাহে বহুলাস স্থায়ী স্থান্দর নিন্টি হয় এক গ্যালন জলে ২ পাউও পট সিয়ম সাএনাইড মিশাইয় ৪ আউস তামের সাএনাইড মিশ্রিত করিয় উত্তপ্ত করে বিত্যুতিক স্থোত দিলে স্থান্ত মহুল তাম নির্দিট হয় সতর্ক থাকা উচিত্ত যেন জব খন না হয় খন কইলে উফ জল আলোড়িত ব বিয়া দিপ্রিত করিয় লইবে ইহাতে পাওলা পরিস্কার তামের প্রানেত ব্যবহর্ষা শিক্ষা মিসেরণ প্রথমতঃ এই গিটি করিত্রে চেষ্টা করিবে বারণ ইহা অল ব্যয় সাধ্যা।

## ইলেক্ট্রো ট ইপিং।

ক্ষাতি বন্ধ উজ চন্দন কান্ধ প্রভাৱর উপর থে দিত লিখন, অমিত প্রতিমূর্তি, মাতুমর প্রতিমূর্তি, মুদ্রান্ধন শ্রৈত অক্ষর সমূহ এবং মুদ্রা ইত্যাদি দ্রবা সমূহের বৈহ্যতিক প্রোণ্ড প্রবীষ্টে স্থাক্ত শিল্পীর অবিকল প্রতিমূহ্যি প্রত করণকে ইলেক্ ব্লা টাইপিং বছে মুজা কিম্বা কোন প্রতিমৃত্তির অমুকবণ কবিতে হইলে এক খণ্ড গটাপার্চা উফ জলে সিদ্ধ করতঃ নবস হইলে মুজা বা প্রতি-কৃতিব উপব সমভাবে চতুর্দিকে চ পিয়া রাখিবে পরে শীতল হইলে উঠাইয়া ছাঁচের দিকে রাকলেড চুর্ণ বুব্ব বারা আর্ড করত ডানিএল সেল বৈত্যুতিক যন্ত্র বারা বৈত্যুতিক লোভ প্রভাবে তাম ধাত্র প্রায় সিকি ইকি পরিস্ন পুক্ আবরণ হইলে উঠাইয়া লইবে গটাপার্চাব সম্প্রতিক কোন আবরণ হয় ন গটাপার্চার স্থায় মোম শীঘ্র দ্রবণ শীল ধাতু (ডিফিউসিবেল মেটাগ) শীনিশ ও গুড় মিশ্রণ এবং পারিস প্রান্তার ইত্যাদিতে ও ছাঁত প্রস্তুত হইয়া গুলুক

একটি মৃচিতে পঁচ ভাগ সীসা ৩ ভাগ টীন এবং ৮ ভাগ
বিসম্থ মিন্ত্ৰিত করিয়া গণাইশে শীল্ল জবণীয় ধাতু প্রস্তুত হয়
ইহ স্মৃতীত জলে জব হয় কাষ্টান্ধিত প্রতিক্রতি তৈলাক
করিয়া এই ধাতু জব অর্দ্ধ ইঞ্চি পুক ■ শিরা চাপন দিলে সর্বাদ্ধ
পেকা সহজে অবিকল ছাঁচ প্রস্তুত হয় ইহাতে কাষ্টের
কোন ক্ষতি হয় ন এই ধাতু জব হইলে, উপরে এক প্রকার সর
পড়ে উহা এক খণ্ড মোটা কাণজ দিঘা উঠাইয়া ব্যবহার
করিবে

ন্তন প বিস প্লাষ্টাৰ জ্বলে খন কৰিলা গুলিয়া তৈল জ্ব প্ৰতিকৃতিৰ উপৰ এক ইঞ্চি পুৰু ঢালিয়া ছাঁচ ঠিক প্ৰস্তুত হইলো উঠাইয়া অথিতে শেকিয়া চৰ্কি কিন্তা পান্ধান্ধিন তৈলাক্ত করত বুক্ষ হারা ব্লাকলেড চুৰ্ব মাথাইয়া ব্যাহার্যা ।

শিরিষ জলেশ সহিত জাগুতাণে এব রত শিকিভাগ চিটে তেপ্নিডিত করিয়া শীতল হইলে প্রস্তুত হয়, ইহাতে এবাাদির

<sup>•</sup> সুন্দৰ ছ'চি ল ওয়া হয়

মোগত ভাগ এবং 🗷 ফ ভাগ প্লারিন গলাইয়া অত্যন্ত ব্লাক-গেড চুর্ণ গিশ্রিত করিলে এস্ত হয়

ইলেকুটো টাইছিণং কবিৰার অত্যে খোদিত ইস্পাত তায় সীসা প্রভূতি ধ ছু দ্বা হইডে সসী চিহ্ন সকল উত্তমকণে ধৌ চ করণান্তর কষ্টিক পটাস এবে জুটীত করিয়া শুক্ত করিবে; পরে সমজাগে বিশ্রিত মোম ও তার্গিন তৈল মাখাইয়া গটাপার্চা ২ ভাগ এবং এক ভাগ সোম 🖶 চর্মি অগ্যুক্তাপে দ্রব করত উহাব উপব অর্ন ইফি পুরু করিয় ঢ নিয়া ১২ ঘণ্টাকাল বাথিয়া, অভি সতর্কতাব সহিত উঠ ইয়া ছাঁচে পূথক করিবে যেন কোন णाया ह न भाव भारत २ दका ता है निथिद ल ए छ अभी ति ए छ व এक क छेम मम्मरम अ (वरक्षांदेग खन करफ विक्ते न निमा, औ ছাঁচে ঢালিনা বাখিবে এবং তৎপবে উহার উপর নাইটেট তাব जिमछार एक बाङ्ग भाषाम धारमहीक धार्मिङ धक ডাম > পাইন্ট নিশুদ্দ পুরাবীর্যো দ্রব করতঃ ঐ ছাঁচের উপর **ট লিবে যথন নাইট্রেট অব্ সিলভাব উত্তয্বপ ছ**াটের চিহ্ খাণিতে ত্ৰাই দৃষ্ট হইবে তান এই শোষাক্ত দ্ব্য ঢাণিয়া ছাটো ডাম ভার সংশধে বাবহার্য। ইহাতে বিশুদ্ধ আনোড ব্যবহার করিবে। গটাপার্চ ছাঁচের বিপরিড দিক (काराशान दार्निम माथारेय याथित। गुफ सन ख्या कक्ष मग्र बाक लिए हुन गाथा है या कि हो है । ভাঁদাতে উত্তসরূপ রাকলেড চূর্ণ ম খ ইয়া বাবহ বা, ইছাতে খিরিও ूरिविष् अर्थिक जास व्यवस्य समन म्याक्त एव

িকোল্ড গিল্ডিং

কিল্ড গিল্ডিং

ভায় ও শিতল নির্মিত দ্রবা নি গিণ্টি করিতে হইলে প্রণাদ্ধঃ

ক্রিটাকে পরিকার কেরিয়া অগাতাপে উত্তপ্ত করণান্তর একটি

কাক্ লবণাক্ত জলে ডুবাইয়া গিল্ডিং করণ চূর্ণের দহিত খর্ষণ করিতে হইবে ডৎপরে ঐ ঘর্ষিত প্রান্দেশ প লিস করিবার ইস্পাত (হিমেটাইট) দ্বারা পালিস করিতে হইবে

কাঠ, প্লান্তাৰ এবং মার্কেল প্রন্তর নির্মিত দ্রব্যাদি নির্দিত করিতে হইলে, প্রথমতঃ আটা বা দিবিৰ সাথাইরা তাম কৰিতে হইবে পরে থটিকাচুর্ণ, স্পেন দেশীয় খেত বঙ কিয়া প্লান্তাৰ অব প্যা বিস চুর্ণ সিরিষ ৰ আই নিং গ্লাসের আটার সহিত মিদ্রিত করিয়া কাইএর ভার হইলে মাথাইতে হইবে পরে পরিশুক্ষ হইলে বিত য় বার এবং ক্রেমাবরে এইকপ তিন চার বাব মাথাইয়া উত্তয়রূপ তাম হইলে সিরিষ কাগজ বারা উহাদিগকে স্বর্ধিত করিয়া মত্রণ হইলে অয়েল গেল্ড সাইজ সাথাইয়া মর্ম্ব ভক্ষাবন্থায় ত্র্বণ পাত বসাইয় এয় গেট প্রন্তর কিয়া বা দ্রমাইয়া অর্বা পালিস করিলে স্থানর স্বর্ণ নিটি প্রান্তত হইবে এই উপাধে ফ্রান্টী নিজিয়া ছবি 

দর্গণের ক্রেম নিটি প্রান্তত হইবে এই উপাধে ফ্রান্টী নিজিয়া ছবি 

দর্গণের ক্রেম নিটি করিয়া থাকেন।

## গ্রীকদিগের গিল্টীকবণ প্রক্রিয় ।

প্রথমতঃ রসকপূর্ব এবং নিসাদন সম্ভাগে নাইট্রিক এয়াসিডে বি- লিত কবিনা, স্বর্ণ ধেগ করিয়া উহার মন দ্রব প্রস্তুত হইদে বোপ্য নির্মিত পদার্থেব উপর মাধাইলে ক্ষাবর্ণ হইয়া যায় নিস্তু উহাকে উত্থে বরিনো উল্প্রনা বর্ণ ধাবণ করে।

# ख भाग नी यु फिर भन्न जिल् हि

প্রথমতঃ কাষ্টের উপবিভাগ সিনিষ বাগল্প দ রা খ্রিয়া উত্তমক্ষণ পবিশ্বত হটলে অয়েল গে ল্ভ সাইজ, টি পিন তৈল নিছি ড
ক্বণ ক্রব প্রতিলা ইইলে উহাতে সাখাইতে হই।ব। পরে তর্পরি
অর্ণচুর্ণ বিক্রী করিয়া, পদ কিন্তা ওয়াস লেদার দারা পালিস,

করিতে হইবে অবশেষে উহার উপর স্পিবিট বার্নিগ গাখাইয়া অগ্ল উত্তাপে র ধিলে স্থন্দর শিপ্টি হইয়া থাকে তৈল গিণ্টি।

এই প্রকাব ণিণ্টি করিতে হইলে ইহাতে কতকগুলি প্রস্তাত-করণ প্রাথা এমার্যে অবলম্বন কবিতে হয় প্রাথ্যকঃ হোযাইট লেড, শুন্ধকারক মসিনার তৈলে মিশ্রিত করিয়া যে সকল দ্বস গিণ্টি করিতে হইবে, তাহতে মাথাইয়া জমি প্রস্তুত কবিতে হইবে পবে শুদ্ধ হইলে উহাতে ক্যালসাইন্ত্ হোয়াইট লেড বা ম্যাসিকট মসিনার তৈল ও টার্সিন তৈল এতহুভয়েব সম্ভাগ মিশ্রেশে মর্কিত করত বিতীষৰ ব মাথাইতে হইবে এইকপ এক-বাব কবিষ। প্রত্যহ মাখাইতে হুইবে এবং শুক্ষ করিয়া তিন চারি দিবস ঐরপে মাধ ইয়া উত্যক্তে শুক্ত হইলে ঝামা প্রস্তর বা সিরিধ কাগজ ঘর মার্জিত করিয় অথেল গে ল্ড সাইজ মাখাইতে হইবে, পরে অর্দ্ধ শুকাবস্থায় স্বর্ণপাত সংলিপ্তা কবিয় কটি উলোর শুচ্ছবা কোমল বুক্ষ দ্বাবা স্বাণিত করিয়া এক স্পুত্রকাল দ্বাথিতে হইবে এবং পবিশুক্ষ হইলে যখন উহা কঠিন হইয়া পড়িবে তখন স্পিরিট বার্নিস মাধাইশা ক্ষেম্ক করণান্তর স্বচ্ছ তৈল वानिंग माशाहेर्य जनम्जव हेश ७ इ रहेरन ज्नाव जायन शिन्छि९ প্রস্ত হইবে ধাতু, কান্ঠ এবং প্লান্তাব অব্ প্যাবিদ নির্মিত ख(वा देशं क्षमवक्राल जिल्हि इहेश थारक । বার্নিস গিল্টি।

ইহা উপেরি উক্ত ভাষেল গিল্ডিংএর ওকার ভেদ মাত্র ইহা গাড়ী ও গাইসজা, বিশি ছবি প্রভৃতি গিল্ডিং রানিস জায় ব্যবহৃত হয় প্রথমতঃ ঐ সকল জন্যগুলি সিবিষ কাগজ দ্বারা উত্যবিপেশ প্রিয়াত করিয়া, স্বর্ণের ম্যায় পীতবর্ণ বার্নিস কিন্তা অয়েল গোল্ড সাইজ মাখাইয়া শুৰু কবত অয়েল িল্ডিং প্রগ্রুত ক্যুণোপ্যোগী অবশেষে উত্তম কোপ্যাল ঘার্নিস ফোনাময়ে তিন চারি দিন অন্তর তিন চারি বাব মাখাইয়া, সাবধানে শুৰু ট্রিপলিও পরিষার জল ঘানা পালিস কবিলে নিশ্চি প্রশ্রুত হইবে

## জলেব গিল্টী

তাত্র, পিতল এবং ব্রোজ ির্নিত জবোব উপর এগান্য লগ্যান জব গে ল্ডেব ফুল্ল আনরণ লেওরাই এই নিন্টির প্রধান উদ্দেশ্য প্রথম ১ঃ উহাতে এগান্যালগ্যান্য মাখাইরা উত্তাগ দিরা সাবধানে পারদ বহিন্ধৃত কবিলে অত্যন্ত সোল্দর্যালালী বছদিনস্থানী গিণ্টি ইইর থাকে পারদ বাপ্পকাবে উহা হইতে বিনির্গত হইরা শিক্লিদিগের পরীরে প্রবেশ কনিবাব ছিনক্ষণ সম্ভ বনা এবং এইরূপ হইলে মহান তি স্থপাত ঘটিয়া খাকে এই অনিষ্ট নিবারণোর্থে ছি আর্সেট নামক জনৈক ফরাসি পণ্ডিত এক প্রকাব কাবনেস্ উন্তাবন করিলছেন। ইহাতে পারদ বাপ্পাকাবে উথিত হইয়া বহিদেশে যাইতে পারে না, উহাতেই সংগৃহীত হয় ওলাটার গিল্ডিং বিষয়ে পারদর্শী হইতে গেলে কোন শিক্ষা দানেশ্য গ প্রতিত হয় অথব কোন দক্ষ ব্যক্তিব নিক্ট গক্ষিণ মনেশ্য গ প্রতিত হয় অথব কোন দক্ষ ব্যক্তিব নিক্ট গক্ষিণ মনেশ্য গ

পুসকেন মলাটে স্বৰ্ণ অক্ষর, স্বৰ্ণ প্রতির তি প্রস্থৃতি আরিও করণ জন্ম গায়াইকেন অতি স্কা চুর্ণ অভিলবিত না নিশিষ্ট স্থানে বিকী কুথিতে হইবে পরে লোহ ব নিজন্মন্ত যাহাতে উজ্জ্ব আকর বা অভিনতি অবিত আছে. উত্তপ্ত করণান্তর ভাহাতে স্বর্ণ পাত নির সেই স্থানে স্বাধিত করিলে, স্কাষ্টিক চুর্ণ দ্বনীভূত হইয়া

যায় এষং মর্থপাত উহাতে সংক্রিপ্ত হইন। সর্গের জ্যঙ্গর ও স্বর্ণের প্রতিকৃতিকপে পৃস্তকেয় মলাটে ও তীয়ম নৃ হই তে ণাকে

পৃস্তকের ধাবে সং নিণ্টি বরিতে হইলে প তাগুলির ধাব কাটিয়া মহণ করিতে হইবে পবে আই সিং গ্রাস নিস্তেজ ন্পিরিটে দ্রবীত্ত করিবা, আমেরিকান নোল ■ ভাগ, মিছবি চুর্ণ একভাগ আবশুক মত ভিসের শেডাংশেব সহিত উরা গিশ্রিত- কবিয়, পুস্তকের ধারে মাখাইয়া শুদ্দ করিতে হইবে এবং পরিশেযে স্বর্ণ পাত সংলিপ্ত করিয়া উহার উপর এক থণ্ড জল শিক্ত কাপড় দারা সঞ্চ পিত করিলে স্থার লিণ্টি হইরা থাকে

পিতলের শোতাম দি স্বর্ণ গিশ্টি করিতে হইলে একটী পাত্রে পিলডিং এ্যাম্যালগ্যাম আবশুক্ষত এ্যাকোয়া ফর্টিন অর্থাৎ নাই-ট্রিক এ্যামিডে বিগলিও কবিয়া বোতামগুলি উহাতে নিমজ্জিত কবিয়া ন ডিতে হইবে, পরে উঠাইয়া উহাদিগকে গুয়াস্ লেদার দ্বাবা পবিদ্যুত কবত উত্তপ্ত কবিতে হইবে এবং শীতল হইলে বুক্ষ দ্বারা মার্জিত করিয়া বিয়ার মন্তা দিয়া ধৌত কবিলে স্থলর নিশ্টি হইয়া থাকে

চর্মাদি রৌপ্য গিণ্টি কবিতে হইলে সাধাবণতঃ ডিম্বের খেতাংশ কিম্ব সিবিষ মাথাইয়া উহাতে বাং কিম্বা বৌপ্যের পাত সংলিপ্ত করিতে হইবে পরে শুক্ষ হ লে গোল্ড কলার ল্যাকার মাধাইলে ফুন্দর গিণ্টি হইবে

কাচ, চিনের বাসন প্রভৃতি গিণিট করিবার জন্ম স্বর্ণচূর্ণ গঁদের তে এবং আত্যন্ত শ্রেলিয়া জল নিপ্তিত করিমী উহা আট্রাব ভাষ লৈ ক্যামেল হেয়ার পে লিল বা তুলি দ্বারা ঐ সকল ভ্রষ্টে মার্থিইয়া ন হৈর:উত্তপ্ত করিলে গঁদ লগ্ধ হইষা যায় এবং সোহাগা স্বর্ণচূর্ণের " সহিত মিলিত হইয়া, উহাতে সিমেণ্টের স্থায় সংলিপ্ত ইইয়া থাকে।
তাবশেষে পালিস করিয়া লইলে উহাব তাবিকল হিবন্যয় ব'লয়
প্রতীত হইবে চীনের ও কাচের বাসনের ইহা একটী দীর্ঘ কাল
স্থায়ী স্বর্ণ গিণ্টি বলিয়া পরিগণিত হইয়া থাকে

সাইন বোডে স্বর্ণ অক্ষর লিখিবাব জন্ম প্রথমতঃ অক্ষর শুলি পীতবর্ণ বঙে ক্ষন্ধিত কবিয়া, অয়েল গেল্ড সাইজ সাথাইতে হইবে পরে উল্লাজন্ধ শুদ্ধ হইলে স্বর্ণপাত সংলিপ্ত কবিয়া বার্নিস করিয় লইতে হইবে।

লোই ইল্পাডাদি পদার্থে নিণ্টি করিতে হইলে প্রথমতঃ উহাদিগকে উত্তমরূপে পবিজ্ ত ববিয়া ইথায়ে বিশেলিত স্বর্ণ মাধাইয়া
উত্তপ্ত করিলে, ইথাব বাষ্পীভূত হইয়া যায়; সুতবাং বেবল মাত্র
স্বর্ণ উহাতে সংলিপ্ত হইয়া থাকে জাবশেষে ইহাকে পালিস্
করিয় লইতে হয় এই প্রকরে স্বর্ণ স্কার ও নাম প্রবায়
প্রতিমৃত্তি ত্ববারির ফলকে দিখিত হইয়া থাকে কিন্তু উহা তাধিক
কাল স্থায়ী হয় না

পশম রেশম, সাটান, অস্থি, হস্তিদন্ত ও ভৃতি দ্বাস্থা নিশি করিতে হইলে উহাদিগকে সমকারাম্ট র কোবাইড্ অব্ গে শ্ড দ্বের এক ভাগ জলেন সহিত মিশ্রিভ করিয়া উহাতে নিমক্তিত কবিতে হনবে। পবে ঐশাকল দ্বের হাইড্যোজেন গ্যামের জ্যোত লাগাইলে স্থাব নিশ্চি হইৰা থাকে এই প্রকার নিশ্চির উপর বায়্ শীঘ্র কোনরূপ ফ্রিয়া প্রদর্শিয়া অনিষ্ট শ্ব নিতে প্রারে না

সামাত প্রকারে হাইডে জেন গ্যাস প্রান্ত করণ।
একটা বোডল সধ্যে জলসিভিত সলফিউরিক এ্যাসিড রাখিথে
ইইবে পরে উহাতে কতকভালি দন্তা-খণ্ড নিক্ষেণ

করিয়, অন্যগ্রাপ দিলে হাইড্রোজেন বপ্প উথিত ইইডে থাকিবে

# এ্যালকিংটন সাহেবেব পেটেন্ট গিল্টীকরণ প্রতিয়া

প্রাথমতঃ যে সকল দ্রব্য গিণ্টি ববিতে হইবে, সেই সকল হইতে তৈলাক্ত পদ থ বিমৃক্ত ববিষ, যে স্থানে নিণ্টি করিতে হইবে সেই স্থানে তার সংলগ্ধ করিয়া অত্যুক্ষ গিল্ডিং লিকারে যে পর্য স্ত উহাতে উত্তর গিণ্টি না হয় সেই পর্যান্ত নিগজ্জিত ক্রেমি বাথিতে হইবে পরে পরিকাব জলে উত্তমরূপে গোলি করিয়া গুদ্ধ করত পালিস করিতে হইবে

## গিল্ডিং লিকর।

মর্গ ৫ জ উল (ট্রয়ওযেটের), নাইটে মিউরিয়াটিক এগসিড ৫২ অভিল (এগভারড প্রাইজওরেটের) একতা করিয়া অয়ুস্তাপে দ্বীভূত বরিতে হইবে যে পর্যন্ত ধুম উঠা বহু না হয়, সেই পর্যন্ত উত্তাপ দিতে হইবে সে পরে জি হইতে নামাইয়া জন্য বোতল ব পাত্রে ব বিয়া ৪ গ্যাল ন পরিশ্রুত জল এবং বিভেদ্ধ কার্ব নেট্ অব্ পটাস ২০ পাউও মিশ্রিত করিয়া পুনবায় ফে টাই৯ লেইলে, প্রস্ত হইয়া থাকে

উপরি, ভিলিখিত। নাইটো মউরিয়াটীক এ্যাসিড প্রস্তুত করিতে ইইলৈ, বিশ্বদ নাইটীক এ্যাসিড ২৫ আউল, বিশুদ্ধ হাইডোকোরিক এ্যাসিড ১৭ আউন্স্ এবং পরিক্তি জল ১৪।

# গিল্টীপ্রকরণ প্রণালী।

# গিন্ডিং ওয়াসের **জ**ন্ম প্রামান্গামি প্রস্তুত করণ।

অবৃত্তি এক ভাগ ও ৮ ভাগ পারদ অর্জ অর অনির উতাংপ একটি লোহ পাত্রে র থিয়া লোহশলাকা থায়া ক্রেমাগত নাড়িয়া নাড়িয়া উহাদিগকে উত্তমকপে মিশ্রিভ করিতে হইবেঁ পরে অমি হইতে নামাইয়া শীকল হইলে ইহা প্রস্তুত হয়। ইহা দারা পিত্তল, ভাত্র এবং ভাত্র মিশ্রিভ সকল প্রকার যৌগিক্ধান্ত নিশ্রিত পদার্থ গিল্টি করা যায় সিলভার আাম্যালগাম্ব এইরূপ প্রকারে প্রস্তুত হইরা থাকে। কেবল অর্ণের পরিবর্তে রেমিগ্র

## निल्पि ह्री।

বিশুদ্ধ পর্ব ৫ দ্রান, বিশুদ্ধ তাম ১ দ্রান, ১০ পাউল পরিমাণ এাকোয়া রিজিয়ার জবীভূত করিয়া. একপত কাপতে শিক্ত করত উহা অয়িতে ভন্ম করিতে হইবে, পরে ঐ জন্ম হইতে পর্বের স্থা চূর্ণ সংগ্রহ করিয়া লইতে হইবে ইহা কোল্ড শিল্ডিং করিবার জন্ম ব্যবহৃত হয়। বিশুদ্ধ নাইটি ক এানিড ১ ভাগ এবং মিউ-রিয়াটিক এ্যাসিড ভাগ মিজিত করিলে, এ্যাকোয়া রিজিয়া প্রান্ত হইয়া পাকে।

## গিন্ডান প্রয়ার

भाग ह जार्डम, नर्मिश्चिम, दब्र क्वांच व्यर क्वेंचिद्ध व्यर्डाट क भाग जार्डम वहे कुटब्रकी वक्र विश्व विश्व क्वेंद्रिया निश्चित क्वित्र क्वित्र क्वेंद्रिया विश्व क्वेंद्रिया व्या

#### ত্বৰ প্ৰব।

টার ক্লোরাইড অব গোল্ড সলিউদনে ইথার, স্থাপথা কিষা কোন একটি বারী তৈল নিভাত করিয়া, কিয়ংকাল রাখিলে স্বর্ণ ই পদার্থের সহিত মিশ্রিত হইয়া অধ্যপতিত হয় পূর্বে ইহা ভাষিক পরিমাণে ব্যবহাত হইড, একাণে কেবল মাত্র ফে হ ও ইম্পাত প্রভাত থড়তি দ্বো স্বর্ণ অকার লিখিবার জন্ত ব্যবহার করা যায়।

#### গোল্ড সাইজ।

ইহা তুই প্রকার, যথা—অরেল গোল্ড সাইজ এবং ওরাটার গোল্ড গাইজ। ইরোলো ওকার ফোটান মসিনার ভৈলের সহিজ মর্দিড ক্রিয়া, টার্লিন ভৈল সংযোগ ক্রিয়া পাতলা ক্রিলে জ্বেল গোল্ড গাইজ প্রস্তুত হইরা থাকে। ইহা ক্রিলেডিংএ বাবহ ঘা। ওঘাটার গোল্ড সাইজ্ব,প্রস্তুত ক্রিতে হইলে, আইন্ সিং গ্রাস জলে অবীভূত ক্রিয়া ভাষাতে ইয়োলো ওকার মন্ত্রিক ক্রিতে হইবে ইহা বার্নিস। ও ওয়াটার গিল্ডিংএ আব্দুক হইয়া থাকে।

#### স্বর্ণ রঙকরণ প্রণালী।

ফটকিরি ও লবণ প্রত্যেকে এক আউল এবং সোরা ২ আউলা লার্ড পাইণ্ট শরিকার জলে অবীভূত করিয়া ফোটাইতে হইবে। ইয়তে অর্থাসন্ধারাদির রগু উজ্জ্বল পীতবর্ণ হয়, কিছে এতদপেশা গ্রাদেশীয় অর্থকারদিগের অর্থাসন্ধার রগুকুরণ প্রণালী উৎক্রই, কারণ ইহাতে জন্ম পরিষাণে অর্থ দ্রবীভূত হইরা অলকার হইতে বিনিগতি ইইয়া ধ্রায়।

তাসাদেশীয় স্থালিকার রঙকরণ প্রণালী। প্রথমতঃ ফুট্রিরি এ লবণ অভায় অলে নিপ্রিত করিয়া স্থানিকারিত উত্তম্ভূপে মাথাইয়া, উত্তাপ্ত করিছে ইইবে। পরে সুক্রব হারা মার্চ্জিত করত পরিকার করিয়া, একটী পাত্রে শত্যুদ্ধ ফটকিরি, পরু তেঁতুলের শাঁস, স্বত্যুদ্ধ গরুক এবং নিশাদশ — গিশ্রিত করিয়া উহাদিগের সহিত অগুজাপে ফোটাইতে হইবে, স্বে প্রান্ত হৃদার পীতবর্ণ রঙ না হয়

পুরাতন গিল্টী উজ্জ্জ করণ প্রণালী।

এগানোট এবং সণ্ট অব টার্টর প্রত্যেকে এক আউলা, পুনখারাপি অবি আউলা, তিন পোয়া জলের সহিত খায়াপো ফোটাইতে হইবে এবং । অংশ অব্শিষ্ট থাকিলে নামাইয়া ২০ গোণ জাফ্রান মিশ্রিত করিতে হইবে পরে জন্ম উফাব্ছার উহা বন্ধ বারা ছাঁকিয়া বোতলে ঢালিয়া রাখিতে হইবে। ইহা মাধাইয়া প্রাত্তন স্বর্গ গ্রিটা জব্য প্নক্ষজ্জ করা খার।

প্রাতন রোপ্য গিশ্চি প্নক্লজ্বল করিছে হইলে, অধাপাতিছ ক্লোরাইড অব সিলভার, হাইপোসলফাইট অব সোড়া কিমা মাঞ্জ লাইড অব প্টাসিরম জবে জবীভূত করিয়া, পুরাতন রোপা বিশিষ্ট করা জব্যে প্রিপেরাড পটিকা যারা নৃতন জমি করত পরিভঙ্গ করণাডার উহা ভূলি করিয়া মাথাইতে হইবে পরে চর্মা যারা শালিস করিলে নৃতনের ভাগ প্রাতীত হইয়া থাকে।

मिलिन जिल्ही अतिकांत कत्र श्री शिक्ष कत्र विश्व कि हुन अक वार्डिम, श्री के विश्व कर्ता शिक्षिक करित्र हुन अक वार्डिम, श्री के विश्व करित्र हुन करित्र हुन करित्र हुन करित्र विश्व करित्र करित्र करित्र करित्र करित्र करित्र करित्र विश्व करित्र 
# বিবিধ দেব্য প্রস্তুতকরণ প্রক্রিয়া।

#### स्टेकिंश।

## অর্থাৎ যে উপায়ে পক্ষী এবং জন্তু মৃতাবস্থায় জীবিতের ভায় প্রতীয়মান হয়।

যে পক্ষী বা জন্ত ইকিং করিতে হইবে, প্রথমতঃ তাহাঃ
আভাস্থরিক যন্ত্রালি (অন্ত) বহিন্দৃত করত যে ভাবে রাখিতে হইবে
শেই ভাবে রাখিয়া, একটা লোহ ভার (পকীর পক্ষে) ভাহার মেরু
লতের নিয়দেশ দিয়া, পুচছ হইতে চঞ্ পর্যন্ত অপর ছুইটা ভার
পদবর মধ্য দিয়া, উপরোক্ত ভারের সহিত সংযুক্ত করিতে হইবে
পরে মাংস ■ চর্মের পচন নিবারণ জন্ত করিয়া মাধাইতে হইবে কিন্তু সর্ব
শ্রের সমভাগে মিশ্রিত করিয়া মাধাইতে হইবে কিন্তু সর্ব
শ্রের পচন নিব রক জবা মধ্যে কার্কলিক্ আদিভ প্রের্ছ ইহা
ভূলি দারা অভ্যন্তরে ও উপবের চর্মে এবং পক্ষে মাধাইয়া র বিলে
জনেক কাল পর্যান্ত বিনন্ত হব না তথপরে অন্তাদির পরিবর্তে
হির বন্ত্রাদি ব শোন গুছে উহাতে কার্কলিক আদির পলিবর্তে
হির বন্ত্রাদি ব শোন গুছে উহাতে কার্কলিক আদিভ নিকন
করিয়া সেলাই করিয়া হাধিবে এইবে এই প্রকাব উপায়ে মৃত
সম্বাকেও কার্কলিক আদিভ সাধীইয়া অনেক কাল পর্যন্ত
রাধা বায়্য

পৃত্তির বার্তারোপযোগী তৈল প্রস্তুত করণ।
১ শাধারণতঃ সেণল প্রকার তৈলে নিয়রদ প্রাক্তির কল ও স্থা ক্ষা বজে দেওয়া যায় দা, কারণ অন্তত্তি থাকে
ক্ষাড়ির কল ও স্থা ক্ষা বজে দেওয়া যায় দা, কারণ অন্তত্তি থাকে
ক্ষাড়ির বিভয়াদিতে কল্ফ পড়িয়া কল বস্ক হয়। কিছে এই নিয়

লিখিত তৈল বাবহার করিলে কোন অপকার হয় না এব টি প্রশস্ত মুখ বোতলে স্বচ্ছ পরিদার অলপাই কিস্থা ব দামের তৈল অর্ধ পরিপুরিত করিয়া, উহাতে তুই এক খণ্ড সীসপাত শুটাইমা ফোলিয়া, কিছু দিন বৌদ্রের খিতে হইবে বোতলের তলংগণে স্থান এক প্রকার ত্থাবং পদার্থ উৎপন্ন হইবে, এবং তৈল স্বাজ্ঞ -বিক অপেক্ষা স্বচ্ছ ও পাতল হইয়া গড়িবে, তথা উপনের স্বচ্ছাংশ ডালিয়া লইয়া ব্যবহার ক্রিতে ইইবে

২ একটি কাচের বক্যন্তে একভাগ জাণাই বা বাদানের

কৈল ছয় ভাগ জুরাবীর্ঘ্যের সহিত নিশ্রিত করিয়া অগ্নুতাণে কিখং-কাল ফোটাইয়া নামাইতে হইবে এবং উপরের জলবং অজ্ঞাংশ

অভ্যপাত্রে ঢালিয়া লাইলে ব্যবহারোপথোগী হয় উত্তাপ দারা

স্বোবীর্ঘ্য বাপ্পীভূত হইয়া গেলে কেবল স্বচ্ছ পাতলা তৈল স্বব্দিট্ট

শাকে বছদিন থাকিলে কিলা শৈত্য ধিক্য প্রযুক্ত ইহা সংযত্ত

## কলের ব্যবহারোপযোগী চর্বিব প্রস্তুত করণ।

- চির্বিধ ভাগ অমৃত্যাপে উফ কনত প্রণবেলো চুর্ব এক ভাগ সংযে গ পূর্বেক কার্চ ির্মিত স্প্যাচুশা দ্বারা নাড়িয়া উত্তম ক্ষণে গিপ্রিক করিতে হইবে পরে অমি.হইতে নামাইয়া। লইতে হইবে ইহা বুক্য দারা প্রত্যন্ত একবার করিয়া মাধাইতে হইবে
- ২। কে সোড়া ৬০ পাউগু, ৩০ প্যালক জ্লের মহিত ভা ্ত্র ভাগে বিশ্বলিত করিয়া কঠিন চর্নি এবং প্রায় তৈপত প্রত্যেকে ১৮ হন্ডেড ওয়েট মিগ্রিত করত অি হইটে নামাইতে হইবে অবং কার্টের ক্যাচুলা মান্ত্র নিভিন্ন করিবে

প্রস্তুত হটার থাকে শীতকালে চর্মির ভাগ কিছু অধিক পরি
নিশ্রত করিতে হয় ইংগ অবিক পরিমাণে বাল্পীয় শকটের
অক্ষদণ্ডে দারে জন্ত এখং প্যারাফিন্ তৈলের পরিবর্তে ব্যবহৃত্ত
ইইয়া থাকে

# नाय कि इन्हें छ।

মনিনার তৈল ৩ পাইণ্ট ক্রুবর্ণ রঞ্জন হর্দ্ধ পাউও, এবং পীজ মোম ১২ আউল আনুভাপে বিগলিত ক্ষরিয়া নিটন্ ফুট ভৈল এক কোরাট এবং টার্পিন তৈল এক পাইন্ট বিপ্রিভ ক্ষরিলে প্রভাত ইয়া থাকে ইহা জুতা ও অক্যান্ত চর্মা এবোর উপর মাথাইলে কোমল হয় এবং বহুকাল উভ্যাবহার থাকে।

#### বিলাতি দীপ শলাক

(ক)। লুসিফার নামক বিদাতি দীপ শলাকা সর্বপ্রথম প্রচলিত হইয়াছিল, শিন্ত একণে অর তত ব্যবহার নাই, কারণ আর্ভতা নাগিলে শীপ্র ই ইটা যায় ইহ প্রত্ত করিতে হইলে, প্রথমতঃ শ্রাণ ভালির প্রান্থ ভাগ গন্ধবন্ধবে নিম্ভিত করিছা, পরে মণ ক্রিটির অ। এা বিষ্ণনি এবং ক্লোনেট অব প্রাণ্ণ সমভাপে পৃথক পৃৎক হল্ম চুর্ণ করিয়া মিলিত করত সীসিষে ভলিয়া মতের জ্ঞায় হইলে, ভালাতে মাধাইয়া পারভন্ক করিবে ভলনগুর ম্প্রিপ্রথারে গ্রাম পেপার প্রত্ত জন্ত স্ক্রানচচুর্ণ গ্রেমর মতে ভলিয়া বাজের পার্থদেশের গ্রাম পেপার প্রভাত জন্ত স্ক্রানচচুর্ণ গ্রেমর মতে ভলিয়া বাজের পার্থদেশে ক্রিয়া নিয়েছিল স্বান্থ ইয়া পরিভন্ক করিয়া হাইতে

্ধিন। জালকা দৈ সৰল দীপ শলাকা বাবজত হয় সন্ধাৰণ শল মোনাল বামাট এও মের পেটেণ্ট ফেটী ম্যাচ অভি উৎকৃষ্ট এবং নিন্দিখিত প্রকৃতি প্রকৃতি শ্রমত হয় প্রধানতঃ কুরেট অব প্টাস ■ ভাগ, সগদিউরেট অব এা ণ্টিমনি ২—০ ভাগ পৃথক পৃথক পৃথক করত ১ ভাগ চিনের সিরিষ জবে অণিয়া মিডিড করিয়া শলাকাগুলিব প্রাজভাগ উহাতে নিমজ্জিত করিয়া ডক বরিবে উহার পার্যদেশে ঘর্ষণের জন্ত বিগলিও গিরিষে আছি স্কাবলি গিলিত করণভার পাতলা করিয়া মাধাইয়া • বিভক্ষ করিবে পরে উহার উপর এা মৃবফস ফস্ফরস্ ১০ ভাগ, সলাকিউরেট অব এাণিটমনি কিলা পার অকসাইড অব মাজেনিজ ৮ ভাগ এবং সিরিষ জব এক ভাগ, এই করেকটার মিলেশ ঐরপ পাতলা করিয়া মাধাইয়া ভাজ করিবে।

গ জর্মণী দেশীয় বটজারস্ দীপশলাকা প্রস্তুত করিছে হইলে আরবি গগৈর মত ১৬ ভাগ, ৯ ভাগ ফস্করসের সহিত্ত নিশ্রত করিয়া, উহাতে সোগা ১৪ ভাগ ও চিনের সিম্পূর কিশ্বা গিন অক্সাইত ক্ষব ম্যামেনিজ ১৬ ভাগ, এতছভয়ের সহিত মিদ্রিত ক্রত করিয়া শলাকার প্রাক্তাগের মাধাইয়া পরিভক্ষ করিয়া লইতে হইবে

ক্ষেত্র কেই শেষোক্ত প্রকার দীপশালাকাগুলিকে ওয়াটারশ্রুষ ক্বপার্থ কোপ্যাল বার্নিসে অগ্রজাগুজুলি নিমজ্জিত ক্রিয়া, পরি-তেক করিয়া লইয় থাকের ১ এইরপ করিলে উহারা আফ্রিয়া শীন্র নষ্ট হয় না

त्रिक्त मी भगनाका नामुद्रा

নাইটিট অব ইন্সিয়া ৫৬ ভাগ, করেট অব পটাস ২০ ভাগ গক্ষ ২৪ ভাগ এবং রাফ সস্ফাইড অব এণ্টিম্সি ।

#### নীলব ।

সঁলফেট অব পটাস, গ্রহক, ও এ্যামোনিও সলফেট অর্থ ক্পর প্রত্যেকে ১৫ ভাগ কবিয়া, গোরা ২৭ ভাগ এবং ক্লরেট অব পটাস ২৮ ভাগ।

# भवूषा व ।

শাইটো ত ব্যারাইটা ৮ ভাগ, ক্লবেট অব পটাগ ৭৭ ভাগ এইং গলক ১৩ ভাগ

হিলদের বাক্ষের পাখের ঘর্যনোপযোগী মসলা প্রস্তুত করণ

# श्रेमाणी वाया है अछ त्यत्र श्राय।

রিলাতি দেশলাই প্রতিত কারকেরা অতি সতর্কতার সহিত্ত
রাহ্য করিবেন কারণ ফসফরাস বাতী অতিশয় দাত্য পদার্থ, বাহ্
পদেশ অলিয়া উঠে তজ্জ্য উহ সর্কাণা দি শির ভিতর জনের
বিধা রাধিবেন ফসফরাসের পুন মুবে প্রবেশ কবিপে দক্তমুলে
কত হয়। এমন কি হাড় পর্যান্ত থসিয়া পড়ে, কিছুতেই আ বোগ্য
ইউতে চায় না মুখে কাপড়, আচ্চাদন করিয় কার্য্য করিবেন
স্থিব এব করিতে হইলে ভাল চিনের সিরিম ৬ ভাগ, ইই ভাগ
রলের সহিত্ত মাট খন্ট।কাল ভিজাইয়া বাল্পোভাপে এব করিবে,
কেবল অগ্যতাপে এব করিলে অনেক সিরিম পুড়িয়া নত হইয়া
বার ও চর্গন্ধ বাহির হয় দেশালাই প্রস্তুত কর্ণের মসলাগুলি
বুর্মক্ পৃথক্ত অতি প্রকারণে চুর্গ কর্বেন, ক্লাচ একত্রে চুর্গ
করিরেন রাশ শলাকার জন্ম হাল্কা কাঠ, পেন্সবোর্ড, কর্ক কাটী
ত্যানি ব্যবহার করিবেন। ইহাদিনকে সমভাবে কাটীয়া, মসলাচুর্গ
ভিলাকির বিয়লিত ক্রিমিব নিষ্ম আল অবিয়া মিন্তিত ক্রনান্তর

শলাকার শেষ ভাগ নিমজ্জিত করিয়া শুব্দ করিয়া পাতলা কোপাল বানিলে পুনরায় নিমজ্জিত করিয়া শুক্ষ করিয়া বাক্স বন্ধ করিবেন

#### রোজ সিরপ।

কুট্রিত প্রান্ধি গোলাপ ৭ আউন্ত ১। পাইট উষ্ণ জালের সহিত্য বার ঘণ্টাকাল ভিজাইর রাখিতে হইবে। পরে বাংশোভাপ ঘারা চোণাইয়া এক কোরাটার লইতে হইবে; এবং ৩ সের উৎস্কুর্ট খে ইশর্কর মিশ্রিত করিয়া, অবশেবে শীতল হইলে ৫২ আউন্দ শে ধিত প্রা মিশ্রিত করিয়া লইলে গ্রন্থত হইবে।

# জিঞ্জার দিরপ**ু।**

কৃতিত জিলার ২২ আউন্স, ১ পাইণ্ট উন্ধ জলের সহিত চারি ঘণ্টাকাল ভিজাইয়া রাথিয়া হাঁলিয়া লইকে হইবে। পরে ২২ পাউও উৎকৃষ্ট শর্করা মিশ্রিত করিয়া প্রস্তুত করা যায় ইছাকে বছদিবস পর্যান্ত অবিকৃতাবস্থার রাখিবার জন্তা, প্রত্যেক আউন্স সিরপে অর্ক্ত ভ্রাম পরিমাণে বেক্টিকাএড লিপরিট সংযোগ করিয়া মাখিতে হইবে

## লেবুব সিরাপ ৷

উৎকৃষ্ট শেত শর্করা ২২ পাউওঁ অল উতাপে গলাইয়া এক পাইওঁ লেবুর রস উত্তমরূপে ছাঁকিয়া, উহার সহিত মিশ্রিড কবিতে হইবে এক শ্বিস পরে উপরস্থ অফ্টোংশ পরিত্যাপ করিয়া, পরিকার অংশে ২২ আউল রেক্টীফানেড শিপরিট সংযোগ করত বোভলে কাক্ বন্ধ ক্রিয়া ব্লুবিতে হইটুব।

কৃত্রিম লেবুর জুর্ বি সহটিক এাসিড ১২ পাইল, কার্নেট অর্ পটাস এক ডাম, খেত শর্করা ১২ অভিস, এক পাইটে শীড়ল জুলে মিলিজ করিবা ২৪ শতার পর ছাঁকিয়া লইতে হইবে পরে উহাতে ১০—১৫ কোঁটা লেবর তৈল মিন্সিত করিতে হইবে ইহা প্রক্ত লেবুর জ্নের ভার ফলপ্রদ হয়; যথন উহা পাওয়া যায় ম তথন তৎপরিবর্তে ইহ বাবতাত হইয়া থাকে

## जिन्जात विशात।

ঠ কৃটিত জানেক। জিন্জার এক আউস, জিন্ অব টার্টার • খ্লাম দিশা টার্টারিক এ। সিড্ অর্জ ডার্ম, লম্প পর্করা। (Linnip angar) এক পাউশু এবং ২—০ টা কৃটিত লের, এক পালন জলের সহিত আর্জ পাত্র মধ্যে ভিজাইর বাথিতে হইবে এবং মধ্যে মধ্যে অংলোড়িত করিছে হইবে পরে স্থল উন্ধ ধারিছে গারিতে ১-ই—২ আউল মধ্যকেনা মিপ্রিত করত উন্ধ গ্রে রাশিয়া দিতে হইবে এবং তৎপর্দিবস স্থানেল ম্প্র দার্ধা ছাঁকিয়া বোভলে প্রিভে হইবে এবং তৎপ্রদিবস স্থানেল ম্প্র দার্ধা ইংকিয়া বোভলে প্রিভে হইবে এই দিবস পরে প্ররা ইংকে, অন অন্যুজাপে কে টাইয়া বোজলে প্রিরা উত্তমকপ কাক্ ভার দিয়া বন্ধ করিয়া রাধিলে, উৎকৃষ্ঠ জিন্লার বিয়ার

र श्वा खर्शी हुन 
बिन वाहेकार्सरनिष्ठ खर रमांछा २०
८ अप, भित्रांत्र मंक ता अक छाम अवर रमत्व अरमक ५१२ दम होति 
मिरिज अकी वाज्यम भूतिमा, जिस छारभन्न क्रूडे छोगे भित्रकान 
क्रम मिश्रिज कन्निष्ठ इकेट्य। भूदन हो है विक् आभिष्ठ असि छा।म,
केरिज निर्देश भूतिक काक छोन निमा উख्यक वक्त किन्ना 
क्रिक्ति हिर्देश

্রোডা গুরাটার।

এবটা বোডাল ডিন ভাগের চুই ভাগ পরিকার জল লইয়া

ইতিহ সাই করিনিট অব সোড়া ৪- গ্রেগ এবং টার্টারিক আাসিড

৩০ গ্রেণ নিকেপ করিয়া তার দিয়া ক'ক্ বৃদ্ধ করিতে হইবে। পরে ন ডিয়া ব্যবহার করিলে অবিকল বাজারের সোডাওয়াটারের স্থাম হয়।

#### লেমনেড্।

একটি ৰোডলে বাইকাব নৈট অব সোডা হব জ্বাম, পরিষ্ণত শক্রা ২ ড্যাম, এসেল অব লেমন্ ২ ফে'টো এবং অর্ক লারা প্রিত করিয়া, ৩৫—৪০ গ্রেণ সাইট্রিক গ্রামিড প্রকেপ প্রকি কাক বন্ধ করতঃ কিঃ ২ক্ষণ নাড়িলে প্রতত হইরা থাকে কেহ কেহ কাব নেট অব সোডার পরিষ্ঠে কাব নেট অব পটাস ব্যবহার করিতে বলেন

স্পান্ধি (Aromatio) স্পিরিট্ অব্ ভিনিগার।
তেজাল এাসিটিক্ এ্যাসিড্ ১৬ ছাউলে কপুর এক আইল
বিগ'লত কিরিয়া, লবজ, শেরু এবং ল্যাবেশ্রার তৈল প্রত্যেক
এক ছাল উহার সহিত সংযোগ বিরতে হইবে। ইহা দ্বিকল হেনেরি সাহেবের প্রক্রিয়াবৎ প্রহত হয় করাসিরা স্পন্ধি
পুষ্প ভিনিগারে ভিজাইরা এ্যারোম্য'টক্ ভিনিগার প্রস্কত করিয়া
বাকে।

# ধোত করিয়া গুজ করণ। (Bleaching liquid).

শাধারণতঃ ক্লোবিনেটেড সোড়া এবং ক্লোবাইড আৰ আই-মের জনীর দেব এই নামে অভিহিত্ত হইয়া থাকি বিজ নিয়-নিখিত প্লেকাইড প্রভাত জল বছলরপে তুলা ও বলাদি থৈতি করিয়া ওভকরণ জল ব্যবহৃত হইয়া থাকে। লবণ ও পাউও এবং এক পাউণ রাক্ অক্ইড অব্ মাজেনিজ একএ মিশ্রিত করিয়া একটা বক্ষতে রাধিয়া, ২ পাউণ্ড অয়েল অব্ ভিটীয়ল,
। পাউণ্ড জলে মিশ্রিত করিয়া ভাহাতে সংযোগ করিতে হইবে।
পরে প্যাংল্ এয়াস ৬ গুল জলে এব করিয়া, ইহাতে ঐ ধ ম
সমল সংগ্রহ বিরতে হইবে এক পাউণ্ড ক্লোরাইড অব্
লাইম্ । গ্যালন । এব করিয়া এক পাউণ্ড পরিমাণ বস্ত্র ধৌত
করা যায় পরে ঐ বস্ত্র জল মিশ্রিত সলফিউনিক্ এ্যাসিডের
(১ ভাগোত্ত ভাগ জল) মধ্যে নিমজ্জিত বরিয়া ধৌত কবিবে
হইবে

# মোহর করিবার নানাবর্ণের গালা। কি রক্তবরণ

- ১। একটা ভাতা পাত্রে স্বচ্ছ পাতগালা ৪ আউল আয় গুডাপে আবীভূত করিয়া, উহার সহিত ১২ আউল ভিনিন টোর্লিন তৈল এবং ক্রিংকাল পরে ৩ আউল চিনের সিল্র উত্যক্ষে মিডিড ক্রিডে হইবে। পরে শীতল হইলে বর্তিকাকার করিয়া লইকে প্রাক্ত হইবে।
- २ धूमा পाউख, गाउनामा २ भाउँख खिमिन् होिलिन देखन जवर त्यरो निम्दा व्यरजारक > ३ भाउँख व्यथ्मण्डः धूमा ख भाउनामा अभू खोल्न निम्दा व्यरजारक ठ १ भाउँख व्यथ्मण्डः धूमा ख भाउनामा अभू खोल्न निम्दा विविध विविध करिया विविध करिया करिया करिया करिया करिया करिया
- থ। ডিনিস টার্পিন্ ২ ছাউন্স, উৎকৃষ্ট পাতগালা । আউন্স শ্লোকনি এক স্মৃতিন্স চিনের সিন্তর ১২ ছাউন্ত এবং নাগনিসিয়া (টার্শিন তেলে সিক্ত) ১২ ড্যাস একরে মিলিড ইরিয়া গইর্ছে

## বিবিধ দ্রব্য প্রস্তুতকরণ প্রক্রিয়া।

# খি। পীতবর্ণ।

ভিনিস টার্পিন তৈল ২ আউন্স্, পাতগালা ৪ আউন্স্, কলেফনি ১৯ আউল, কিংস্ ইয়োলো ৬ ড্যাম্ এবং মার্পনিসিয়া (টার্পিন তৈলে সিক্তা) ১৯ ড্যাম্ একর নিজ্যিত করিয়া প্রক্ষত কর যায

# [গ] স্বৰ্গ বৰ্গ ।

ভিনিস টার্পিন তৈল ■ আউন, উৎকৃষ্ট পাত্রনালা ৮ আউন্ স্থাপাত ১৪ থণ্ড, ব্রোজচ্থ আর্দ্ধ আউন্ন, মাগনিমিম টোর্পিন তৈলে সিক্তা ১২ ড্যাম এই কয়েকটা উত্যান্থ মিপ্রিত ক্রিমা কাহতে হইবে

# [য] সর্জব ।

जिनिम ऐशिन देउन २ जाजिम, भाजभागा ॥ जाजिम, करमान् मिन १६ जाजिम किश्म हेरबादम जर्ब ज जिम, क्षिमिम ब्रू ३ प्राम कार्यनि जन मागिनिमिम (गिनिन टेड्ल मिक्ट) १६ जुराम कर करमकी करू विश्विण किमा महेर्फ श्हेरव कर दिए क्श्म हेर्यामा कर क्षिमिम ब्रू अविवर्ख करना विकित्स हर्षिण करिया थारक।

# **डि. প**िल व ।

ভিনিস টাশিন তৈল 
আউস, গান্তমালা 
বং আউল,
ইংলিস অন্তর অর্জ আউল, চীনের সিন্তর জি আউল এবং
কাবনেট অব ম্যাগ্নিসিয়া (টাতিনি তৈলে সিক্ত) ১২ জ্যাম একরে
এই কয়েকট দ্বানিবিও ক্রিডে হস্তে

# [ ह] नीलवर्ग।

পতিগাল ২ ভাগ, ডামার ধুনা ২ ভাগ, বর্গ গ্রী গীচ একভাগ ডিনিস টার্পিন ১ ভাগ এবং অসদ্রীস্যারিন্ রং ও ডিভাগ এই ক্ষেক্টী একত্র উত্তমরূপ মিশ্রিভ ক্রিয়া সইতে হইবে।

# ছি] কৃষ্ণবর্ণ।

ডিনিস টার্গিন তৈল ৪২ আউল, কলোফনি জ**র্জ আ**উল্। পাতগালা ৯ আউল এবং ভূষ ৬—৭ আউন্স্ একত্রে উত্তম্রূপে মিডিতে করিতে হইবে

### বোতলের ছিপি মোহরের গালা।

কৃষ্ণবর্ণ ধুনা ১৮ জাউন্দ্, পাতগালা ১ আউন্দ্ এবং মোম ২ জাউন্দ্ অগ্যতাপে গলাইয়া মিশ্রিত করিতে হইবে, ইহাকে ক্ষেত্রতে কিম্বা ভিনিসিয়ান রেড ছারা রক্তবর্ণ এবং ভূষা কিম্বা ক্ষালা চূর্ণ ছারা কৃষ্ণবর্গ রঞ্জি করা যায়

#### ওয়াটার প্রফ দ্রব।

১। খত খত ইতিষারবর এক আউন্স্, মসিনার তৈলে

অগ্ন তালে বিশলিত করিতে হইবে। পরে শীতল হইবে ব্যরহার

করা যায় ইহা চর্মের বারা এবং পোর্টম্যান্টো, খোড়ার সাজ,
জুতা, প্রজুতি দ্রোপেরি মাধাইলে উহাতে জল প্রবেশ করিতে পারে

না এবং শীল্ল নন্তর্ম হর না।

২। গটাপার্চা ৩ ভাগ, গ্নার স্পিরিটে ভাগ স্থানে নির্বীভূত করিতে হইবে ইহা ক্যান্থিসের উপর মাধাইবার জ্ঞা ব্যবহার

# বিবিধ দ্রব্য প্রস্তুতক্বণ প্রক্রিয়া।

# যোগ পরিষার করণ।

একটি পবিষার পাত্রে পীতবর্ণ সোম, চারি পাঁচ খাণ জনের সহিতে অগ্নাতাপে শলাইয়া উহাতে অল পরিমাণে শলক দোৰক বিশ্রিত করিলে, শেতবর্ণ স্বস্থ মোম জলে ভাসমান থাকে। এই প্রকার মোম হইতে উত্তম বাভি প্রস্তুত হয়।

# ম্মেলিৎ বটল

ইহা প্রস্তুত করিতে হইলে কার্বনেট্ অব্ এগামোনিয়া এক পাউঞ, লাভেগ্রাব তৈল ২ আউন্দ্, এসেন্দ্ অব্ বার্গেমট্ ১ আউন্স্, এবং লবজেব তৈল ২ ভ্যাস এই ক্ষেক্টী জ্বা এক্স মিশ্রিত করিয়া, একটি বোজলে রাধিয়া দিতে হইবে। ইহা শিরঃ-পীড়া ও অটেডভাবস্থায় আপ্রাণ করিলে চৈড্যু লাভ হয়।

# মেটে সিন্দুর।

একটি লোহার হাজায় কিছু মুদ্রাশথা স্থীয় আগাভাগে **পথ** ক্রিলে থেটে সিশ্রে প্রভাত হয়

# কাঁসা ৷

আমেরিকান তাম ৭ ড'গ, ও পতা খুরে রাং ২ ভাগ কিঞ্ছিৎ লবণ সংযোগে গলাইলে কাঁসা প্রস্তুত হয়। সাংএর ভাগ কিছু বেশী হইলে ক্ষতি নাই

# হাজেংপাদক বাস্প

্ত্রকটি বোতলে সজ জল মিশ্রিত নাইট্রীক এগাসিতে দত্তা খণ্ড অম পরিমানে সাখিয়া দিলে উহা তাব হইয়া রাইটেস অগ্রাইত বা নাফিং গাঁপি উৎপন্ন হয়, ইহা আদ্রাণ করিলে সত্তা হয় । হাগ্র করিতে থাকে।

# ক্ষিকের দাগ তুলিবার উপায়।

কিছু অষ্থিতাইড অফ্ পটাগ তালিয়া ক্সিকেব : দাগের উপায় রগড়াইলে দার উঠিয়া যাগ

### আবির প্রস্তুতকরণ।

এর্যাবট, শোঠি বা তিথুর এক মণ, বকম কাণ্ড ৭ গের এবং লোগ কাণ্ড ৩ সের। প্রথমতঃ বকম ও লোগ কাণ্ঠ গও গও বরি । উপানুক্ত অলে সিদ্ধ করণান্তব এবানিটের সহিত হক্ত বারা উত্তম -রূপে মদিণান্তর উত্তম লোহিত বর্গ হইলে শুক্ত করিয়া বাবহার ক্ষরিবে। কেই কেই বকম ও লোগ কাণ্ডের পরিবর্জে লাল মেজেটাঃ মং বাবচার করেন।

## মশিনার তৈল পরিস্কাব করণ।

িপ্লীরিফাযেড্ গল্। 👵

নিম্লিখিত প্রকারে গরুর পিত শিলকর্দিগৈর কার্যা ব্রেছাত বিশ্বিষ্ঠাত এক পাইণ্ট গরুর পিতা অগ্নতাপে উত্যরপ কোটিভিত ইইবে, এবং এক পাউও ফটকিরি সুন্দা চুর্ণ উহাতে মিত্রিত করিয় উষ্ণ বস্থায় দ্রব করিতে হইবে। পারে দীতল হইলে বোতলে পুরিয়া মুখ উন্মুক্তাবস্থায় রাখিতে হইবে এবং স্থার একটি বোডলে উপরোক্ত উপায়ে এক পাইন্ট গান্ধর পিতা, ফট-কিরির পবিবর্তে এক আউন্স্ লবণ মিপ্রিত করিয়া অঃ মুখাপে ফোটাইতে হইবে জিন মাস কাল পরে, ঐ বোতল্বয় হইতে উপবস্থ স্বস্থ পাতলা অংশ ঢালিয়া মিপ্রিত করিলে, এক প্রাক্তার স্বাস্থিন পদার্থ অধংপতিত হইবে এবং স্বচ্ছ পরিকার অংশ ফিন্টার করিয়া লইলে প্রস্তুত হয় এই স্বচ্ছ তরল পদার্থে রঙ্ মিপ্রিত করিয়া, হস্তিদন্তের এবং অয়েন্ড, পেশারের অমি করণ স্থা শিক্ষান্ধরের বহুন পরিয়াণে ব্যবহার করিয়া থাকেন

# ইস্পাতের উপর লিখিবার জন্ম এন,ত্রেভিং নিজ্ঞা।

সলফেট অব কপার ১ জাউন্স্, এবং নিসাদল কর্ম য উন্স্
প্থক্ পৃথক্ চূর্ণ করিয়া অত্যন্ত্র পরিসাণে চীনের সিলুর মিপ্রিত
কণিয়া রক্তবর্ণ হইলে, ১২ আউন্স ভিনিগার মিত্রিত করিকে

ইইবে প্রণ সতঃ ইম্পাতকে সাবান দ্বাবা ধ্যেত করত পরিসার
শক্ত কলম দিয় লিখিয়া উপরোক্ত মিত্রণে নিম্ভিন্নত করিছে

ইইবে

# ফিন্টারিং ুণ

সাজিমাটি উত্তমবংশ ধেতি করিয়া শুক্ক করত চুর্ব করিয়া, অহির কয়লা চুর্বের সন্থিত সিল্লিত করিতে ইইয়ে

ু কাঠকে অগ্নিতে অদগ্ধ করণে প্রায়।

• रहाती जिल्ला निम्न निमिष्ठ करमक्षि छव वादशात काता यात्र • सम्बन्धित्ति वय कालाभिमर्भ किया (बिन्धम प्रव भागवा क्षेत्रक জালা প্রথমতেঃ কাষ্ঠত জি একটা আবৃত পত্র মধ্যে রাজিয়া বাম নিজাপন যাস্ত্রের সাহায্যে বাম এহিজ্ত করিয়া, উপরোক্ত মবের ফাল দিবা উত্যবপে সিক্ত কবিতে হইবে

কেশ কোঁকড়ান অবস্থায় রাখা।

দেড় ড্যাম্ গম্ ট্রাগাকান্থ, ৭ আউন্স জলে ভিজাইয়া রাখিয়া এক দিবসকাল পরে বস্ত্র দার ছ'াকিয়া, ২০ কোঁটা অটো ডি গোজ এবং ০ আউন্স্ প্রফা স্পিরিট মিশ্রিড করিয়া লইতে হইবে। কোঁকড় ন কেশে ইহা অঙ্গুলি, দ্ব র মাথাইলে বেশগুলি বছদিন পর্যায় সেই অবভাষ থাকে

প্তান্ত কেপকে কুষ্ণবৃণ করণ।

- (ক) লিথ'র্জ হুইভাগ, গে ড়াচ্ । এক ভাগ এবং খটীকা হুই ভাগ অত হুদা চুণ বরিয় পরস্পর মিশ্রিত করণান্তর বুরুষ পরে ব্যবহাব করিবার সমণ উফ জল মিশ্রিত করণান্তর বুরুষ ঘারা কেশগুলিতে উত্তর্মন গ্যাখাইয়া হুই ঘটাকাল পরে কেশ গুলি সাবান ও জল দিয়া ধৌত করিয়া ফেলিতে হইবে । যদি কেশে তৈল এবং অপবিদ্ধার পদার্থ বর্ত্তর ন থাকে, ভাহা হইলে ভাগসতঃ উহা সাবান ■ জল দারা উত্তর্মনপে ধৌত করিয় শক্ষ
- থে) প্রথমতঃ কেশগুলিকে সাব ন জল বাব পূর্ব্বোক্ত প্রাক্তিয়ার ভায় থেতি এবং শুক্ষ করণান্তর নিয়লিখিত জবাের মিশ্রাণ বুক্ষ বারা কেশগুলিতে মাথাইলে ক্রন্দর ক্রুফ্যণিকে হইবে রৌপ্য চুর্ব হই উনুম, ইস্পাত চুর্ব চার জাাম, নাইটা ক এটা জি এক অভন্স, এবং চােয়া। জল দেড় অভন্স ভালি মিশ্রিড ক্রিয়া অব করত পরিষার অংশ সাব্ধানের সহিত জানিয়া প্রহিদে

- (গ) নাইট্রেট অব সিলভার ১১ ড্যাম্, নাইট্রীক এা সিড্ এক ড্যুম্, চোষান জল এক, পাইন্ট, স্যাপ্রিন্ ও ড্যুম্ এ ৭ আরবি গাঁদ এক ড্যাম্ এই কয়েকটি জব্য মিপ্রিড করিলে প্রস্তুত হইবে
- (ম) লবণ এক ড্যাম, হিরাকস ২ ড্যাম, অর্জনের পরিম'প লোহিত মদিনার সহিত কিষৎকাল অ্যুত্তাপে সিদ্ধ করিতে হইবে, এবং এক ড্যাম ভ কিগ্রিম সংযোগ করণান্তর তুই কিন মিনিট কাল পরে অমি হইতে নামাইয়া গ্রই ড্যাম মাজ্যল চ্ব মিপ্রিত করিয়া এক দিবসকাল রাখিয়া দিয়া ছাকিয়া কইতে হইবে ইহা ঘাব কেশগুলি উত্তমন্প সিক্ত কর্মত ২—ত মিনিট কাল পরে উষ্ণ বস্তা হাবা পরিশুক্ষ করিয়া অবশেষে অল বারা ধ্যেত করিয়া ফেলিতে হইবে

# ৰুডেজ ডিপিলেটারি।

দানাদার হাইডেন-সলুফেট অব সোডাত ভাগ, উষ্ণ চুৰ এবং
খেতদার প্রত্যেকে ১০ ভাগ, অত্যন্ত জল নিভিত করিয়া কাইএর
ভাগ প্রত্ত করত, চর্মে সংলগ করিতে হইবে এবং ২—০ রিনিট
কাল পরেই কান্ডনির্মিত স্প্যাচুলা দারা উহা চর্ম হইতে উত্যাহ্রপে
চ চিয' ফেলিডে হইবে অধিক পরিমাণে কেশ হইলে, ভাহা
উঠাইবার জন্ত ইহা বাবহাত হয় ইহাতে চর্মের কোন কাডি হয়
না অথচ উত্তয় ফল দর্শে

# রেড উড্স্ ডিপিলিটারি

পর্কাফেট অব বেরিয়নের ভেজাল দ্রবে কাবগ্রক মত শেডসাম চর্ণ থোগ করিয় কাইএর ছায় করত মর্গ্রে সংলয় করিছে ক্ট্রুব हेर मनः २'खण व त्रिव वहेर । इय । इया । वकी हेरको हिन्दि । रमो वि गर्या भना धरेता थारक

# এগানেরিকান স্থাম্পু লিকার।

कार (निष्ठ वन वा) (मानिय व्यक्त व्य उन्म् वन कार (निष्ठ व्यव भी ग वक व्या उन्म्, वक शारे हे जान छन कि तिया, निश्हान का। एड-ब्रा हे छम व्यक्त व्या उन्म, त्वक्षीका वेछ ज्ञिति वक शाहे हे व्यव ब्रम मित्र ० काय उम, वक्ष गिश्चिक कि तिया शिक्षक कि विष्ठ हरेत्व। हेश वा नश्ति विक्र श्रीक्षण कि विश्व हरेगा याप्र धनः कि पन हरे उ वा कि श्रीक क्षेत्र के वा अंडाह वक्ता ब्रम कि निक्क कि विर्व विर्व विर्व क्षेत्र व्यव पर्म भी उन ब्रम वान अक निक कि विरक्ष विर्वय क्षेत्र प्रमा पर्म

#### मस्ड गञ्जन

সাধারণতঃ বাথ ব্রিক লবা, করল এবং ধটীকা প্রভৃতি জাবোর চূর্ণ দন্তমঞ্জনকপে ব্যবস্ত ইইয়া থাকে টুথ পাউ-ভার প্রস্তুত করিবাব হুই পকাব প্রক্বণ নিয়ে লিখিত হুইল

- (क) थडी काह्य ५२ आछिन्म, काहेन किम्स्यान् हूर्व ४ अ'छन्म, अ''दिन भून हूर्व ४ अ'छन्म, जालन्म द्वाड उपर प्रान्धिन भूत हुर्व ४ अपनाणि हुर्व ५३ आछन्म, नवज १४९ अम्मिन रेडन कर्क जाम अक्य छेखम्कन विभिन्न किदिए हिस्स
- (খ) এক আউন্নী কপুর কয়েক বিন্দু লিগরিট মিন্সিত করিয়া স্থান চূর্ণ কবিতে হাইবে পরে ৭ আউন্ন অধংপাতিভূগিটীকা উত্তর্গনিশ্যক রিয়া, অবশেষে চালনী দ্বারা ছাকিলা শহিংভ ইত্তি ক্রিয়া অক্তানত জেলি ছইলে ইত ব্যৱহার করা যায় :

# বিবিধ দ্যা প্রস্তুতকরণ প্রক্রিয়া অস্থি ও হস্তিদক্তের কয়লা

श्री मण्डः थेश थेश खि वा दिश्वमग्छ के खान निर्ध (माणें। है न्ना, खेदानिरां ने मर्था (य त्रिष वा रिजाल १ नार्थ खार छा हो। विद्वाल कि विद्वाल क

কাঠের কয়লাও উপরোক্ত প্রক্রিয়া অনুসারে প্রাত্ত কর বায়, কিন্ত কেবল উৎার ভার জলের সহিত কোটাইতে হয় দা। ইহাও শর্করা প্রভৃতি পরিক্ষার করিবার জন্ম ব্যবহৃত ধ্রীয়া থাকে

# অস্তাদি জীক্ষ করিবার পেট

আরাইড অব টিন চূর্ণ এক আউল, আক্ডালিক এয়াইজ হ ত্যাম এবং আুণিবি গঁদের ক্লা চূর্ণ হ করেন; আই ক্ষেক্ষী অত্যন্ত জলে গুলিয়া কাইএব আয়া হাইলে, ইহা একলও চর্পের উপর পাতশা কবিয়া লেপিত করণান্তর পরিক্রম করিয়া সাইজে ইইবে ইহাতে ছুরি জাটি প্রভুতি অন্ত তীক্ষা কর বায়।

# গ্যামভেনাইজড্ লোহ প্রস্তুতকরণ।

প্রথমতঃ লোহ পাত সকল জিল নিপ্রা হাইড্রোফোরিক প্রাাসিতে নিমজ্জিত করিয়া উত্তমকপ পরিস্কৃত করত, উহা অত্যন্ন 'নিমাধন-মিপ্রিত বিগলিত করাক, নিমজ্জিত করিতে হইবে। পরে দ্যার অবরণ পড়িলে, অমনি উঠাইয়া লইতে ইইবে

# চিত্রকরদিগেব ত্রিম।

শত নট্ অরেল ৬ অ উল এবং ম্যান্তিক চ আউল একএ

আগু গোলে গলাইয়া । আউল প্রণার অব্লেড রূর্ণ নিপ্রিত

করিতে হইবে পরে,উহাতে সন্ধ জল সংযোগ করিয়া হার্যারবং

পালার্থ হইলে ব্যবহৃত হইরা থাকে ইহা চিত্রকরদিগের একটি

আবশ্রকীয় পদার্থ; যে হেতু এক শ্বানে চিত্র কবিতে করিতে, অন্ত

শানে চিত্র করিবার আবশ্রক হইলে পুর্বেশকে স্থানে ইহা মাখাইরা

নাখিলে, উহা অনারাসে সম্পন্ন বরিতে পাবে, কারণ চিত্রিত অংশ

ইহা শারা নষ্ট হন না, পূর্কবিৎ নৃতনের স্তায় থাকে। পুনরায়

চিত্রিত করিবার সমন্ন জল ও ম্পঞ্জ শ্বানা গোত করিতে

হইবে।

#### চিত্রকরদিশের স্পিরিট।

প্রাকোষা ফার্টস ৮ ভাগ এবং ক্লোকাইভ অব সোভিয়ন অর্থ ।
সবগ ১ ভাগ নিশ্রিত কবিরা উহাতে রাংচ্ র্ব ১ গ্রেণ স্তবীভূত করিতে
হইবে নিহা একটা বোভলে প্রিয়া কাক বন্ধ করিয়া রাখিতে
হইবে, কারণ বাহ্ব ও আন্তা ভারা ইহা দীভ নত্ত হইয়া যায়।
ইতাকে চিত্রকরদিগের "ক্ষন স্পিরিট অব টান্" অর্থী ট্রাক

# ভিনিস টারপেন্টাইন।

স্বাধ্বর্ণ ধুন ৪৮ পাউগু জঃ ক্রানে বিগণিত করিয়া ২ গ্রামান টাপিন তৈল উহার সহিত মিশ্রিড করিলে, বাজারের ভিনিস টার্লিন জৈল প্রস্তুত হইয়া থাকে

# পুটিং

ফোটান মণিনার তৈলে খটীকা চূর্ণ উভ্যবপ সর্দিত করিয়া,
কাইএর জাব হিইলে ইহা প্রজত হইয়া ৭ কে ইহা গৃহের
গবাক্ষের সাসিতে কাচ বসাইবার নিমিত্ত এবং কণাট গবাক্ষ
প্রভৃতি কাচ নির্মিত জব্যের ফাট ছিদ্রাদি বদ্ধ করিবার
ব্যবহাত হইয়া থাকে

#### সিরিধ।

প্যাদির থুক, শৃস্তু এবং চর্মাদির অংশ মাহা চর্মকারদিকের আনাবশুক তাহা এবত করিয়া প্রথমতঃ প্রধানশ দিবসকাল চুনের জনে ভিজ ইরা রাখিতে হইবে পরে শুজু ব বত উচাকে চুনের জনে থোত করিয়া, এক দিবসকাল বাষুতে রাখিয়া শুজু করিছে হইবে, ভংপরে একটা লোহপাত্রে করিয়া হুই জাগ জলের সহিজ্ব অল অল উতাপে ফোটাইতে হইবে, যে প্র্যান্ত স্থাটাবং না হয়। তদনত্ত্বর ঐ আটাবং পদার্থ পরিকৃত ব কিবার জন্ত জন্তাক পরিমাণে ফট করিছা বিহার সহিত মিপ্রিত করিয়া, একটা হিলেম্য পালে রাখিতে হইবে; তাহা হইলে উহার পরিকৃত অংশ ছিলে দিয়া দির্যান্ত হইয়া খায় এবং কুপরিকৃত অংশ উহাতের রহিয়া যায় প্রকাশের ইয়া খায় এবং কুপরিকৃত অংশ উহাতের রহিয়া যায় প্রকাশের করিয়া করিয়া করিয়া লাইকে করিয়া করিয়া করিয়া করিয়া করিয়া করিয়া করিয়া লাইকে প্রকাশ্ব ক্ষেত্র করিয়া লাইকে ব্যান্ত হিলেক্ট করিয়া লাইকে ব্যান্ত প্রকাশ্ব করিয়া লাইকে করিয়া লাইকে প্রকাশ্ব করিয়া লাইকে করিয়া লাই

#### তরল সিরিধ

#### ম্যারিন সিরিষ।

ধও ধও ইতিয়া রবর ১ ভাগ, ১২ ভাগ মিনানাল ভাপথার
সহিত একটা আর্ভ পাত্র হথো অগ্যুতাপে বিগলিত করিছে
ছইবে পরে উহাতে প তগাল চূর্ণ ২০ ভাগ ক্রেম ক্রমে সংযোগ
কবিয়া, মিগ্রিত করিবে, ভদনন্তব উহাকে তগল অবস্থায় ধাত্
কিন্ধা স্মায় পাত্রে ঢালিয়া পাত প্রান্তত করা যায় ইহা জাহাজ
নির্দ্ধাণে আবশ্রক হয়; তক্ষেন্ত উপরোক্ত নামে অভিহিত হইয়া
ধারে ।

## बिग्तीन्।

জনগাই, বাদাম প্রভৃতি কোন একটা স্থানী তেগকে প্রল ্প্রিত্ত করিবা, প্রোটো অক্সইড্ অব্লেডের সহিত অন্যজনে কোটাইলে গ্রিন্থান স্থলের সহিত মিশ্রিত হয় এবং লেড্ প্রান্তার উৎপন্ন হইনা জলে তিসনান পাকে। এই জলমিশ্র গ্রিন্থানে সালফিউরেটেড হাইডোভোন ন্যানের জ্রোত লাগাইলো বিভ্রম থিয়ারীর প্রান্ত্রা বান্ত হিল গন্ধনীন, বর্ণনি, স্বন্ধ্র, তৈলবং

#### নস্থা

উৎকৃষ্ট তামাক পত্র চূর্ণ করত গোলাবজ্বলে ভিড'ইয়া রোজে ভাপে শুন্ধ কবিতে হইবে এইরপ তিন চাবিবর সিক কবং শুন্ধ করিয়া, স্থা চালনী দারা ছাকিয়া লইলে গুন্থত হট্য থাকে। গোলাবজ্ঞান প্রিকর্তে লাভেগুর ও অগ্রান্ত পূপাস্বর হ ন্ত প্রস্তুত ভালাবজ্ঞ হইবা থাকে।

# ডাক্তারখানার দৃষ্ঠ রঙেব জল।

ইহা প্রস্তুত করিতে পরিক্রত জল আবগ্রক হইয়া থাকে। বোতলেব আবশ্রক অনুযাধী জল মিগ্রিত কবিয়া, পরে ফিণ্ট র বা শোষক কাগতে ছাকিয়া লইতে হইবে

#### রক্ত বর্ণ।

कार्मिन आस्मिनिया प्रत्य स्वीकृष्ठ कविय शिकांत्र स्वन्त न्द्रांश किंद्रा, किंद्रा अप्रीत्मिनियात कींण स्वत्य किंदिन हुव किंद्र्य किंद्र्य श्रिकांच स्वन्त न्द्र्यां किंद्र्य क्रिकांच स्वन्त निर्देश न्द्रेट्ट क्रिक्य कार्य कार्य क्रिक्य स्वाद्र्यां स्वत्य मानांत्र क्रिक्य स्वीकृष्ठ किंद्र्या, स्वीद्र्यांशा श्रीद्रक्य स्वन्त विश्वित क्रिक्य स्वाद्र व क्रिक्य स्वाद्र्य क्रिक्य स्वाद्र्य क्रिक्य स्वाद्र्य स्वाद्र्य क्रिक्य स्वाद्र्य स्वाद्र्य स्वाद्र्य स्वाद्र्य स्वाद्र्य स्वाद्र व क्रिक्य स्वाद्र स्वाद्र स्वाद्र व क्रिक्य स्वाद्र स्वाद्र व क्रिक्य स्वाद्र स्

#### ◆**ভি**চমসন

- >। व्यादेखिएन् धवर व्यादेखिए। व्यव व्यादेखिए। विश्वम द्यादिशास २ छाम काण्य सत्म शिवा । व्याक्रिया सवव प्रीवक धवा व शालम विश्वम द्या ग्रार्थात कविर्छ द्वर्थ।
- " খুল চূর্ব বারা রক্তবর্গ রঞ্জিক ক্ষিত্র ক্ষিত্র ক্ষিত্র ক্ষান্ত ক্যান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্য

#### এাদার বর্ণ।

খুনখারাপি চূর্ণ এক ভাগ, ■ ভাগ গন্ধকজাবকে ভিজাইয়া,
দরে যথাযোগ্য পরিক্রড জল মিনিত করিয়া লইতে হইবে

# জলপাইযের বর্ণ

হিবাকস এবং গদ্ধক জাবক সমভাগে পরিজ্ঞত ভালে জ্বী-ভূত করিয় উহাতে নাইট্রেট্ অব্ কথার অল্প পরিয়াণে সংযোগ কাহিতে হইবে; যে পর্য উত্তম রঙ্না হয়

# ক্যলালেবুর বর্ণ।

বাইক্রোমেট্ অব্ পটাস্ বিশুদ্ধ জলে বিগলিত করিয়,
অত্যন্ধ লবণ কিয়া গন্ধক-দ্রাবক মিন্ত্রিত কবত পরিজ্ঞত জল
সংযোগ করিতে হইবে। অথবা গ্যাম্বোজ কিয়া এ্যানোটা,
পটাস্ দ্বে দ্রবীভূত কবিয়া, অত্যন্ধ স্পিরিট্ এবং আবশ্যক্ষত
পরিজ্ঞত জল সংযোগ কবিলে স্থার কমলালেবুব বর্ণের জল
গ্রন্থত হয়

#### পিঙ্ক বর্গ

কেরিয়া, আবশ্রকমত কাবনেট অব কোকণ অতার অব্য দ্রবীভূত করিয়া, আবশ্রকমত কাবনেট অব এ্যামোনিয়া মিশ্রিত কবিয়া কিল স্যাভার এক আউল শীতল জ্লে গোত করিয়া, কাবনেট অব এা মোনিয়া ■ আউল এবং জল ৩ পাইণ্ট, ২৪ খণ্টাকাল ভিজাইয়া শংপরে পরিশ্রত জল মিশ্রিত করিতে হইবে

শব্পল্ বর্ণ।
ত্রুতে ১ আউদাত পোরা জলে বিগলিত করিয়া, ৯ই নিউিদ্দ করিবিদি অব এয়ামো নিয়া নিভিত করিয়া লগ্ উড়ের

ক্ষাপে কার্নেট অব্ এ্যামোনিয়া অথবা সংগর্ অব্ শেড্ত আউন্দ্, কচিনিলচুর্ ১ ড্রাম এই ডিনটির মধ্যে যে কোনটিতে ছউক উপযুক্ত মত পরিশ্রুত জল সংখোগ করিলে স্থার পর্ণলবর্ণ জল প্রস্তুত হয়।

### ভাষলেট বর্ণ।

নাইট্রেট অব্ কোকণ্ট জবে, কাব্নেট অব্ এগাগোনিয়া দ্বৰ এবং এগাগোনিবে সল্ফেট অব্ কপাব্ এই কয়েকটি দ্বা সম্ভাগে একএ নিপ্রিত করত পরিশ্রুত জল সংযোগ ক্রিতে হইবে।

### পীত বৰ্ণ

কোনেট্ কিমা বাইজোনেট্ অব্ পটাস এবং সোরা মিপ্রিত কবিয়া পবিশ্রুত জলে দ্রবীভূত কবিলে কিমা সেপ্ই অক্সাইড্ অব্ আঘরণ্ অর্ধ পাউও এক কোষার্ট শ্রণ দ্রাষ্ঠ্র ক্রত পরিশ্রুত জল সংযোগ করিছে হইষে

# সবুজ বণ'।

তুঁতে ২ আউন্স ও বাইজোনেট্ অব্ পটান্ ১ ছামে, এক পাইণ্ট পরিশ্রুত জলে মিশ্রিত করিয় খ্থাযোগ্য জল সংখোগ করিতে হইবে কিম্বা এাসেটিক্ এাসিডে পরিশ্রুত জাঙ্গাল জবীভূত করত ব্থাযোগ্য জল -সংযোগ করিতে হইবে অথবা ভূঁতে পরিজার জলে জবীভূঁত করিয়া, উহাতে নাইটি ক্ এয়াসিড মিশ্রিত করিতে হইবে, যে প্রান্ত উত্তম স্বুজবর্ণ না হয়, পরে যথায়া জল সংযোগ করিতে হইবে। ■

भी निविष् ।

पूर्वे र जाउँ त्म् ७ प्राप्त जव जिल्ले व जिल्ले जाउँ त्म् ।

अक शहिष शविकात जला सवीज्य किन्ना मीन शक्त क

জাববে গৰাইবে, পত্নে যথাযোগ্য গরিঞ্জত জল সংযোগ করিছে হইবে

নানাবিধ পদার্থ ক্ইডে তৈলাক্ত চিহ্ন উঠাইবার প্রণালী।

মার্কাশ বা কোন প্রস্তারের উপর চর্কি কিন্তু তৈলাক্ত চিহ্ন

ইইলে উহা সাজীমাটী ও উফ জল অথবা স ব ন সার। উত্তর্মণে

দৌত করিলে উঠিয়া যায় উহা বছ দিবলের হইলে সাজীমাটী,

গৌড়ো চূপ প্য রল এয়াস এবং স ব ন প্রান্তোকটি জাতার পরিমাণে

এব ন মিশিত করিয়া মত্তবং হইলে জল সংযে লে দৌত ক'বলে

উঠিয়া যায় রেশম ব পশম নির্মিত জব্যোপরি তৈলাক্ত চিহ্ন

হইলে, স্থাপথা, টার্লিন তৈলা, গোরুর পিত বা ডিম্বের রুম্বরের

সহিত সাবান হিন্তিত ব বিয়া জল সংযোগে ধৌত ক বিলে উঠিয়া

# মাইক্রিশ্বিক্ সল্ট।

ফদেট অন সে ৬ ভাগ, ২ ভাগ জনের সহিত অনুস্তাপে বিগণিত কংগ ভার, ১ ভাগ নিদাদল চূর্ণ মিশ্রিত কবিতে হইবে কিয়ুৎকাল পরে উপরস্থ অকচোংশ পবিত্য গ ব নিয়া, স্থিতাবে রাখিয়া দিলে ষাহা দানা ব কিয়া থাবে তাহ রে পাইপ্রসের অক্তাধ্য ধাত্র ও রুগ বিগলিত করিতে ব্যবহৃত হইয়া থাকে

## বৈছাতিক আমাক্ষ্যাম

প্রথমতঃ একটি কেছিপাত্তে দস্তা এবং রাড প্রত্যেক এক আউল অর্থাতাপে প্রতীভ্ত করিয়া, উহাতে উফ পারদ ও আউল বোন করিয়া, বে সর্ধান্ত না উহারা প্রস্পার হিল্লিড নিয় কেই প্রাণ কাকা দারা ক্রমাগত নাড়িতে হইবে পরে করি ইইডে স্বান্তি ক্রিড নিয়া ক্রমাগত নাড়িতে হইবে পরে করি ইইডে স্বান্তি ক্রিড নিয়া ক্রমাগত নাড়িতে হইবে পরে করি ইইডে স্বান্তি করিছে 
মাথিতে হইবে ইহ বৈগ্যতিক যজের রক' ও অক্যান্য জালা দির অং বরণের জন্য ব্যবহৃত হয়। অগ্রে চর্কি মাধাইয়া পরে ইহার চুর্ণ ধার আবৃত কবিতে হইবে।

# ধাতুকে শীঘ্র দ্রাবকরণোপায়

দোরা ১ ভাগ, ক্রিম অব্ টার্টাব ২ ভাগ, একতা মিশ্রিত বারিজে ছটবে। ধারুকে যথন ভাগিতে দগ্ধ কবিতে ছটবে, সেই সময় উহা অতার পরিমাণে হুই একব'র সংযোগ করিলে, ধাসু শীল বিগ লিড ছইযা থাকে

## সহজ উপায়ে গ্যাসের অ'লোক।

একটি লোহ কিয়া মৃন্যর পাত্র মধ্যে ষ্থেষ্ট ॰ রিরাণে পাপুরিরার ক্ষণা প্রিয়, চহুর্দিকে উত্তমরূপে আবদ্ধ করিতে হুইবে এবং নল সংযে'ল করিয়া অন্ত একটি পাত্রের সহিত যোগ করিতে হুইবে, পরে উহা অগ্নুজাপে চোনাইতে হুইবে; গ্যাস উৎপন্ন হুইলে ঐ সংযুক্ত নল স্থারা অন্ত পাত্রটির মধ্যে সংগৃহীত হুইয়া থাকে। পরে ঐ পাত্র হুইতে পরিচালিক করিয়া প্রজ্জ্বলিত করা যায়। ইহা অতি ক্ষর উপ্লুক্ত আলোক প্রদান করে পাপুরিয়া ক্ষলা হুইতে গ্যাস প্রস্তুত হুইবার সময় ক্তকগুলি আবশ্রকীয় পদার্থ উৎস্থা থাকে, থথা, কোলটার, এয়ামোনিয়া প্রভৃত্তি এবং কোলটার হুইতে বেন্জোল মাজেণ্ট ইত্যাদি

# বিবর্গ হস্তিদন্তকে শুভা কর্ণ

প্রথিত: হস্তিদেন্তকে অতি ক্ষা ঝামা প্রস্তির চূর্ব আরা অলেন সহিত উত্তমকলে থেতি করণান্তর লাইকর কোর ই কিয়া ক্লোরাইড ক্ষান্ত্র ক্রান্তর ক্রিলে শুলনর ক্রিক

### रिखनस्य नक्षांकद्रग ।

অন্তেল অব্ ভিট্রিয়াল ইন্তিদন্তে নক্রা করিবার প্রধান দ্রবা।
প্রথমতঃ ইন্তিদন্ত দোমাচ্ছানিত করিয়া স্থাচিকা বা মে কোন দ্রবা

ছারা মোনের উপর নক্সা করিতে ইইবে; যেন গোস অভিত স্ল ইইতে সম্পূর্ণকূপে উঠিয়া যায়। পরে ঐ স্থান অন্তেল অব ভিটি ফাল সংলগ্ন করিলে সন্তর্গন নত্না ইইয়া থাকে।

### হস্তিদন্তকে চর্শ্ববৎ কোমলকরণ।

হান্তিদত্তকে (১১৩ আপেন্সিক শুরুত্ব । ফক্ষরিক্ এ। সিডে কিছুদিন নিম্প্রিত করিঃ রাপিলে কে'মল হইবে তথ্য উহাকে থেজপ প্রকার ইচ্ছা আকৃতির গঠন প্রস্তুত করা যায়। কিন্তু বাযু সংস্পর্শনে প্রয়ায় কঠিন হইয়া থাকে।

## महिर्यत भूक टकामक्तर्य ।

প্রামান্তঃ কাষ্টের জন্ম ১ ভাগ ও টাটকা চূণ ২ ভাগ, এক পাইণ্ট জনের সভিত অগ্নান্তাপে কোটাইতে হইবে, যথন দেখিবে অর্দ্ধেক জবশিষ্ট ফাছে, অগ্নি হইতে নামাইরা বন্ধ বারা ছাঁকরা জইতে হইবে। শৃসগুলি ছয় সত দিবস কাল উহাতে নিমজ্জিত করিয়া রাশিলে কোমল হইয়া থাকে; তথন ইহাতে ছতের বাট, বোতাম প্রভৃতি নানাবিধ দ্বো প্রস্তুত ক্লুরা র্যায়।

# জার্মাণ গিল্ভার।

ইহা বিনিশিক প্রকারে প্রকাত হইবা থাকে তাম ৫০ ভাগ

নিশালিত ক্রিয়া উত্যরপে মিশ্রিত করিলে উৎকৃত জার্মাণী নিশ্রভার ৯
প্রক্তি হুইয়া থাকে 10 ইহাকে পার্লিস করিলে ক্রেল ক্রিলে ক্রিয়া

গারস্ ডরফ সাহেবের মতে, তাম ৫০ ভাগ, নিকল এবং দস্তা প্রত্যেকে ২৫ ভাগ অগু তাপে জবীভূত করিয়া মিশ্রিত করিছে ইংক্রে,। ইহা পূর্কোক্ত অপেকা শুভ্রবর্গ, উজ্জ্বল, নমনশীল এবং প্রক্রের পাণিস করা যায় সাধারণতঃ ইহাই রৌপ্যের গরিবর্গে ব্যবহৃত হইতে পারে।

গেলুজ সাহেতের মতে, তাম এবং নিকল সম্ভাবে আ াুজাপে

দ্রবীষ্ঠত করিয়া মিশ্রিত করিতে হইবে তিনি বলেন যে, দস্তা

মিশ্রিত জর্মাণ সিল্ভার অপেকা ইহা উৎকৃষ্ট একণে জার্মাণ
সিল্ভার নির্দ্ধিক নানাবিধ পদার্থের বহুল ব্যবহার হইতে আর্জ্জ
হইয়াছে; গুড়গুড়ী দোল্লাত, চাস্চা, দড়ির কেশ, চন্যার ফ্রেম
প্রান্ত দ্রব্য প্রস্তুত হইয়া গাচে পুর্বেষ্ঠ সকল দ্রব্য পিউটার
ব্রোঞ্জ প্রান্ত ধাতুতে নির্দ্ধিত হইত ইহ অবিকল গৌপ্যবং
উক্ষ্রল, শুদ্রবর্গ প্রভীন্তমান হইয়া গাকে

# পট্ মেটাল্।

শীস ধাতু ১০০ ভাগ এবং সিমূলকার ৩ ভাগ, এতগুড়ং অ ্যতাগে বিগলিত করিয়া মিগ্রিত কবিলে প্রস্তুত হইবে

# শীঘ্ৰ গলনশীল ধ তুা

বিশ্বথ ২ ভাগ, সীদ্ ভাগ এবং রাঙ ৩ ভাগ এশত কানুভাগে বিগলিক করিয় সিশ্রিত করিলে প্রহত হইবে ইহাতে
নির্মিত দ্রবাদি অসুস্ফ জলে দ্রবীভূত হইলা যার। তজ্জার ইফা
দ্বারা মার্ট্রাস্টাপ্রজত করিয়া অল্লবন্ধ ব'লক বালিকাদিগকে
ক্রেট্রার জন্ম উফ জলে নিশ্জিত করিতে হইবে কারণ
উহাতে নিম্ম হইবাদাত্র দ্রবীভূত হইয়া যায় ও সকলে আশ্রহ্যাধিত

#### বিদ্রি কাঁসা

বিশুশ্বিদ্রিকাসার বর্ণ বৃদ্ধিকা অ'দতা দারা শীঅ মলিন হাযদ্রাবাদের নিকট বিদরি নামক স্থান হইতে ইহা ध्येथम উদ্ধাষিত হ্য বিলিয়া উক্ত मामে খ্যাত ছইয়া থাকে ধাতু নির্মিত কতকভালি তৈজাপ এ ১৮৫১ খুষ্টাফোর ইণ্টাস্ ভাদাভাল এক্সহিবিসনে প্রোবিত হয় এবং ইহা যে স্কাপেকা। উৎকৃষ্ট কাঁমা, তাহ তদবধি নানাদেশস্থ লোক ঐক্যমত হইয়া স্বীকাৰ করিয়া থাকেন ইছা দেখিংড বৌপ্যের ভাষ উজ্জ্বল, ভারতে , তিন্ত তত্ত্ত ভাস্থাক নিয়তি খিতে একে রেই ইহা প্রাহত হট্যা থ কে দঙা ৩১ ভাগ, তাম ও সীস প্রত্যেক ২ ভাগ একত্র করিয়া সাবধানে, ঘাগু ্তাপে জবীভূত করিয়া ধুনা ও भारमञ्जाहिक हाँ एक ए लिएक रहेटन, रकान क्षकारत रयम मिन লু ভিট্রিল বা জুঁতে সোবা, লবং এবং নিসাদল সম-ভাগে জগে দ্ৰবীভূত করিয়া, তাহাতে বিদ্রি নির্মিত তৈজসপাত্র দি নিমজ্জিত করিলে, উজ্জুল ফুদ্দর কৃষ্ণবর্ণ হইয়া থাকে উহাতে নারা করিতে হইলে মোম দারা আবৃত করিয়া, যে স্থানে ক্ষিত করিতে হইবে সেই হান হইতে মোম স্টিকা বারা উঠাইয় উপ-রোজ মিতাণে নিমজিত বণিলে, মোমায়ত স্থান পুৰাৰণ ও ভাৰণ ও অপর স্থান বৃষ্ণবর্ণ হটবে

# । শুন পিউটার।

ইহা প্রস্তুত কবিতে হইলে রাজ ১০ ভাগ, বসাজন ৭ ভাগ,
কিসুমুগ্ন এবং তাত্র প্রত্তেকে ২ ভাগ, এই কএকটা দ্রব্য আ ট্রাণে "

ক্রিপ্ত প্রক্তির ক্রিয়া, মিশ্রিত ক্রিতে ক্রিয়ে ক্রিয়া

# বিবিধ দ্রব্য প্রস্তুতকরণ প্রক্রিয়া

हामानी, हाग्हां, रमाञ्चाङ এवः পাত্ৰও नामां श्रेकांत्र स्वा निर्मिष হয়

# कूरेका (गो) म

রাঙ্ ১ ভাগ, রসাম্বন, বিদ্যধ এবং সীমা প্রচ্যেকে ১ ভাগ অধ্যৱাপে বিগলিত কবিয়া মিশিত কবিতে হইৰে ইইাও পিউটার ধাতুর ভাগ পুর্বোক্ত দ্বাদি নির্মা করিবার জন্ম ৰ্যুৰহ্বত হয়

# ব্রিটানিয় মেটাল

ইহা প্রস্তুত করণ জ্ঞা পিতল, বিসম্থ এব রাও সমস্থাপে গিপ্রিত করিয়া বিগলিত করিতে হইবে। ইহা শিউটাব আপেশা 🕊 ८ क्रुष्टे हहेशा थाटक

# টাইপ মেটাল।

শীস ৩ ভাগ এবং রসাঞ্চন ১ ভাগ অয়াতাপে গলাইয়া উত্তম কপে মিশ্রিত করিয়া লইতে হয সুদ্দ সুদ্দ আকর নির্মাণ অস্ত ইহা বিশেষ উপযোগী সীস ৯ ভাগ, রসারন ২ ভাগ এ ৭ ২ বিদ্যথ ১ ভ'গ অগ্যতাপে দ্বীভূত করত সিশি ই ক বিলে ছিমো টাইপ ক্রিবাব গাসু পহাত হয়

# थि राज्य भागेल्।

তাম ৩ অভিন, পিতলু ৮ ফাউন্স এবং দহা ১ অভিন একর অগ্যতাপে বিগলিত করিলে পতাত হইয়া থাকে

বেল মেটাল্। তার্ত ভাগ তীবং রাজ্ ১ ভাগ মিশ্রিত করিয়া অখ্যতাপে দেনী হত করিলে এই ধাতু প্রস্তাত হয় ইঞাতে শির্জার বড় বড় •শট প্রান্ত হইয়া থাকে উপরোক্ত প্রেক্তিয়ার সময় অন্তান্ত

পবিমাণে দস্ত উহাতে যেগ করিলে ছোট ছোট স্থানর খাটা প্রস্তুতের নিত্রিত্ত অতি উপযোগী হয়

#### পিত্তল

দস্তা ১ ভাগ এবং তাস ৪ ভাগ খণ্ড খণ্ড করিয়া অগ্যুতাপে मुिंदि ग्रनाहिया नानाविय ছाँटि छानिटा विविध श्रीकांत पूर्णव পিতলের গঠন গুস্তুত হয়।

বে।ভাগেব জন্ম পি ১ল প্রস্তুত কবিতে হইলে দস্তা ৫ ভাগ এবং তাতা ৮ ভাগ অব্যতাপে গগাইয়া বিশ্রিত কবিতে হুইবে

নিটি করিবার জন্ম উত্তম পিতাল প্রস্তুত কবিতে হইলে, দস্তা ৩২ ভেগ, ডাম্ল ৬৪ ভাগ, সীস ৩ ভাগ এবং রাভ্১ ভাগ অগ্য ভাপে গলাইৰ জনীভূত করিতে হইবে

পিওলের তার প্রস্তুতকরণ জন্ত পিওল নিয়লিখিত প্রকারে প্রায়াত হয়, যথা, ভাম ৭২ ভাগ এবং ২৮ ভাগ দস্তা দ্বীভূত করিয়া মিশ্রিত করিতে হইবে ইহাকে এমে জ্রেমে শীতল করিলে ভস প্রবণ হয় না

#### সোহাস।

ত দ্র ৮৫ ভাগ এবং দন্ত ১৫ ভাগ অনুস্তাপে দ্রবীভূত করিয়া মিশ্রিত কবিলে উত্তম গোহাসা প্রস্তুত হয় ইহা মোলেক গোল্ড, স্যান্ছিম গোল্ড, পিঞ্চৰেক, প্ৰিক্তেম নেট্যাল লোহিডবর্ণ পিডল, সিমিলর, টম্বাক প্রভৃতি নামে অভিহিত হইয়া থাকে

্রেনাসেন্ গোল্ড।

একটি পাত্রে বিশুদ্ধ রাজ্ ১২ আউন্স অগ্নাতাপের গলাইরা
ভাষাতে পারদ ৬ আউন নিশ্রিত করিতে হইবে। পিবেশিতিক
ইইলে নিসাদক্ষ ৬ আউন্স এবং গদক চ্পু ৭ আউন্স উহার সহিত্ত

একতা কবিঃ। এগির উত্ত'প লাগাইকে, পারণ ও নিশাশল বাজ্পা-কারে উডিয়া যায় এবং কেবল উজ্জ্বল কোমল মোসেক্ গোল্ড অবশিষ্ট থকে ইহা অধিক পরিমাণে বার্নিস রঙ করিবার ক্ষান্ত ব্যবহাত হয

#### ৰোঞ্জ।

তাম ৮৮ ভাগ, র'ঙ্ ১ ভাগ এবং দস্ত ২ ভাগ একল স্থা, বিধালিত করিয়া সিদ্রিত করিলে ব্রোধ প্রস্তুত হইয়া থাকে ইহাতে নানা প্রকাব পতিস্ত্তি, পদক এবং ব্রোঞ্গিণিট প্রভৃতি প্রস্তুত হয় পুরাকালে ইহাতে ভৈজস গাল্ত, তংবারি প্রভৃতি দ্রা নির্দিত হইত, এফণে আর বাবহার নাই

# ব্ৰোঞ্জচূণ ।

# [ক] স্বণ বণ/।

ভার্দিগ্রিস ৮ আউন্স, টুটি চূর্ণ ৪ আউন্স সোহাগা এবং সোরা প্রত্যেকে ২ আউন্প এবং বাইক্লোরাইড্ অব্ মার্কারি (প্রস কপ্র) ১ আউন্দ এই ক্ষেক্টি জব্য প্রথমতঃ স্থারক্ষণে চূর্ণ ক্বত অন্তাল্প তৈল গিশ্রিত করিয়া কাইএর জ্ঞান্য করিতে হইবে, পরে জন্ম-ভাপে জবীত্ত করণাশ্রর শীতলাহইকে স্থান্চ্ ক্বিলে প্রস্তুত্ত ইয়া ধারে

# খি বিশাবণ'।

বিসমণ এবং বাঙ প্রত্যেক ১ আউফ স্বানালে বিং লিজ করিয়া, উত্থাব সহিত পারদ ১—১২ আউফ মিল্রিজ করিছে ক্টবি, পরে দীতল হইলে চূর্ণ করিয়া দইলে প্রভাত হইয়া থাকে।

## িগ ব্ৰক্তৰণ

তুঁতে ১০০ ত'গ এবং বাইকাবনৈট অব্ সোড়া ৬০ ডাগ একত্র মিপ্রিত করিয়া অধাতাপে পিশুকার করত শীহল হইলে চূর্ণ কৰিতে হইবে, তদনন্তব উহার সহিত ভাত্রচূর্ণ ১৫ ডাগ উত্তমন্দেশে মিপ্রিত করিয়া অর্জ ঘটা কাল কানিতে দল্প কবিতে হইবে পবে শীতল হইলে অত্যন্ত সুন্ধ চূর্ণ করত পবিজ্ঞার জল যাবা ধৌত করণ জন পবিশোষে জ্ঞা কবিলে প্রান্তত হইয়া থাকে ইহা চিত্রকার ও বার্নিস প্রান্ততকারকলিণের অত্যন্ত ন বহারোপ্রোগী।

#### রে জিংকরণ

সণ্ট অব্ সাবেল এক আউল, নিসাদল ৩ অউল, ২৪
আউল পরিশ্রুত সির্বায় বিগশিত করিয়া, উহ যে কোন ধারু
নির্দ্ধিত প্রতিমূর্ত্তিব উপর মাখাইলে ফুল্বর ব্রোঞ্চ রঙ্ হইয়া থাকে।
কাগজ এবং প্লাষ্টাব অব প্যারিস নির্দ্ধিত প্রব্যোপনি ব্রোঞ্জ, বঙ্
করিতে হইলে প্রথমতঃ উহার উপর হৈল বার্নিস কিংব কোর
প্রাণ্ডাৰ অঠা অথবা সাইজ মাথ ইয়া, অর্ধি পবিশুজ।কবণান্তব
ব্রোঞ্চর্গ উহার উপব ক্যামেল হেয়ার পেনসিল দ্বাবা সংঅ্থ জবিয়া
প্রনার বার্নিস ম ধাইয়া পবিশুক করিতে হইমে।

# পিতলেব কার্য্যে ব্রোঞ্জিং করণ

একভাগ তেজাল নির্কায় ১ অ উন্স নিসাদল ১২ আউল কট কিরি এবং ১২ আউন সিমুলকার বিগলিত করিতে হইবে যে সকল দ্রব্য ব্রোড়িং করিতে হইবে, প্রথমতঃ সেই সকল দ্রব্য নাইটিক এ্যাসিডে নিমজ্জিত করত কিয়া নিরিস ক্রণজ দারা নাইটিক এ্যাসিডে নিমজ্জিত করত কিয়া নিরিস ক্রণজ দারা নাইছিলে করিয় উপরোক্ত দিতাণ দারা ক্রেমাগত সিক্ত করিয়া

### ঝাল প্রস্তুতকরণ।

প্রথমতঃ হাইড্রোক্লোরিক এগাসিড অর্থাৎ লবণ জার একটা আর্ড পাত্রমধ্যে রাধিরা উহাতে ক্রমে ক্রমে দন্তা প ধোল করিতে হইবে এবং খখন এগাসিড আর উহাকে দ্রথীফু করিতে সক্ষম না হয়, তখন উহার সহিত এক পঞ্চমাংশ নিস দলচুর্থ সিপ্রিত কবিতে হইবে ও পাঁচ মিনিট কাল জাল অ জার্তাপ দিতে হইবে ইহা তুলি বিস্থা পালক দারা খ্যবহা করা যায়।

#### পিতল ঝ'ল।

পিতল ৩ ভাগ এবং দস্তা ১ ভাগ অখা তাপে এবীভূত করিয়
শীতল হইলে তথন উহাকে হুন্মা চূর্ণ করিতে হইবে ইহ পিতলাদির পাত্র ঝালিবার জন্ম ব্যবহৃত হয়। ঝালিবার স্মা
ইহার সহিত নিসাদল চূর্ণ ব্যবহার ক্য়া যায়।

#### রাৎ ধাল।

রাৎ ২ ভাগ এবং সীস ১ ভাগ মিপ্রিত কবিয়া ভায় গুতাপে দ্রবীভূত করত লইতে হইবে ইহা ভাত্র পাত্র, র ংএর খেলনা টিনের বাল্ল ইত্যাদি ঝালিবার জন্ম ব্যবহাত হয়। ইহাতে বিষয়ণ ১ ভাগ মিপ্রিত করিয়া দুবীভূত করিলে পিউটার নির্ণিত পাত্রাদি ঝালিবার জন্ম বাষহত হয় ইহা ঝালিবার সম্ম রজন বা ধুনা ব্যবহার করা যায়।

#### স্বৰ্গ বাল।

• স্বর্ণ ১২ পেনিওয়েট, তান্ত্র । পেনিওয়েট এবং রোপ্য ২ পেনিওয়েট একতা গলাইয়া সিন্ত্রিত কর্নিতে ক্ষ্ট্রে। ইহা দারা

ঝালিবার সম্য সোহাগা অতাল জলে গুলিয়া কাইএর ভায় হইলে উহার সহিত ব্যবহার কবিতে হইবে

# রৌপ্য ঝাল

উৎকৃষ্ট পিতল ৩ ভাগ কৌপ্য ৫ ভাগ এবং দস্তা ২ ভাগ একত্র মিশ্রিত ববিষা দ্রবীভূত করিলে উত্তম রেপ্রা ঝাল প্রান্তত ইহাতেও ঝালিবার সময় সোহাগা চূর্ণ আব্দ্রাক হয় হয়

# জর্মান সিল্ভার ঝাল।

জ্পান সিল্ভার ৫ ভাগ এবং দস্তা ■ ভাগ একত্র অগ্যন্তাপে গলাট্য়া, দীতল হইলে চুর্ণ ক্রিয়া ঝালিবাব জ্ঞ ব্যব্হার ক্রা ইহাতেও ঝালিবাৰ সময় সেখাগা চূর্ণ ব্যব্হার করিতে যায় হ ই বে

#### লিথোগ্রাফিক কাগজ প্রস্তুত কবণ।

শ্বেতসার ৬ আউন্স, আরবি গাঁদ ২ আউন্সএবং ফটকিরি এক আউন্স, এই কয়েকটি দ্রব্য পৃথক পৃথক উষ্ণ জলে দ্রবীভূত করিয়া মিশ্রিত কবিতে হইবে তৎপবে ছাঁকিয়া কাগজের এক পুঞার বুক্স দারা মাধাইয়া উহা পরিওক্ষ করত পুনরায় মাধাইয়া পরিশুক্ষ করিতে হইবে এই গুকারে ২৩ ইই তিন বার माथाइय উखमतर्भ ७६ कर जमप्रमू कित्रिया नहेरम ध्येखण इहेया भारक ।

্দর্পণ প্রস্তুত করণ। প্রথাতঃ একটি মেজ কিম্বা কোন মস্থণ কার্যের উপর রাম্বের পাত রাধিষা বুরুস ধারা স্মান করিতে হইবে ন পায়ে উহার উপ্তর বিশুদ্ধ পারদ ঢালিয়া, সমভাবে চতুর্দিক আর্ত হইলে, এক ুঁখিত পরিশ্বত কাচথত উহার উপর বস্থিয়া সমভাবে চাপিলে

উহা সংযুক্ত হইয় যায় পারদ বেশী থাকিলে পৃথক হইযা পড়ে তৎপরে এক খণ্ড কাগজ উহার পৃষ্ঠে বসাইয়া ফ্রেম সংলগ কবিলে প্রস্তুত হইবে ইহ প্রস্তুত কবিবাব সময পারদ সলিন কিয়া বায়ু সংযুক্ত না থাকে, তিবিধে সাবধান থাকিবে কেহ কেহ ইহাকে বছদিন স্থায়ী করণ জন্ত এক কিন্তু হুইবাব কোপ্যাল বা শিপ্রিট বার্ণিয় মাখাইয়া থাকেন।

# ইণ্ডিয়া রবরকে গল ইবার প্রণালী

হিমালয পর্বতের চৈরাইএ এক প্রকার বটবৃক্ষ ক্ষমে, তাহার বল্কল নেপালিব ছুরি দারা চিরিয় দের, পরে উহা হইতে রম বাহির হইয়া শুক্ষ হইলে চাঁচিয়া বাজাবে জাঁট বা কাঁচা বৰ্ব দলিয়া বিক্রেয় করে। ইহা উফ জলে দিল্ল করত রোলার দাবা ডিলিল মযলা বহির্গত হইরা পরিক্বত হয়। পরিক্বত রবর পুনরায় উফ জলে দিল্ল করিতে থাকিবে যে পর্যান্ত ন কোমল ব কালার খ্রায় হয়। তথন ইহ লারা গঠন প্রশ্নত করিবে। অধিক উত্তাপে ইহার ছিতি ছাপক গুল নষ্ট হইরা কাঠের ভায় কঠিন হয় তথন ইহারে ছিতে ছাপক গুল নষ্ট হইরা কাঠের ভায় কঠিন হয় তথন ইহাকে ইব্যোনাইট বলে। ইহাতে চিন্দিনি বোডাম ইত্যাদি প্রশ্নত হয়। ইহা বেজোল, কার্বন ডাই সলফাইড, শে বিক্ত কেবোসিন তৈল, প্যান্নাফিন তৈল, শোধিত হুরা, উড ভাপধা, এবং কোরোফরমে জব হয় ববব উফ জলে কোমল হুইলে, উহাতে শত্যের গদক মিল্রিত করিয় ভলকানাইজড করা হুইলে, অধিক শৈত্যে বা আর্ছ তায় নষ্ট হয় না!

বাই সলফিউদ্ধেট অব্ কার্বান ৯৫ ভাগ এবং স্পিরিট ৫ ভাণ " এতভেজার মিশ্রণে ইণ্ডিয়া রবর কিয়ৎ দিবস নিমজ্জিত করিয়া রাখিলে কোনল হয়, তখন উহাকে ইচ্ছায়সারে ছাচে ফেলিয়া গঠন প্রস্তুত করা থার। ইতিয়া ব্যরকে কোলটার লাপথার জ্বীভূত করিয়া রেশম বা পূত্র নির্দ্যিত ব্যাদির উপর মাধাইয়া শুক্ষ কবিলে প্রদার মারিণ্টস, গ্যাসব্যাগ ব্যারের জুতা প্রভৃতি প্রস্তুত ইয়া থাকে। ইহার ভিতর জল প্রবেশ করিতে পারে

#### কাচে অঙ্কিত করণ।

প্রথমতঃ যে কাচ পাত্রের উপর অন্ধিত করিতে হইবে, তাহ।
উদ্ধমরূপে মোম রোবা আবৃত করিরা, অন্ধিত করণান্তর উহা
তর্ম হাইড্রোক্রোরিক আগিত বারা সিক্ত করিলে কিন্তা ঐ
অন্ধিত কাচ গত্রকে হাইড্রোক্রোরিক এ সিড বাপের ব্য মধ্যে
কিরৎকাল র থিলে অন্ধিত স্থান অন্ধন্ত হইরা যার এবং মোমার্ড
স্থান হইতে মোম উঠাইয়া শইলে পুর্মবৎ স্বচ্ছ হয়।

# লোহ ও ইম্পাতে অন্ধিত করণ।

ইহাও অক্ষিত বরিবাব জন্ম কাচে অক্ষিতকরণ প্রাক্তিয়ামুসাবে মোমার্ড করত অক্ষিত কবিয়া আইওডিন অত্যন্ন জলে অবীভূত করিয়া ভাহা দ্বারা উক্ত অক্ষিত দ্বান চারি পাঁচ মিনিট কাল ভিজাইয়া পরিকার করিয়া তদনতর পুনরায় ঐ প্রকার করিলে অক্ষন দৃষ্ঠ হইন গ'কে

# किन गिनता ।

প্রফা পি বিটি ৮০ গ্যালান; বিশুদ্ধ টার্পিন তৈল এক পাই ট, বিশুদ্ধ জুনিপার তৈল ৩ আউন্ জিয়োজেটি ২ ড্রাম্ এবং কুটিত গাতী লেবু ■ কমলা লেবু প্রত্যেকে ১টা, এই ক্ষেক্টী, ডুব্য এবজ এক সপ্থাহ কাল, ভিজাইয়া পরে পরিজ্ঞত করিয়া ১০০ গালান লইতে ছইবে . টার্গিন তৈল থাকাতে ইহা প্রেন জিনের স্থায় হয় জুনিপার থাকাতে হলাও জিনের স্থায় গদ্ধ হয়। ক্রিয়োজোট ঘারা ছইম্বির স্থায় হয় প্রেম স্পিবি-রিটেব পরিবর্ত্তে পরিদার করণ স্পিরিট কথন কথন বাবহার করা যায়।

क्रांद्विष्ठे यपित्रो ।

কৃট্টিত এ্যানিসিড, কেনেল সিড, ক্যাণ্ডি ক্যারট সিড এবং ধনে, প্রত্যেকে এক আউন্স আৰ্দ্ধ গ্যালান প্রফ স্পিথিটে এক সপ্তাহ কাল ডিজাইয়া তদনস্তর ছাঁকিয়া এক পাউণ্ড উৎকৃষ্ট শর্করা যথোপযুক্ত জলে দ্রবীভূত কবিয়া উহার সহিত মিশ্রিত করিছে হইষে।

# লগুন পোর্ট মদিরা

বক্তবর্ণ কেপ ২ গ্যালান, একার বেরি স্থরা এক গ্যালান, ত্রাজি স্থরা অর্ধ পাইন্ট্ এবং স্থা কাষনো চুর্ণ অর্ধ আউদ্য, একতা মিশ্রিত করত প্রস্তুত করিতে হইংখ

মখ্ মল্ বিবিধ বণে রঞ্জিত করণ।

মখনল নীলবৰ্ণ রঞ্জিত করিতে হইলে, লিটমদ জবে জবীভূত করিমা তাহাতে তিন ভাগের এক ভাগ লিখিটি মিশ্রিত করিমা কিম্বা স্থান্যর অথবা সলফেট অব ই তিগো জলে জবীভূত করিমা উহাতে নিমজ্জিত করিমা পরে ভিজ করিলে সুন্দর নীলবর্ণ হয সর্জ বর্ণ রঞ্জিত করণ জন্তা দানাদার বর্দ্দিগ্রিজ কিমা স্যাপ ত্রিন অত্যন্ত করিলির মিশ্রিত জলে দ্ববীভূত করিমা উহাতে নিমজ্জিক করিম ভুক্ত করিতে হইবে পর্পশ্ বর্ণ মঞ্জিত করণ জন্ত জলে অত্যন্ত ভাষানার দ্ববীভূত করিয়া ভাহাতে কার্মিন দেব গিলিত করণান্তর উহাতে নিমজ্জিত করিয়া ভাহাতে কার্মিন দেব রক্তবর্ণ বঞিত করিনার জন্ম অতাল্প এগ্রামোনিয় সংযুক্ত জলে কোচিনিল দ্বিদ্ধ কর্পাস্থর উহাতে নিমঞ্জিত করিয়া শুষ্ ক্ষাড়ে হইবে

পীতবর্ণ বঞ্জিতকরণ জক্ত ভাত্যন্ন ফাট্কিরি মিপ্রিত জলে গাম্মেজ দুবীভূত করিয়া উহাতে নিম্জ্রিত করিবাব গ্র শুজ করিয় লটতে হইবে

# অন্থি ও হস্তিদন্ত বিবিধ বৰ্গে রঞ্জিত করণ। (ক) সভবর্গ।

অদি কিম হস্তিদন্ত মঞ্জিত করিতে হইলে, প্রথমত উহা ভালপ্ত বাসা প্রস্তম ধাবা উভয়কপে ধ্যেত করিবা তৈলাকে প্রার্থ বহিম্বত করিতে হইবে, পারে উহ ২৪ মিনিট কাল এয়াকোমা ফটিলে নিমজ্জিত করিয়া, পবে কিনিল, লাইকর এয়ামোনিয়ায় জনীভূত করণ তাব উহাতে নিমজ্জিত করিতে হইবে যে পর্যাপ্ত উত্তয় রক্তবর্ণ লা হয়।

## [খ] পীতবণ'।

প্রথমতঃ অস্থি কিন্তা হস্তিদন্তকে তুই ঘটাকাল প্রণার অব্ লেড্ এবে নিমজ্জিত কবিষা শুক্ষ করিতে ছইবে, উহাকে ক্লোরেট্ অব্ পটাস্ দ্বে নিমজ্জিত করণ গুরু শুক্ষ করিয়ে স্কুন্ব পীক্ষর্প বিশ্বিত হয় কেছ কেছ প্রথমতঃ ক্ষম্থি ব হস্তিদন্তকে কট্বিরি অবে নিমজ্জিত কবিষা শুক্ষ করণাম্ভব হবিদ্যাব ক্লাথে নিম্ক্তিত করিয় শুর্ম করিয়া খাঁকেন। ইহাতেও স্কুর পাত্রব্রিত হয়।

ি বিসাদেশ একভাগ, ভর্মিত্রিজ হই ভাগ, পরিদার সলৈ দিবীভূত-তিত্রির তিনেতে এক খন্টাকাল কান্তি কিয়া হস্তিদন্ত (যাহাতে ভৈগ ম্যা পদার্থ কিছু য এ নাই) ভাহা নিমন্তিত কবিষা শুক্ষ কনিলৈ স্থার সবুজবর্ণ রঞ্জি হইয় পাকে

মহিয়াদির শুঙ্গ রক্তবণ রঞ্জিত করণ

পরিস্থাত সন্তঃ প্রস্তাত চূণের জ্বলে এক কিন্দা তুই ছটাক উদ্ অর্থ ৭ বক্ষ কাঠেব চূর্ণ মিশ্রিত করিয়া উহাতে, মহিবের শৃত্ব পাঁচ কিন্দা ছয় ঘণ্টাকাল নিম্ভিত বরিষ সাধিলে স্থার রক্তবর্ণ রঞ্জিত হইবে

#### প্রস্তার বিবিধ বর্গে রঞ্জিত করণ

মার্বল ও অন্তান্ত প্রস্তানি রঞিত করিতে হইলে প্রথমত উহা অত্যন্ন উচ্চ করিয়া রংএব জব অথবা রং এর টিংচার ঢালিয়া দিলে উহা প্রস্তরোপার জার্ময়া উত্তম বং হয় কিন্ত প্রস্তর রঞ্জিত করণ বিষয়ে দক্ষ ব্যক্তির নিকট থাকিয়া শিক্ষা ও বহদর্শিতার আবশ্রবণে হয় নীলবর্ণ য়ঞ্জিত করণ জন্ম শিক্ষা ও বহদর্শিতার আবশ্রবণে হয় নীলবর্ণ য়ঞ্জিত করণ জন্ম শিক্ষা ও বহদর্শিতার আবশ্রবণ হয় নীলবর্ণ য়ঞ্জিত করণ জন্ম শিক্ষা তাব কিন্তা নীলের ক্ষার সংযুক্ত জব আবশ্রক হইয়া পাকে।

পাটকিলা বর্রিঞ্জি করণ জন্ত টিংচার অব্লগউড্ আবস্ত হয

ियम्ब वर्ष ख्या आणकारति भूल हूर्ग हेर्ग्यन दिए स्थ क्रिया व्यवहात क्रायाय •

মাংগ বর্ণ রগু জন্ত মোমকে এগালকানেট্ মুল চুর্ ছারা সুন্দররূপে রঞ্জি করিয়া ব্যবহার করা যায়

রস্থার স্বর্ণের স্থায় বর্ণ করণ জন্ত সাদা তৃতিয়া ভর্দিন্তির,
নিস্টিল শমভাগে মিজিড করিয়া অভি ভূদা চুর্ণ করত সভর্কভার
সংহত সংলগ করিতে হইবে

সবুজবর্ণ জগ্য গ্রাপ গ্রিণেব শার সংযুক্ত দ্বর কিম্বা ভার্দিগ্রিজ দারা মোম উক্তম কপে সবুজ বর্ণ রঞ্জিত কবত ধানহার কর। যায়।

রজ্বর্ণ বঞ্জিত করণ অস্ত্র, খুনথাবাপি, কচিনিল ইত্যাদি ব্যবস্ত হইয়া থাকে

পীতবর্ণ বিশ্বিত করণ জন্ম টিংচার অব্গ্যাম্মোজ, হবিদ্রা, এবং জাফ্রান প্রভৃতি দ্বা ব্যবহাত হইয় থাকে

## বিবিধ প্রকার সিমেন্ট প্রস্তুত করণ। ময়দাব আটা।

স্থা ময়দ এক চাম্চা পরিমাণ জলে মিপ্রিত করিয়া কিয়ৎকাল আগু জোপে ফে টাইন নামাইয়া লইতে হইবে ইহাতে অভাল পরিমাণে রসকর্পর কিন্তা ফট কিবি মিপ্রিত করিলে বহুদিন উত্তম শ্বস্থায় থাকে

## কাচ জুড়িবার আট।।

নেড লেড ৩ ভাগ. সৃন্ধ থেড বালী ২ ভাগ, দানাদার বোর্যাসিক্ এ্যাসিড ■ ভাগ ৫ কত্র গিশ্রিত করত অন্যুত্তাপে বিগলিত
করণাত্তব অল ট্রাগীক ছ গঁদেব খণ্ডেব সহিত নিভিত করিয়া
ব্যবহার কবিতে হইবে ইহাতে ভগ কাচের বাসন জ্যোড় যায়।
জুড়িবার সময় ঐ সকল ভগ পাত্রাদি জ্যুত্তাপে অত্যন্ন উফ করিয়া
লইতে হইবে

্প্রপ্তর জুড়িবার আটা

রাধারণত পার্থিস প্লাপ্ত র অত্যন্ত জল ি প্রিত কবিশ কাইএর জার হাইলে ক্যাপব্যাপ্তার ও অন্যান্ত প্রস্তার নির্মিত উন্ন জবীদি

## বিবিধ দ্রাব্য প্রস্তুতকরণ প্রত্রিমা।

## ঞালাব্যাফীর জুড়িবার আটা।

প্রাষ্ঠার অব্ প্যাবিস এক ভাগ, লোহিত বর্ণ রজন ২ ভাগ অগ্যতাপে গলাইয় উত্যরূপে মিশ্রিড কবিতে হইবে ইহা এগলাব্যান্তার, মার্কল প্রভৃতি প্রস্তব জুডিবার জন্ত ব বহাত হইয থাকে

## क्लार्ग जांत्रस्मिग्न निरमणे।

আইসিংগাস অর্থ আউলা পরিমিত ললে এক বিষস্কাল
ভিজাইয়া পরে জলীয় বান্দের উতাপ বারা শুক্ষ কয়ত ২ আউল
পরিমিত হইলে, শোধিত স্বা ২ আউল বিশ্রিত করিয়া উহাকে
ছ'াকিয়া লইতে হইবে এবং উক্ষ থাকিতে গাকিতে মাাষ্ট্রক
২ দুলাম চুই আউল শোধিত স্বান্ন জনীভূত করিয়া উহার সহিত
মিশ্রিত কবিতে হইবে তদনস্তর এগামোনায়েকম্ চুর্প ১ দুলাম
উহার সহিত মিশ্রিত করত উত্তমক্রেণ শলাকা ভারা নাড়িতে
হইবে ইহা আজ তা ভারা শীন্ত নষ্ট হইয়া যান না

### ভায়মগু সিমেণ্ট।

আই দিংগ্লাস এক আউন্স তুই আউন্স পবিজ্ঞত জনের সহিত্ত
আনু গুৱাপে ফোটাইয় তিন আউন্স পানিতে নামাইয় দেড় আউন্স
রেক্টীদাএড স্পিরিট নিল্লিক করিতে হঠকে পবে কুই মিনিট
কাল আনু জাপে ফোটাইয়া উঞ্চানস্থায় ছাকিয়া আৰ্ছ আউন্স
পরিমাণ জল সিক্ত গন্ এ্যামানাবেক্ষ্ মিগ্রিত করিতে হইকে।
অবশেষে উহাতে টিংচার অব্ ম্যান্ত ক জাগ্র জানিত করিতে
ইইকে। ইহাও পূর্কে ক্রের ভার আক্রা লাগিলে শীয় নিষ্ঠ
হয় না।

## বিল্যু ফায়ার প্রেফ সিমেণ্ট ।

খটিকা ৬০ ভাগ, চূণ ও লবণ প্রত্যেকে ২০ ভগ, সুক্ষা বালী ১০ ভাগ, স্থন্ধ কৌহ চুর্ণ এবং বক্তবর্ণ কিন্দা ক্রফধর্ণ সৃত্তিকা প্রত্যেকে ৫ ভাগ একত্র মিশ্রিত কবিলে ইহা প্রস্তুত হুইখা शांदक

## বয়লার গিমেট।

কর্দিস চূর্ণ ৬ প উত্ত এবং অতি সুক্ষা লৌহচূর্ণ এক পাউত্ত আবশ্রুক মত স্ফুটীত মসিনাৰ তৈলেব সহিত শিশ্রিত করিয়া কাইএর ক্রায় করিতে হইবে। ইহা ব্যলার, প্টোভ প্রভৃতিব ফাটা জুড়িবার জন্ম ব্যবহৃত হইমা থাকে

## द्यिगिनि द्यं भिरमणे।

পীতবর্ণ বোটানি বে গাঁদ এবং ইউকচুর্ণ সমভাগে অনুসভাপে বিপলিত করিয়া মিশ্রিত করিতে হইবে ইহা মাটীর বাসন প্রভৃতি যুড়িবার জন্ত ব্যবহৃত হইরা থাকে।

#### জ্বয়াস' সিমেণ্ট

কর্দ্দম তি ভাগ, এবং পোড়া চুণ এক ভাগ উত্তম্বলে মিশ্রিত করিয়া অগিতে দ্র্য করত স্থানরবংগ চূর্য করিতে হইবে ইহ্ হাইড়লিক্ সিমেটেব পবিবর্তে ব্যবহৃতি হইষা থাকে

্ ক্যাপ সিমেট ধুনা ৫ পাৰ্ডুগু, মোম এবং ভিনিম দেনীয় লোহিত বৰ্ণ বঙ্ প্রত্যেকে এক পাউগু অগ্যন্তাপে বিগলিত করিয়া উদ্দেশ্বপু মিলিজ করিতে হইবে ইহা খৈছাতিক বাদায়নিক কার্য্যেক

তা(ব্যাকীয় কাচের নশ, বেলুনের গলা প্রভৃতি যুড়িব'র **ডগ্র** ব্যবহৃত হইয়া থাকে

## কেমিকাল সিমেণ্ট।

পীত মোম ■ ভাগ, ট র্পিন তৈল ২ ভাগ, ওন্ধ ভিনিসিয়ান
লোহিতবর্ণ রঙ এক ভাগ জয় ্যভাপে বিগলিও করিয়া উত্তমরপে
থিপ্রিত করিতে হইবে

### চাইনিজ সিমেণ্ট

খণ্ড উৎক্রন্থ পাংগুবর্ণ পাতগালা ৪ আউন্দ এবং শোধিত হর। ৩ আউন্দ এত্রভ্য দ্রব্য একটি বোতলে ছিপি বন্ধ বরিয়া উফ স্থানে বাধিয়া দিতে হইবে, যে পর্যান্ত পাতগালা উত্তমরূপে দ্রবীভূত হইয়া না যায় তখন ইহা অবিকল কোতরা গুড়ের জ্যায় দৃষ্ট হইবেক ইহ একটী কঠিন গন্ধহীন সিমেন্ট ইহাকে শোধিত হ্বার পরিবর্ত্তে বেক্টীফাএড উভ স্থাপথায় দ্রবীভূত কবিয়া ব্যবহার করা যায় ইহা কাচের বাসন, চিনের বাসন, জুবেলাবি প্রভৃতি কার্য্যে বহুল পরিমাণে ভারমণ্ড ও আর্মিনিয়ান সিমেন্টেব পরিবর্ত্তে ব্যবহাত হইয়া থাকে।

## কপার স্মিথস্ সিমেন্ট।

ইহাব অস্ত নাম রড সিমেণ্ট , ইহা তাম নির্দিত হাড়া ও অতাত্ত দ্ববাদিব যোড় এবং ছিদ্রাদি বন্ধ করিবার জন্ত ব্যবহৃত্ হইয়া থাকে। গোরক্ত এবং গোড়া চুণ সম্ভ গে মিডিড করিয়া লেপন করিতে হইবে ইহা অত্যন্ত শীঘ্র শুন্ধ, হুন্ধ, ডেজ্জা ব্যবহার করিবার সময় প্রস্তুত করিয়া লইতে হুইবে

#### কটলাপ্ সিমেন্ট।

ক্রম্বর্ণ ধ্না। ৪ পাউও এবং মোম এক পাউও অগ্নাতাংশ বিগলিত কৰিয়া এক পাউও অতি ভূসা ইষ্টকচুর্ণ উভ্নান্তপে, মিলিড করিতে হইবে। ছুবি, কাঁটা প্রভৃতি দ্রব্য হাতেলে বস্থাইবার জন্ত ইহ মাবজত হইয়া থাকে

#### ভিন্থের সিমেন্ট।

গৌড়া চূর্ণ চূর্ণ ডিবের শুল্রাংশের সহিত উত্তার্রণে মিলিত করিয়া কাইএর ভার করিতে হইবে। ইহা চীনের বাসন, কাচের দ্রব্যাদি, মার্কল প্রস্তর, এ্যালাব্যাপ্তার, স্পার জর্গামেট প্রভৃতি দ্রব্য জুড়িবার জন্ত ব্যবহাত হইষা থাকে। বিস্তু আদ্রভা দ্বারা ইহ শীদ্র নাই হইরা যার

## স্থিতিস্থাপক সিমেণ্ট।

- ১ ৫ ভোগ ইণ্ডিয়ান রবর, ৩ ভাগ ক্লোরোফরমে দ্রবীভূত করিয়া, গম ম্যাষ্ট্রিক চূর্ণ এক ভাগ মিশ্রিত করিতে হইংব ইহা বিবিধ প্রশার স্থিতিস্থাপক কার্য্যে জুড়িখার জন্ম আবশ্রক হইয়া থাকে।
- ২ গটাপার্চা এক পাউও, ইণ্ডিয়ান রবর আউন্স, পিচ
  ২ জাউল, পাতগালা এক জাউল এবং মসিনার তৈল ২ আউল
  একত্র অগ্যুতাগে বিগলিত করিয়া উত্তমকপে মিন্তিত করিতে
  হইবে ইহা চর্ম, বস্ত্র প্রভৃতি জুড়িবার জন্ত ব্যবহৃত হইয়া
  থাকে

## ু রবরের জুতা জুড়িবার আটা।

ইণ্ডিয়ান রবর ৭৩ থণ্ড করিয়া বেঞ্জোইনের সহিত অগ্নাতাপে দ্বীভূত ক্রত প্রস্তুত করিতে কইবে ইহা দারা রবকেন বাক্ষ্য, জুতি প্রভৃতি জুব্য উত্যরক্ষা কোড়া থায়।

## বৈজ্বাতিক সিমেণ্ট।

রক্ষণ ধুনা া পাউও, রক্তবর্ণ ওকার এক পাউও এবং প্রাণ্ডার অব প্যারিস অর্দ্ধ পাউও উত্তয়রূপে চূর্ণ করণান্তর অমুতাপে উষ্ণ করত মিশ্রিত করিতে চইবে ইহা বহল পরিমাণে গ্যালভ্যানিক ইফের প্রেট সিমেণ্ট করিবাব অবং রাসায়নিক কার্যার আবংখকীয় পাত্রাদি জুভিবার জন্ত ব্যবস্তুত হইয়া থাকে

## ैं देन जिनियान निरमणे।

বেড লেড এবং হোযাইট লেড সমভাগে স্ফুটিজ মসিনার তৈলের সহিত মিশ্রিত করিয়া কাইএর স্থার করিলে প্রস্তুত হইবে ইহা দারা হর্দ্যানির্মাণবিৎ পণ্ডিডের' বৃহৎ বৃহৎ প্রস্তুর বণ্ড জুড়িয়া থাকেন। শুক্ত হইলে ইহা প্রস্তুরবৎ কঠিন হইয়া থাকে

## ফায়ার প্রুফ সিমেণ্ট।

পুন্ধ নদীর বালি ২০ ভাগ, লিথার্জ ২ ভাগ এবং কুইকলাইম এক ভাগ আবগুক মত মসিনার তৈলেব সহিত মিশ্রিত করিয়া ক ইএর ছায় প্রগুত করিতে হইবে ইহাও বিল সাহেবের কাযার প্রফ সিমেণ্টের ছায় প্রস্তরাদি জুড়িবার জন্ম ব্যবহাত হইবা ধাকে

## गापुण जित्मके।

কর্মন চুর্ণ ৩ ভাগ এবং অক্সাইভ অব আইর্ম এক ভাগ একর ভিত্যমন্ত্রপে চুর্ণ করত মসিনার ভৈলের সহিত মিজিত করণান্তর কাইএর ছায় প্রস্তুত করিতে হইবে ইহা অনের ভিতর যে সকল শ্রুটার থাকে, তাহাতে সিমেণ্ট করিবার জন্ত বাবহাত হইনা থাকে।

#### श्वितिम मिरम है।

সিলকা সংযুক্ত বালি ৬০ ভাগ, বাথ বা পোর্টগ্যাণ্ড প্রেন চূর্ণ
৪০ ভাগ, লাইম ন্যাবল ২০ ভাগ এবং লিথাজ ৮ ভাগ এই
ক্যেকটি অব্য উত্তম রূপে চূর্ণ কবত স্মিনার তৈলের সহিত মিডিত
ক্রিষ কাইএর ভাষে করিতে হইবে। ইহা ধাব ইপ্রক্রিরিজ
বাটী প্রাপ্তার করিলে প্রস্তরনির্দাণবং দৃষ্ট হইয়৷ থাকে। ইহা
একটি হাইডুগিক সিনেন্ট।

#### আইরন সিমেণ্ট

নিসাদল ২ আউল, গদক এক আউল, এবং লোহ চূর্ণ ৭ পাউও আবশ্যক মত জল মিশ্রিত করিয়া কাইএর স্থায় কবিলে প্রস্তুত হইবে ইহা লোহ কার্য্যে বিশেষ ব্যবহৃত হইয়া থাকে

## প্রস্থার্শ সিমেণ্ট।

কৃষ্ণ বর্ণ বজন আগুজাপে গলাইয়, সম্ভাগে ইপ্তক চুর্ণ মিশ্রিত করিলে প্রস্তুত হইবে কখন কখন ইহাতে অত্যঙ্গ পরিমাণে পিচ অথবা চর্বি মিশ্রিত করা যায়

## ষ্ঠিম বয়লাব সিমেণ্ট।

লিথাকা স্থা চূর্ণ ২ ভাগ এবং সুন্ধা বালি ও গোড়া চূর্ণ থাতেকে এক ভাগ উত্তমকণে মিশ্রিত বরিলে ইহা প্রান্তত হইয়া থাকে ইহ বায়ুতে কিয়া ভাজ ছানে রাখিলে শীল্ল নই হইয়া বাবহার কুরিবার সময় ভাতান্ত মসিমার তৈলের সহিত মিশ্রিত করিয়া কাইএর ভাগ করিয়া লইতে হইবে। ইহাইম ব্যানি উত্তেম প্রভৃতি মুড্বার জন্ত ব্যবহৃত হয়।

## বিবিধ দ্রব্য প্রস্তুতকরণ প্রক্রিয়া

## ষ্ট্রিম পাইপ সিমেণ্ট।

হোষাইট লেড, অক্সাইড অব ম্যাঙ্গেনিজ এবং পাইপ কর্জম সমভাগে উত্তমকপে চূর্ণ করত সিদ্ধ মসিনার তৈলের সহিত সিপ্রিও কবিদা কাইএর জ্ঞার করিতে হইবে ইহা টিম পাইপ যুজিনার জন্ম ব্যবহৃত ইইয়া থাকে

চীনের বাসন জুড়িবার সিমেট।

ফ্লিট গ্লাদের অভি ক্ষা চূর্ণ ডিম্বের শ্বেডাংগের সহিত্ত স্ক্রিন করণান্তর ভদ্ধাব চীনের বাদনের ভগ স্থান যুড়িয়া স্নোডের শুষ্ক করিলে উত্তযকপে যোড় লাগিয়া থাকে।

কাঁচ যুড়িবার সহজ উপায়

র্শুন থেৎলাইয়া জদ্বারা ভগ কাঁচের যাসন যুড়িয়া রোজে ওক্ষ করিতে হইবে, কিন্তু ইহা আন্ত্র লাগিলে শীল্ল নষ্ট হইয়া যায়।

## বিবিধ প্রকার অদৃশ্র মদী

এই প্রকার মসীর লিখন অগু,জাপে, উতাপ কিছা কোন রাসাথনিক কার্যা ভিন্ন দৃষ্ট হয় না। ইহা খারা সচরাচয় শুপু পত্রাদি লিখিত হয় নিয়ে ইহার ক্ষেক্টি প্রকরণ লিখিত হইশ।

- কে) নিদাদল এবং সলফেট ও ব কৃপার (জুঁতে) সমভাগে জলে জবীভূত করিয়া, তদ্বারা লিখিয়া তাহাতে উত্তাপ সংশ্বয় করিলে পীতবর্গিই হয়।
- (খ) পদাপুর রদ দার দিখন ওক্ষ করণান্তর ভাষা অগ্যতাপ সংলগে পীতবর্গ দৃষ্ট হয়
- (१) भोजूक्टनात्र काथ बाता निथन ७६० कत्रवाखेत मनएक आवः व्यक्तित्व (शित्राक्षम) एव बाता निष्क कतिरने श्रमात कृत्यवर्ग निथम पृष्ठ रत्र

- (ম) সশফেট তাব আইরণ (হিরাকন) অন্ত জলে বিগলিত করিয়া ভ হার লিখন শুদ্ধ করণান্তর প্রেমিযেট ভাব গটাস্ দ্রবে সিক্ত করিলে উৎকৃষ্ট নীলবর্ণ দৃষ্ট হয়
- ( ও ) নাইট্রেট অব সিলভার এবং টার কোরাইড অব গোল সলিউদন পৃথক পৃথক অল জলে মিশ্রিড করিয়া ভিন্ন ভিন কাগজে লিখিলে, উহা রোজেলেনে ডার্ক ব্রাউন এবং পরপল বর্ণ ক্রেমান্তরে দৃষ্ট হয়।
- (৮) এগাকোয়া ফটিস, স্পিরিটন্ অব সণ্টস, অংগল অব ভিট্রিয়ল, লবণ এবং সোরা এই ক্ষেক্টি জব্য অধিক পরিমাণে অলে জবীভূত করিয়া, ইহা ঘারা লিখিলে ভাষা উত্তাপসংলধে হবিজা কিয়া ত্রাউন বর্ণ চৃষ্ট হয়
- ছে ) ক্লোরাইড অব কোবণ্ট কিল্বা নাইট্রোমিউরিটো অব কোবণ্ট দ্রাবের লিখন উত্তাপ সংগধ্যে সবুজবর্ণ দৃষ্ট হয় এবং শীতল হইলে পুনরায় অদৃশ্য হইরা যায়।
- (জা) এয়া সিটেট অব কোবল্ট এবে, অত্যন্ত সোরা মিপ্রিছ করিয়া লিখিলে তাহা অগু,জোপে কুদার গোলালীবর্ণ দৃষ্ট হইয়া খাকে, এবং শীতল হইলে পুনরায় অদৃষ্ট হইয়া যায়
- (মা) ক্লোরাইড অব কোবণ্ট এবং নিকেল জব নিপ্রিত করিয়া পাতলা করত নিথিলে তাহা অধ্যতাশে সবুজ বর্ণ দৃষ্ট হইয়া খাকে।
- (धः) आगिरिं श्रेष राष्ट्र जिल्ला प्राप्त निश्चित्र। जाराज मनिक्षित्र। अत्रिक्ष हारे एक्टिय वाराज्य प्राप्त प्राप्त कर्वाहरण धूमतवर्ग वृष्टे हत्त । (देन) नारे द्विहे जाने मार्कतित भाजना अव बातान निश्चित्न जाहा, विश्वित क्षेत्र भावति भावति हत्।

### বিবিধ দ্রবা প্রস্তুতকরণ প্রক্রিয়া।

ঠি) ভাতের মণ্ড কিম্বা ষ্টাচের কাথ দারা লিখিয়া ও হাওে আইওভিনের পাতলা স্পিগ্রিট মাথাইলে স্থন্য নীলবর্ণ দৃষ্ট হয়

### প্রস্তারের উপর এনপ্রেভিংএর জন্ম মসী।

পিচ ও পাউঞ্জ, আয়ু য়ভাপে বিগলিত করিয়া, ভাহাতে কর্ম পাউণ্ড ভ্যা উত্তমরূপে মিজিত করত বিগলিত অবস্থায় প্রান্তবোপরি খোদিত অকরে চালিয়া দিতে হইবে।

#### लिएथो व्योगित 💶 मनी।

- ১। খণ্ড খণ্ড গম ম্যাষ্টিক ৮ আউল, পাতগালা ১২ আউল ভিনিস টরপেন টাইন এক আউল, একর অনুস্তাপে বিগুলিড করিয়া মোম এক পাউণ্ড এবং চর্কি ৬ আউল প্রয়োগ করিতে হইবে। এবং যখন এই কমেকটি এবা উত্তমরূপে মিশ্রিত হইবে, তখন কঠিন চর্কি ৪ আউল খণ্ড খণ্ড করত উহাতে প্রয়োগ করিয়া, অবশেষে ল্যাম্পর্যাক । আউল সিপ্রিভ করিণ্ডে ইবৈ। উত্তমরূপ মিশ্রিভ হইলে উহা ছাচে ঢালিয়া পিট্টকান্ কারে প্রভাত করিতে হইবে ইহা প্রভারোপরি লিখিবার জ্ঞান্
- ২ খেতগোম ৮ আউল এখং খেত সাধান ৩ আউল বিগলিক করত উত্তমরূপে মিল্রিত হইলে, ল্যাম্পর্যাক এক আউল মিল্রিত করিয়া প্রয়াতাপে দিতে হইবে এবং তৎপরে পাতগালা ২ আউল সংযোগ করিয়া নাড়িতে হইবে, যখন অল শীতল হুইবে, তখন ছাঁচে ঢালিয়া প্রেলিক প্রকারের ভাঁন পিন্তকালার করিছে ' হুইবে ৈ ইহা ঘারা প্রত্রের উপর স্থান রূপে লিখা যায় এবং লিখন বিস্তৃত হওনের সম্ভাবনা নাই। ইহা অতি অল পরিমাণে

একটি ছে ট কাচের বাটাতে অত্যন্ন পরিমাণে জলৈ দ্রবীভূত করত লিখিতে হইবে। শীতকালে উফ জল ঘারা কিমা উফ স্থানে লইয়া গিয়া শীতকা জল ঘারা দ্রবীভূত করিতে হইবে। ইহা ক্যানেল হেয়ার পেনসিল ও ষ্টিল পেন ঘারা লিখা খায়

## বিবিধ প্রকার মঙ্গী প্রস্তুত করণ প্রক্রিয়া। কৃষ্ণবর্গিনী।

া লিণিবার ক্ষতবর্গ মসী প্রাক্ত করিতে হইলে, ধে পরিমাণে মসী প্রক্ত হইবে, ভাষার তিন ভাগের এক ভাগ হিরাকস
মিশ্রিত করিতে হইবে গল মিশ্রিত করিলে বায়তে মসী বিকৃত
হইয়া যাম না, কিন্ধ অধিক পরিমাণে মিশ্রিত করিলে, মসী কলমে
সংলিপ্ত (অড়াইয়া) ছইয়া যায় শর্করা কিন্দা গুড় মিশ্রিত
করিলে উহা বছলিন পর্যান্ত ভরল অবস্থায় থাকে; কিন্তু অধিক
পরিমাণে মিশ্রিত করিলে উহা কলমকে শীল্র নষ্ট করিয়া ফেলে।
নীলবর্ণ মাজুফল কৃষ্টবর্ণ মনী প্রশুভ করিবার জন্ত বছল রূপে
ব্যবহাত হইয়া থাকে স্নীতে অত্যন্ত পরিমাণে লবংকর তৈল
মিশ্রিত করিলে কথন উহাতে ছাতা পড়ে না; কিন্তু লবস তৈল
অপেকা জিরোজাট, কার্যলিক প্রামিত্ নিক্যি এবং কেন্টিফাপ্রত্ ক্রিরিট এই কায়্রন্টি জবোর মধ্যে একটি জন্ম পরিমাণে
মিশ্রিত করা যায় স্থাক, লগউড, ওক্রার্ক প্রস্তৃতি জ্বা মাজুস্থানের পরিবর্গে কৃষ্টবর্ণ মনী প্রশুভ করণ আব্রুত হইয়া
শাব্দ।

আমিনি মাজুমল কৃটিত ৪ আউদা, এক কোনার্ট পরিকার আলে এক পক্ষ কিনা তিন সপ্তাহ কাল ভিজাইরা রাখিতে হইরে। বারে অবিকিন্ত এক অভিন এক গেলাস অলে ভলিয়া উইন্দি সহিত মিশ্রিত করিতে হইবে তদনতর হিরাকস ১২ আউণা এবং শর্করা অর্ক অভিন মিশ্রিত করত পুণরায় তিম সপ্তাহ কাম রাখিতে হইবে। অবশেষ উহাতে জল মিশ্রিত করিয়া এক কোয়ার্ট পরিমাণ করিয়া লাইলে জুন্দর রুফ্বর্ণ লিখিবীব মসী এত্ত হইবে ইহা দিখিবার সময় অভ্যন্ত তরল কিন্তু ভক্ষ হইবে গাঢ় কৃষ্ণবর্ণ হইয়া থাকে।

২ একটী ভাত্র পাত্রে আলিপো মাজুফল কুটিত ১২ পাউও ভ গ্যালান আলের সহিত অগ্নুতাপে এক বন্টাকাল সিম্ব করতঃ ছাঁকিয়া লইবার পর জল মিল্রিড কবিয়া ভ গ্যালান পূর্ব করিছে ছইবে। তানেতর প্রথম প্রথম ঐ মাজুফল ■ গালানে জনের সহিত অগ্নুতাপে অর্ধ ঘণ্টাকাল দির্ঘ করত ছাঁকিয়া লইতে ছইবে। অবশেষে প্রবায় ঐ মাজুফল ২২ গ্যালান জলের সহিত দির্দ্ধ করিয়া ছাঁকিয়া লইয়া পূর্বপ্রস্তুত দিন্ধ জলের সহিত মিল্রিভ করত উম্থবছার হিরাক্য চুর্ব ৪২ পাউও এবং আরবি গ্রাপ গ্রাভিত মিল্রিড করণাঞ্চব ছাঁকিয়া ব্যবহার করিছে ছইবে। এই প্রতিত করণাঞ্চব ছাঁকিয়া ব্যবহার করিছে ছইবে। এই প্রতিত্রার ১২ গ্যালান ম্সী প্রভত ছইয়া থাকে। ইহা বছা দিন স্থায়ী স্থানর ম্সী।

এলগ্রার সাহেবের মতে মাজুফল চুর্ব ৪২ আউলা, সেনির্ন্ পাল দেশীয় গাঁল চুর্ব ১৫ আউলা, বৃষ্টি কিমা পরিজ্ঞত ১৮ কোয়ার্টল, এগ্রামেদিয়া জব ও জ্রাম, এবং লিপরিট্র অষ্ ওয়াইলঃ ২৪ আউলা এই কয়েক্টী জবা একতা মিশ্রিক করিয়া উত্থমরূপে আলোড়িত করিতে, হইবে, বে পর্যাত্র হালার করিব না হয়। এই আজিয়াতে গাড় কাইবর্ণ মনী প্রক্রত হয়। ইহা দারা কলম শীর্জী শুইবর্টন গাঁহেবের মতে মাজ্ফল চুর্ণ ৫০ ভাগ, ৮০০ শত ভাগ উঞ্চ জলের সহিত ২৪ ঘণীকাল ভিজাইয়া, ছাঁকিয়া লইতে ইইবে পরে উহাতে সর্জবর্ণ হিরাক্ষম এবং আর্বি গাঁদ প্রত্যেক ২৫ ভাগ মিশ্রিত বরিতে হইবে; ধবন এই সকল জব্য উত্তমরূপে স্তবীভূত হইবে তথন নিয়লিখিত মিশ্রণটি মিশ্রিত ক্ষরিলে অতি ফুদর কুইবর্ণ মনী প্রায়ত হইবে নিসাদল ৮ ভাগ, প্রারবি গাঁদ ২ ভাগ, ল্যাভেডার তৈল ১ ভাগ এবং উঞ্চ জল ১৬ ভাগ।

ভাকার উলাসটন্ সাহেবের মতে মাজুফল চুর্ণ ১ আউলা, হিরুক্ত ৩ ড্রা'ম, আর্হি গ'ল ২ ড্রাম এবং পরিদ্ধার জর্ল অর্ধ পাইন্ট, এই করেকটি ডব্য একত্র একটি হোতলে এক পক্ষ কিম্বা তিন সপ্তাহ কাল রাধিলে উত্তম মসী প্রস্তুত হইবে কিন্তু টি বোডল প্রত্যহ একবার করিয়া আলোড়িত কবিতে ইইবে

পার্চ মোণ্ট কাগতে লিথিবার কৃষ্ণর্থ মসী প্রস্তুত করণ জন্ত মাজ্যল চুর্ণ এক পাউণ্ড আরবি গ'দ ৬ আউন্দ, ফটকিবি ২ আউর্ল, হিরাক্স ৭ আউন্স, কাইনো ৩ আউল্ এবং লগউন্ত চুর্ণ ৪ আউন্স এক গ্যালাম পরিকার জলে তিন সপ্তাহ কাল ডিজাইরা রাধিয়া ছাঁকিয়া লইতে হইবে।

## নীল বা শিশ্ৰিত ক্ষা মশী

বিশুদ্ধ প্রামিনান রুর দেব এবং সুনার দুর্ঘ্বর্ণ মাজ্যাল হইতে বিশুদ্ধ মনী সম্ভাবে মিশ্রিভ করিলে প্রান্তভ হইবে। ইহা লিখিবার সমানিকালেবের স্বাভায়্ক দৃষ্ট ইন, কিন্তু প্রক্রেইলে ক্যুদ্ধিনার সমানিকালেবের স্বাভায়্ক দৃষ্ট ইন, কিন্তু প্রক্রেইলে

## বিবিধ দ্রব্য প্রস্তুতকরণ প্রক্রিয়া।

#### नील भनी।

বিশুদ্ধ প্রাণিয়ান রু ৬ ভাগ এবং অক্জ লিক এগাসিড ১ ভাগ জাত্যল্ল জাল মিপ্রিত করত প্রথমত কাইএর স্থান করিয়া পরে অধিক পরিমাণে জল মিপ্রিত করিয়া তরল করিতে হইবে এবং অত্যল্ল পরিমাণে আরবি গঁল মিপ্রিত কবিতে হইবে ইহা অবিকল ষ্টিপহেনস্ সাহেবেব নীলবর্ণ সমীব স্থায়

#### ত্রেগম মদী।

जिकि भाषिक सक थक नगर्षक व भारे के हिंग धारान मिरिक भरे के विद्या स्त्र अगुणाश का कि हिंग स्र अगुणाश का कि हिंग स्र अगुणाश का कि हिंग स्त्र अगुणाश का कि हिंग के हिंग

### নকল করিবার মুসী।

সাধারণতঃ কৃষ্ণবৰ্ণ মসীতে অত্যন্ত পরিমাণে চিনি মিগ্রিড করিলে নকল করিবার মনী প্রস্তুত হয ু এই মসীতে মিথিয়া চিবিশে ঘণ্টাব মধ্যে নবল কবিলে প্রণাব নকল ছইয়া থাকে।
ভাধিক বিলম্মে সম্পূর্ণ নকল উঠে না উত্তম কপিইং ইন্ধ
প্রান্তত করণ জাত্য মিছবি ব লালা প্রগাব (সাধারণ চিনি) এক
ভাতিল ১২ পাইটি পরিমাণ উৎকৃত্রি কৃষ্ণবর্ণ মগীতে দ্রব করিয়া
ভাইলে প্রস্তুত হইয়া থাকে

#### রক্তব মঙ্গী ।

ব্যজিল উড [বক্স কাঠ] কুটিত ৪ আউন্স্, পেত হবা হইতে প্রস্তুত সিক্তিক পাইণ্ট ৩ আউন্স্, এতত্তয় একটী কাচ কিন্দ স্থালয়পে কলাইক্ত তায়ণাত্রে চকিশ চণ্টা কাল ডিজাইনা পরে অর্জ ঘণ্টাকাল আ মুতাপে কিন্দ করত, নামাইয়া আব্বি গঁদ ও ফটকিরি চুণ প্রত্যেকে অর্জ আউল নিপ্রিত করিলে প্রস্তুত হইবে

কটি নীল চূর্ণ এক আউন্স, অর্ধ্ব পাইণ্ট অন্ত্যুক্ত জলে ভিজা-ইয়া যথন উহা শীতল হইবে, তথন এক আউন্স এমোনিয়া দ্রব " ৩৪ জাউন্স্ পবিমাণ পবিদার জলে দ্রব করতঃ উহার সহিত্ত দিশ্রিত করিয়া এক সপ্তাহ কাল রাখিতে হইবে। অবশেষে পরিদার অংশ বে তলে ঢ লিয়া ব্যবহার্য। ইহা অতি প্রশার রক্তাবর্ণ সংশী

বৃদ্দার সাহেবের মতে বিশুদ্ধ কার্মিন ২০ গ্রেণ, 
আউদ্দ্রাইকার এমেনিয়ায় দ্রব কবিয়া, আরবি গঁদ চুণ ১৮ গ্রেণ্
মিশ্রিত করিলে প্রস্ত হইয়া থাকে অভি অয় ব্যয়ে প্রশ্রুত করিবার অঞ্ কার্মিনের প্রিন্তে ডুপলেক ব্যবহার করা যায়।

্রের্মজিলার সাচেবের মতে ব্রাজিল উড<sup>্</sup>২ আইন, ন্মট্রিরি এবঃ ক্রিন অর টার্টার প্রাজ্ঞাকে অর্দ্ধ আউল ১৬ আউনস পরিস্কার জলের সহিত অগুলোগে নিজ করতং আর্দ্ধক থাকিছে নামাইয়া,
অর্দ্ধ আউন আরবি গঁদ চূর্ণ মিশ্রিত কবিতে হইবে পরে শীতল
হইলে ১২ আউন্স্ রেক্টীফাএড স্পিরিটে, ১২ র্ডাাম্ পরিমাণ
কচি নীলের টিংচাব প্রস্তুত করণাতার উহাব সহিত মিশ্রিত করিতে
হইরে এই প্রক্রিয়াব অতি কুন্দর রক্তবর্গ স্থী প্রত হয়

রেডউড সাহেবের মতে গুয়ার্যান্টিন্ এবং এমোনিখা এব প্রত্যেকে এক আউন্স এক পাইন্ট শীতন পরিজ্ঞত জ্ঞানের সহিত খলে উত্তয়রূপে যদিত করিয়া ছাকিয়া কইতে হইবে, এবং তদনত্তব আরবি গান অব্ধি আউন্স্ মিশ্রিত করিতে হইবে

#### পর্পল্ মৃসী

পবিদার লগউড ডিকক্সনে [বক্ষ কাঠের কাথে] অভ্যন্ন পরিমাণে ফট্কিরি কিমা ক্লোরাইড্ অব্টিন্ মিজিত করিশে প্রসত হয়

#### ব্ৰাউন মগী।

ডেজ'ল খদিবের কাথে অতাল্প পরিমাণে বাইজোমেট্ অব, পটাস্ দ্রব মিশ্রিত করিলে প্রস্তুত হইবে

#### সবুজ গ্ৰা

সাধারণতঃ স্যাণ গ্রিন্ স্থাতাল্ল পরিমাণ, পাতলা স্বাট্ কি প্লির জবে গিজিত করিলে প্রায়ত হয়

ক্লাপ্রথ সাহেবের মতে ভার্দিগ্রিস ২ অ উন্স, ক্রিম অব টার্টার এক আউন্স্ এবং পরিকার জন্স অর্জ পাইট্ একরা করিষা আগু সং ভার্থে-সিজ, করিতে হইবে, মুখন অর্জেক থাকিবে, তথন নামাইরা ছাঁকিয়া লইলে প্রভাত হইয়া থাকে

#### পীতবর্ণ মদী।

গাম্যেজ চুর্ণ এক আউন্দ, ৫ আউন্দ্ অজে এব করণান্তর শীতল হইলে, এক কিমা অর্জ আউন্দ্ ম্পিরিট্ গিশ্রিড করিডে হইবে।

#### अर्ववर्ग मभी।

অতি সুক্ষা স্বৰ্ণ ন্ত্ৰক চূৰ্ব, গ'দের জ্ঞানে মিন্ত্রিত করিয়া প্রস্তুত হট্যা থাকে। রোপ্য নসীতে স্বৰ্ণ স্তবক চূৰ্ণের পরিবর্ত্তে রোপ্য স্তবকচুর্ণ ব্যবহৃতে হয়।

ত্বা বিদ্যা বৌপ্য মসীতে লিখিয়, শুক্ষ হইলে, উহার উপর পিরিট্ বার্নিস মাধাইলে সুন্দর স্বর্থ কিষা রেগপ্য অক্ষর দূষ্ট হইয়া থাকে।

## वर्षिकल्हत्रल् भनी।

हेश बात्र। बात्रारानत वृक्ष मछापित गाम मिथिबात जञ्च पछ।

७ मोर शट्य । मिथिड स्रेग्ना थाटक छार्कि छिन् प्रवर निमापन
काछाटक कक्ष काछन्म, कछ स्वत्रकरण रशिक न्याम्भद्राक्
[ छूया ] कक्ष बाछन्म, ७ खाछन्म मामाख निकाय छछमकरश

गिखिड कित्री महेरन क्षण्ड स्रेग्ना थाटक।

#### চিরস্থায়ী মদী।

ল্যান্পর্যাক্ (ভূষা) ২ দ্রাম্ একটি, আব্ত পার মধ্যে লোহি-ভোত্তপ্ত করণান্তব উহাতে উৎকৃতি ক্ষমবর্গ মসী এক পাইন্ট বাল করিয়া ক্রমে ক্রমে মিজিত করিতে ধইবে শীতল হইলে এই মসী, ক্লোরিণ্ বৃত্পি ও ক্ষীণ ভাবকাদির ঘারা নপ্ত হয় না। বেলাঞ্চার সাহেবের মতে ল্যাম্পরাক, জেলেটান্ত ক্তিক সোদ্যের ক্ষার সংখ্যা অনুন উত্যাক্তাপ পেষিত ক্রিলে প্রস্তুত হইবে। ইহা অবিকল চীনের মদীর ভায় ইহা পেষ্ট বোড এবং পার্চ মেণ্ট কাগচ প্রভৃতিতে লিখিবার জন্ত ব্যবহাত হইয়া থাকে

কোথিউপ সাহেবের মতে সোহাগা ১ আউন্স্, পাতগালা ২ আউন্স্, ১৮ আউন্স্ অলের সহিত একটি আরত পাত্র-মধ্যে সিদ্ধা করিতে হইবে, যে পর্যান্ত লা তার হয় তদনন্তর হাঁকিয়, আরবি গাঁলের গাঢ় মণ্ড এক আউন্স্ মিপ্রিত করতঃ পেষিত নীল এবং ল্যাম্পারাক্ দ্বারা আবশ্যকমত রঙ করিতে হইবে অবশেষে চ্ই ঘণ্টাকাল পরে উপরিস্থ ফেণ্যুক্ত অংশ পরিত্যাগ পূর্বক পরিদ্ধার অংশ বোতলে ঢালিয়া ব্যবহার করিতে হইবে ইহা কোরিণ বাম্পা, দ্রার ক প্রভৃতি লাগিলে নষ্ট হয় না কাচ ও ধাতু নির্শ্বিত দ্রব্যাদিব উপর লিথিবার জন্ম ব্যবহাত হইয়া থাকে

ফরাসিরা অস্মদেশীয় বাঙ্গালা মসীতে অত্যন্ত পরিমাণ জলে, দ্রান করিয়া মিশ্রিত করতঃ চিরস্থায়ী মসী প্রস্তুত করিয়া থাকেন।

#### চীদেব মসী।

উৎকৃষ্ট ল্যাম্পারাক অত্যন্ত পাতলা পটাশ তবে উত্তম্রশে পেষিত করিয়া কাইএর স্থায় হইলে, অত্যন্ত পটাশ ক্ষাব সংখুজ জলে সংগ্রহ করিয়া, তদনত্বর পারিকাব জল দারা উত্তম্রপে থোড করতঃ শুক্ষ করিতে হইবে অবশেষে ঐ শুক্ষ চূর্য বিশুদ্ধ ভেন্ধাল আইরিস সমের কাথে পেষণ করতঃ কঠিন প্রেষ্টের স্থান্ম হইফে, করেক ফোটা এসেন্দ্র অব এয়ান্ত রক্তিক প্রভৃতি স্থানি ভবা মিজিত করিয়া পিষ্টকাকারে প্রস্তুত করিতে হইবে , ইহা শিল্পকার শিগের অত্যন্ত আবশ্যকীয়

#### শিল্পশিকা।

#### চিহ্ন করিবার মগী।

ইহা নানাবিধ, তমংধ্য সাধারণতঃ যে কয়েকটি বাবহাত হইয়া থাকে, তাহা লিখিত হইল নাইট্রেট অব সিলভার ২ ড্রাম, ৭ আউল উফ পরিজ্ব ভালে তবে করতঃ ২ ড্রাম পরিমাণ আরবি গাঁদের মণ্ড অতাল খ্যাপ গ্রিণ দারা রঞ্জিত কবিঘা উহার সহিত মিশ্রিত কবিতে হইবে যে বজাদিতে চিহ্ন করিতে হইবে, তাহা নিয়ালিখিত মিশ্রণে ভিজাইয়া:তক্ষ করণান্তব একটি পরিকার কলম দ্বারা লিখিতে হইবে

সামান্যতঃ নাইট্রেট অব সিল্ভার এক আউন্দ, বিশুল্ব টার্টারিক এ্যাসিড ৩ ড্রাম, এতর্ভয় শুলাবস্থায় খলে চুর্গ করতঃ অত্যল্প জল মিশ্রিত করিলে নাইট্রিক এ্যাসিড বিমৃত্ত হইয়া ঘাইবে এবং টার্টা-রেট অব সিল্ভার প্রস্তুত হইবে। পরে আবশ্রুক মত এমোনিয়া দ্রব স্বার্গ ঐ লানালার টার্টারেট অব সিল্ভারগুলি প্রবীভূত করতঃ অত্যল্প গ'দের মণ্ড মিশ্রিত করিলে প্রস্তুত হইবে ইহা রেভাবেগ্র জে, বি, রিড সাহেবের অন্তুম্ত।

রেউউড সাকেবের মতে দাইটোট অব সিলভার এবং বিশেদ্ধ বাই টার্ট্যরেট অব পটাশ গুড়োকে এক আউল একটি কাচ দিন্দিত এটো মাদত করিয়া, ৪ আউল এগুমোনিয়া এব মিপ্রিড করিয়ালের করিছে হইবেন উৎপত্তে আটিল ৪ ট্রাম, বেউ শক্ষরা ৬ ড্রাম এবং অণরধি গঁদ চূর্ণ ১০ ড্রাম উহার সৃহিত সিন্টিত করণাত্তর ৬ আউন্স পরিকার জল সংযোগ করতঃ বোতলে পুবিয়া ব্যবহার করিতে হইবে।

## মুদ্রাঙ্কণ করিবাব মসী

একটি বৃহৎ লোহ নির্মিত কটাহে ১০।১২ গ্যালন পরিমাণ মসিনার তৈল রাখিয়া অধ্যুত্তাপে সিদ্ধ করিতে হইবে क्रीट जात्र रहेला এक है। लोह मंगाका चात्रा किव्दकांग जन-বরত নাজিবার পর গুম উথিত হইতে আরত্ত হইলে এক খণ্ড কাগজ প্রজ্জ্বলিত করত কটাহম্ব স্ফুটিড তৈলকে জালাইয়া দিয়া কিয়ৎক্ষণ পরে ঐ কটাহ অণি হইতে নামাইয়া যে পর্যান্ত না উহা চটচটে হয় সেই পূর্যান্ত জালাইজে হইবে, পরে ঐ কটাহ একধানি ঢাকনি স্বারা সমভাবে আর্ড করিতে হইবে যথন ফেন সমূহ অদৃত্য হইয়া যাইবে, তথন প্রত্যেক কোয়ার্ট হৈতলে এক পাউও হিসাবে ক্বফবর্ণ রজন চুর্ণ উহার সহিত উত্তম্বপে মিপ্রিত করতঃ পুনরায় অগু জাপে ফোটাইতে হইবে এবং পীত সাধান খণ্ড খণ্ড ১২ পাউও সতর্কতার সহিত উহাতে সংযোগ করণান্তর স্পাচুলা দার। উহা অনবরত আলোড়িত করিতে হইবে। তৎপরে অগ্নি হইতে নামাইয়া শীতল স্থানে রাখিয়া অবশেষে নীল স্থন্ম সুর্গ धवः व्यमियान व व्यप्ताटक २६ णांधन्म, मदर्वा कष्ठे धनिक न्यांग्य क्षे घन इंहरिट रेजरम जिख्यमकरण क्रांस क्षांस मिश्रिज कब्रिस इंगि-বার স্থার নদী প্রস্তুত হইবে দ্বন মদী সাধারণতঃ ক্ষুদ্র জন্মর ছাপিৰাস জন্ম ব্যবহাত হয় এবং উহা অপেকা পাতলা মুসী বৃহৎ রহৎ অক্ষর ছাপিবার জন্ম ব্যবহৃত হুইয়া থাকে

## (ক) স্থপারফাইন ছাপিবার মসী।

বিশুদ্ধ বালসাম কোপেশা ৯ আউন্স্ লাাম্পরাক ৩ আউন্স,
নীগ এবং প্রাসিধান রু প্রত্যেকে অর্ধ আউন্স্, ইণ্ডিরান রেড অর্ধ
কথা এক আউন্স্, শুদ্ধ পীত সাবান ৩ আউন্স্ এই কয়েকটী দ্বর্য
অগ্যন্তাপে উত্যানপে দ্বব কবত মিশ্রিত করিলে প্রশ্রত হইবে
বালসাম কোপেবার পরিবর্তে ক্যানেডা বালসাম ব্যবহাত হইযা
থাকে। ইহা অত্যন্ত শুদ্ধভাণীক।

#### '(খ) ছাপিবার রক্তব । মদী।

কার্মিন্ জেকন্, ভার্মিলিয়ন (সিন্দ্র) জোম ইয়োলো. বেড লেড, অরেগ্ধ রেড, ইন্ডিয়ান রেড এবং ভিনিসিয়ান -রেড ইহানৈর সধ্যে যে কোন একটী, জালান গাঢ় চটচটে মর্সিনার তৈলে উত্তমরূপে পেষিত করিয়া মিশ্রিড করিলে শ্রন্থত হইবে

## (গ) ছাপিবাৰ পীতবৰ্গ মসী।

অনেঞ্জ ক্রোম, ক্রোম ইয়ে লো, দক্ষ টেরা ডি সেনা গল প্রোমান্ ওকার, ইয়োলো ওকার ইহাদের মধ্যে যে কোন একটা পূর্বোক্তের স্থার তৈলের সহিত পূর্বোক্ত প্রকারে গৈপ্রিত করিলে প্রস্তুত হইবে এইরপে পূর্বোক্ত প্রকার তৈলে নিম্লিখিত বিবিধ প্রকার বর্ণের পদার্থগুলির মধ্যে যে কোন একটা পূর্বোক্ত প্রকারে মাদিত করিয়া মিপ্রিত করিলে বিবিধ প্রকার বর্ণের ছ পি বার মাদী প্রস্তুত হইয়া থাকে।

ি ভাদিগ্রিস, সিলস গ্রিন স্ইন্ফোর্চ গ্রিণ, প্রভৃতি দাব সর্জ বর্ণ।

ইন্ডিগো ( নীল ), প্রানিয়ান রু, এগাটওয়ার্প র , কোবটে র এবং চায়কোল র প্রভৃতি, দারা নীলক

জার্মার জার দেফিয়া দারা লাউন বর্ণ।

## পাতলা জুতার কালী।

- হস্তিদন্ত কিশ্বা অন্থির ভূষ ১৬ ভাগ, কোত্রা শুড় ১২ ভাগ,, অয়েল অব ভিটি মল ভভাগ, স্পারম তৈল ২ ভাগ, আরবি গ'দ > ভাগ, তেজাল সির্কা কিম্ব বিকৃত বিয়ার মদিরা ৫০ ভাগ নিয়লিখিত প্রকারে একতা মিশ্রিত করিয়া লইলে প্রস্তুত হইবে প্রথমঃ অস্থি কিম্বা হস্তিদন্তের ভূষা প্রস্তর অথবা কাচ নির্দিত থকে তৈলের সহিত উত্তমরূপে পেষিত করত কোতরা ওড় জেনে জেনে অল অল পরিমাণে সংযোগ করিয়া মিশ্রিত করিতে হইবে বে পর্যান্ত উহা তৈলের সহিত ফুন্দররূপে মিশ্রিত না হয় পরে অয়েল অব ভিটিয়ল ভিনগুণ পরিমাণ জলমিজ করতঃ উহাতে প্রয়োগ পুর্বক নাড়িয়া তৎপত্নে উহা একটী আবৃত পাতা মধ্যে ছুই জিন দিবস্ র থিতে হইবে কিছু প্রত্যহ এক একবার আলোড়িত করা আব-व्यवस्थित वात्रिवि गैंग भिकी किया विवास मिन्सिस खरीकुछ করতঃ উহার সহিত মিশ্রিত করণান্তর তিন চারি দিবস কাল রাখিয়া দিতে হইবে ইহাতে অয়েল অব ফ্রিট্রিফা ব্যতিরেকে আয়া সকল खवा मिल्रां तंत्र भग्य काम जिथ कतिया महिएक हहेरव। एक जल মাটিনেব কালীও এই প্রকরণামুধায়ী প্রস্তুত হইয়া থাকে কেবল व्यक्ति धहे रा जिक् विश्विष्ठ क्ष्रज क्ष्म विश्विष्ठ क्ष्रक क्षा प्रदान দিয়া নাজিতে হইবে।
- ২। হতিদত্তের ভূষা ১৬ জাগ, কোতরা ঋড় ৮ জাগ, আরেল অব জিটি য়ল ৪ জাগ, ২ জাগ জলের সহিত দ্রবীভূত করত, ডৈল ২ জাগ, আরবি গ'দ ১ জাগ, পরিষ্কৃত জল ৬৪ জাগ পূর্ব্বোল্লিখিত প্রকরণার্থায়ী মিশ্রিত করিলে প্রস্তুত হইবে।

প্রাথাণ্ট এবং জেমস সাহেব ক্বত ১৮৩৬ সালের পেটেণ্ট ইণ্ডিয়া রবর তরল জুতার কালী।

ইতিয়া রবর খণ্ড থণ্ড ১৮ আউন্স, ৯ পাউণ্ড উফ বেপ তৈলে

ন্ধবীভূত করত, হস্তিদন্তের ভূষা ৬০ পাউণ্ড, কোতরা গুড় ৪৫
পাউণ্ড উহাতে মিশ্রিত করিয়া, আববি গাল ১ পাউণ্ড ২০ গ্যালন

কিশ্ব দ্ববীভূত করত উহার সহিত মিশ্রিত করিতে হইবে পবে

উহ একটা কাঠনিন্দ্রিত পাত্রে রাখিয়া, সলফিউরিক এ্যাসিড ফোমে

ক্রেম সংযোগ করণান্তর অর্দ্ধ ঘণীকাল ফ্রেমাগত নাড়িতে হইবে।

পবে এক এক পক্ষ কাল ক্রমাগত নাড়িতে হইবে। পরে এক পক্ষ

কাল ক্রমাগত ভর্ম ঘটাকাল হিসাবে নাড়িতে হইবে। পরে এক পক্ষ

কাল ক্রমাগত ভর্ম ঘটাকাল হিসাবে নাড়িয়ে হাবিধে আরবি

গাল ৩ পাউণ্ড উহাতে এব করত পুনরায় অর্দ্ধ ঘটাকাল হিসাবে

একপক্ষ কাল আলোড়িত কবিয়া বোতলের মধ্যে রাথিতে হইবে

ইহা অতি উৎকণ্ট জুতাব কালী।

### জুতার কালী।

- ১। হস্তিদন্তের ভ্যা এক হাদবে, কোতরা গুড় ২৮ পাউও, রেপ কৈল এক গ্যালন পুর্বোক্ত প্রকারণান্ত্যায়ী মিপ্রিত করত ভাষেল পাব ভিটী যাল ২১ পাউও ২ গ্যালন জল মিপ্রা করণান্তর কান্ত নির্মিত স্পাচ্লা দ্বারা নাড়িয়া ক্রমে ক্রমে উহাতে মিপ্রিত ক্ষবিতে হইবে পাবে ধর্থন উহা হইতে অত্যন্ত ধ্য উথিত হটবে তথন একটা আবৃত পাত্রে এক দিবস কাল রাধিয়া পারে ব্যবহার্য। সাধারণতঃ ইহা টীনের কোটায় রাখা মায়
- ্থার বিশ্ব বিষয় ববর তৈল, হস্তিদন্তের ভ্যা, কোতবা গুড় এবং আরবি গ'দ অধিকল তবল জ্তাব কালীর পরিমানামুযায়ী ১২ পাউও নিক'দে অবীভূত করত পেষিত করিয়া ১২ পাউও অবেল অব ভিটি মল মিজিত ক্বণাস্তর এক সপ্তাহ কাল প্রকোজ একল একলাল নিডিকে হইবেন ্পরের ইহা খাবহার্য।

জুভার কালী যাহা শুদ্ধ হইয়া উজ্বল ইয়।

১ জারবি গঁদ ৪ আউন্স, কোতরাগুড় কিয়া শর্করা ১-১ আউন্স, উৎকৃষ্ট কুফবর্ণ মসা ২ ড্রাম, তেজাল সির্কা ২ আউন্স, রেক্টীফাএড স্পিরিট এবং স্থইট অয়েল প্রত্যেকে এক আউন্স এই ক্ষেক্টী দ্রব্যেব মধ্যে প্রথমতঃ গঁদ কৃষ্ণবর্ণ মসীতে দ্রবীভূষ্ট করিয়া, তৈল মিশ্রিত করিয়া নাডিতে পাকিবে যে পর্যান্ত উত্তমরূপে ফিশ্রিত না হয় পরে সির্কা এবং অবশ্বে স্পিরিট মিশ্রিত করিয়া বাজিত পাকিবে যে পর্যান্ত উত্তমরূপে করিছে প্রস্তুত হইবে।

২ ল্যাম্পুরাক ( ভূষা ) ৬ দ্বাম, ইণ্ডিলো ( নীল ) চূর্ণ ২ দ্বাম

এত ভূজা একটী খল কিয়া প্রস্তার নির্দ্ধিত পাত্রে, আরবি গ'দ

■ আউল ৪ মাউল সিক্রি বিগলিত করত মণ্ডের স্লায় ইইলে,
উপরোক্ত দ্বান্থরের সহিত খলে পেনিত কবিতে ইইষে, পরে
কাই এর ভার ইইলে এক আউল স্ইট অয়েল ক্রেনে উহাজে
সংযোগ করিয়া উভ্যানপে নিপ্রিত কবিতে ইইবে। তৎপরে
কোতরা গুড ১ ই আউল সংযোগ করিয়া তেলাল সিক্রি আর্জিল
এবং রেক্টিফাএড ম্পিরিট এক আউল নিপ্রিত করণান্তর ব্যবহার
করা যায় ইহা স্পাঞ্জ অথবা কোনল বুক্স স্বারা জুতায় ম খান

যায়।

#### অখ-সাজের জন্ম কালী।

সিরিস কিমা জেলেটীন ৪ জাউন্দ, আরবি 'গঁদ ৩ আউন্দ, পরিস্কৃত করিয়া, পরিস্কৃত আউনস্ একরে আগুতে পে এবি ভূত করিয়া, কোতরা গুড় ৬ আউনস্, হস্তিদন্তের ভূষা ৫ আউনস্ উহার সাইত উত্তমরূপে মিশ্রিত করণান্তর যখন গাঢ় হইবৈ তথন অনি হইকে নামাইয়া ব্যবহার

## বিবিধ প্রকার আলোক প্রস্তুত করণ।

## नीम णात्नांक।

- >। এটা টিমনি > ভাগ, গন্ধক ২ ভাগ এবং দোর। ভাগ পৃথক পৃথক ভাগ করত চুর্ণ করণান্তর মিশ্রিত করিতে হইবে।
- ২ রিয়ালগার ২ ভাগ, কয়লা ৩ ভাগ, ক্লোরেট অব পটাশ ■ ভাগ, গদ্ধক ১৩ ভাগ এবং নাইট্রেট অব খ্যারাইটা ৭৭ ভাগ প্রেনিজের ভার পৃথক পৃথক চুর্ব করত মিজিত করিতে হইয়ে

বার্ড সাহেবের মতে কয়লা এবং অর্লিমেণ্ট প্রড্যেক ১ ছাগ্, য়্যাক সক্ষড়িবেট অব এয়া ন্টিমনি ১৬ ভাগ, সোরা ৪৮ ভাগ এবং গদ্ধক ৬৪ ভাগ পূথক পূথক চুর্গ করত গিপ্তিত করিতে হইবে।

ফাউনস্ সাহেবের মতে টার সলফিউরেট অব এাণ্টিমনি ১ তাগ, গদক ২ ভাগ এবং শুদ্ধ সোরা ৬ ভাগ উত্তমরূপে চূর্ণ কবত মিশ্রিত কবিতে হইবে। সমুদ্ধে ব্যবহার্য্য "বেজল সিগনাল লাইট" এই প্রকরণামুষায়ী প্রস্তুত হয়

প্রোফেসার মারচাও সাহেবের মতে গন্ধক, সলফেট অব পটাশ এবং এনামেনিয় সলফেট — কপাব প্রত্যেক ১৫ ভাগ, সে বা ২৭ ভাগ, ক্লোরেট অব পটাশ ২৮ ভাগ পৃথিক পৃথক চুর্গ করভ মিল্রিভ করিতে হইবে ইহা রঙ্গালয়ে (থিয়েটারে) নীলবর্ণ আলোক জন্ত ব্যবস্থত হয়। আলোক স্বোর নীলবর্ণ করণ জন্ত, সলফেট অব পটাশ এবং এনামেনিয়া সলফেট অব কপার কিকিৎ অধিক পরি-মাণে থিলিত করিতে হয়। খারচাপ্ত সাহেবের মতে ফিকা নীলবর্ণ শ্বালোক প্রস্তিত জয়া, গদ্ধক ১৬ ভাগ, দয় ফটকিরি ২৩ ভাগ এবং ক্লোরেট ভাব পটাশ ৬১ ভাগ পৃথক্ পৃথক্ চুর্ণ করণাস্তর মিশ্রিত করিতে হইবে।

ম্যারচাণ্ড সাহেবের মতে ঘোর (গাত) নীগবর্ণ আলোক জন্ত,
দল্প ফটকিরি এবং কার্যনেট কর কপার প্রত্যেক ১২ ভাগ, গন্ধক
১৬ ভাগ এবং কোরেট অব পটাশ ৬০ ভাগ পৃথক পৃথক চুর্ণ করিয়া
মিশ্রিত করিতে ইইবে।

মাস সাহেবের মতে সদফেট অব কপাব ৭ ভাগ, গজক ২৪ ভাগ এবং ক্লোরেট অব পটাশ ৬৯ ভাগ পৃথক পৃথক চুর্ণ করতঃ ফিন্সিভ করিতে হইবে

রম্বারি সাহেবের মতে সোরা ২ ভাগ, গন্ধক এবং দন্তা প্রত্যেকে ৩ ভাগ এবং বন্দুকের বারুদ ■ ভাগ মিশ্রিত করিলে প্রস্তুত হইবে

গন্ধক ১ ভাগ, শুব্দ ভার্দিট্রিজ ২ ভাগ এবং ক্লোরেট অব পটাশ ১ ভাগ পৃথক পৃথক চূর্ণ করিয়া মিগ্রিড করিলে প্রস্তুত হইবে। ক্রিন্মসন আলোক।

কয়লা ৪ৡ ভাগ, সলফিউরেট অব এ্যাণ্টিসনি ৫ৡ ভাগ, ক্লোবেট অব পটাশ ১৭ৡ ভাগ, গন্ধক ১৮ ভাগ এবং নাইটেট অব শৈসিয়া ৫৫ ভাগ পৃথক পৃথক চূর্ল করিয়া শিশ্রিত করিতে শ্ইবে

মাস সাহেবের মতে ধ্রারেট অব পটাশ ৪২ ভাগ, করসা।
। ত্ব ভাগ, গদ্ধক ২২২ ভাগ এবং নাইট্রেট অব প্রন্সিরা। ৬৭২ ভাগ

থক পৃথক চুর্ণ করিয়া মিশ্রিভ করিতে হইবে।

ম্যারচাও সাহেবের মতে গন্ধক ১৬ ভাগ, শুদ্ধ ধটীকা ২৩ ভাগ <sup>এবং</sup> ক্লেব্রেট অব পটাশ ৬১ ভাগ পূথক পূথক চূর্ণ করিয়া গিল্লিভ করিতে হইবে

#### সবুজ আলোক।

নাইট্রেট অব ব্যারাইটা ৭৭ ভাগ, ক্লোরেট অব পটার্শ ৮ ভাগ, উৎক্ষু কয়লা ৩ ভাগ এবং গন্ধক ১৩ ভাগ পৃথক পৃথক চুর্ণ করিয়া মিশ্রিত করিতে হইবে

আসেনিক ২ ভাগ, কয়লা 🗯 ভাগ, ক্লোমেট অব পটাশ 🔳 ভাগ भक्षक ५७ छात्र धादर लाहरद्विष्ठे व्यव ब्याताहरि ११ छात्र शृथक शृथके চূর্ণ করত মিশ্রিভ করিলে প্রস্তুত হইবে।

বার্ড সাহেবের মতে কয়ল এবং ব্লাক স্লফিউরেট অব এটাণ্টিমনি প্রত্যেকে ২ ভাগ, ক্লোমেট অব পটাশ ৫ ভাগ, গন্ধক .৬ ভাগ এবং নাইট্রেট অব খ্যারাইটা ৮০ ভাগ প্রাক্ত প্রাক্ত করিয়া মিশিত করিতে হইবে।

ফাউনদ্ সাহেবের মতে গ্রাম্পরাকি ভূষা ১ ভাগ, কোরেট অব পটাশ 📱 ভাগ, গৰাক ৬ ভাগ, এবং শুদ্ধ নাইট্রেট অব ব্যারাইট ১৮ ভাগ পৃথক পৃথক চুণ করত মিশ্রিত করিতে হইবে

মাাচতি সাহেবের মতে নাচগৃতে সবুজ ধর্ণ আলোক জন্ত, ক্লোৱেট অব পটাশ ১৮ ভাগ, গন্ধক ২২ ভাগ এবং নাইট্রেট অৰ ব্যারাইটা ৬০ ভাগ পৃথক পৃথক চূর্ণ করতঃ মিগ্রিত করিতে र्हेर्द ।

বোরাসিক এ্যাসিড ১০ ভাগ, গন্ধকু ১৭ ভাগ এবং ক্লোরেট অব পটাশ ৭৩ ভাগ পৃথক পৃথক চুণ করতঃ মিশ্রিত করিতে হইবে।

ু ফিকা স্থন্দর সবুজ বর্ণ আলোক।

প্রক ১৮ ভাগ কার্বনেট অব ব্যারাহ্চ। ২০ ক্রোরেট অব প্রিশ ৬০ ভাগ পৃথক পৃথক চুর্গ করিয়া সিভিত্

মাস সাহেবের মতে কয়লা এবং সলফিউরেট অব আসে নিক প্রত্যেক ১ম্ব ভাগ, গন্ধক ১০২ ভাগ, ক্লোরেট অব পটাশ ২৩২ ভাগ धावर माहिति है जाव वागवाहित। ७२३ जान भूथक भूथक हूम किन्न মিশ্রিত করিতে হইবে।

#### লিল্যাক্ আলোক।

ব্লাক অক্লাইড্ অব কপার ৩ ভাগ, শুক্ খটিকা ২২ ভাগ, গদ্ধক ২৫ ভাগ এবং ক্লোরেট অব পটাস ৫০ ভাগ পূথক পূথক চূর্ণ করণান্তর মিদ্রিত করিতে হইবে । ইহা তারা বাজীর জক্ত ব্যবহৃত হইয়া থাকে।

মাস সাহেবের মতে, ব্লাক অক্সাইড অব কপার ৬ ডাগ. শুষ্ক খটিকা ২০ ভাগ, গদ্ধক ২৫ ভাগ এবং ক্লোরেট অব পটাস ৪৯ ভাগ পূথক পূথক চুণ করিয়া মিশ্রিড করিয়া লইতে হইবে। हेश श्राष्ट्रिकत छाग्न (बारम भूतिया अभि मश्रम कतिरङ **रहे**रव

#### পিন্ধ আলোক

ক্যুলা ১ জাগ, খটিকা এবং গন্ধক প্রত্যেকে ২০ জাণ, ক্লোকেট অব পটাস ২৭ ভাগ এবং দোরা ৩২ ভাগ পূথক পূথক চূর্ণ করিয়া মিশ্রিত করিতে হইবে 💛 ইহা রক্তালয়ে আবলকের জঞ্জ ব্যব্জ্ত হইয়া থাকে

#### পরপল বর্ণের আলোক

ল্যাম্পারাক, রিয়ালগার এবং সোর প্রত্যেকে ১ নভাগ, গদ্ধক ২ ভাগা, ক্লোরেট অব পটাস ৫ ভাগা এবং দ্রবীভূত নাইট্রেট অব খ্রন্সিয়া ১৬ ভাগ পূথক পূথক চুর্ করতঃ মিভিড করিডে হইদুৰ ৷

মাস সাহেবের মতে, সলফিউরেট:অব এগতিমনি ২১ ভাগ ব্লাক অক্সাইড অব কণার ১০ ভাগ, গন্ধক এবং সোরা প্রভ্যেকে ২২৪ ভাগ এবং ক্লোরেট অব পটাস ৪২ ভাগ পৃথক পৃথক চূর্ণ করিয়া মিশ্রিড করিতে ইইবে। ইহা হাউইএর স্থায় খোলে পুরিষা অনি সংলন করা যায়।

সল্ফেট অব কপাব ৯% ভাগ, গদ্ধক ১৩ ভাগ এবং ক্লেরেট অব পটাস ৭৭% ভাগ পৃথক পৃথক চূর্ণ করিয়া মিদ্রিত করিতে হইবে ইছা ভারা বাজীতে ব বহাত হয়।

গন্ধক ১২ ভাগ, ব্লাক অক্সাইড অব কপার ১২ ভাগ এবং ক্লোরেট অব পটাস ৩০ ভাগ চূর্ণ করতঃ মিশ্রিভ করিডে হইবে।

#### রম্ভবর্গ আলোক।

গদক, সোরা, সলফিউরেট অব এ।। তিমনি প্রত্যেকে ১ ভাগ, শুক্ষ নাইট্রেট অব খ্রন্সিয়া ৫ ভাগ চুর্ণ করতঃ মিগ্রিত করিতে ইইবে

বার্ড সাহেবের মতে, ক্যুলা ১ ভাগ, রাক্ত সলফিউরেট অব এয়াণ্টিমনি ■ ভাগ, ক্লোরেট অব পটাস ৫ ভাগ, গদক ১৩ ভাগ, শুস্ক নাইট্রেট অব প্রন্সিয়া ৪০ ভাগ চুর্ণ করিয়া মিগ্রিড ক্রিডে হইবে

ফাউন্স গাহেবের মতে, ন্যাম্পব্লাক ২ ভাগ, ক্লোকেট অব প্রাস ৮ ভাগ গন্ধক ৯ ভাগ এবং শুন্ধ দাইটো ট অব প্রনসিয় ৩২ ভাগ চুর্ণ করত মিশ্রিত করিতে হইবে।

মার্ড সাজেবর মতে কোরেট অব পটার্স ২০ ভাগে পদকে, " ২০ ভাগ, নাইটেট অব খ্রন্সিয়া ৫৬ ভাগ চুর্ণ করিয়া মিডিভি ক ক্রিতে হইবে। ইহা নাচগৃহে রক্তবর্ণ আলোকের জন্ম ব্যবহৃত

গন্ধক ১৬ ভাগ, কাবঁনেট অব ষ্ট্রন্দিয়া ২৩ ভাগ এবং ক্লোরেট অব পটাস ৬১ ভাগ পৃথক পৃথক চুর্ণ করত মিপ্রিড কবিতে হুইবে।

মাস সাহেবের মতে ক্যলা চূর্ব ভাগ, বন্দুকের বাকদ ৬ ভাগ গন্ধক ২০ ভাগ এবং শুদ্ধ নাইটোট অব্ ধ্রুনসিয়া ৭২ ভাগ চূর্ব ক্রতঃ মিশ্রিড ক্রিতে হইবে

বোজেরি সাহেবের মতে, সলফিউরেট অব্ এরাণ্টিরনি ।
তাগ, ক্লেরেট অব্ পটাস ৫ ভাগ, গলক ১৩ ভাগ; দ্রবীভূত
নাইট্টে অব্ প্রনিসিয়া ৪০ ভাগ চূর্ণ করিয়া মিশ্রিত করিছে
হইবে তৎপরে অভ্যল পরিমাণে ল্যান্প রাক্ কিয়া কয়লা
মিশ্রিত করিলে শীল্ল দহনীয় হইয়া খাকে।

#### কমলা বৰ্ণ আলোক।

গন্ধক ১৪ জাগ, পটিকা ৩৪ ভাগ এবং ক্লোরেট জ্বন্ পটাশ ৫২ ভাগ চুর্ণ করতঃ মিশ্রিত করিতে হইবে

## পর্পল্ বর্ণ আলোক 📲

গদক ১৬ ভাগ, খটিকা ১৩ ভাগ এবং কোরেট অব্ পটাশ ১১ ভাগ চূর্ণ ক্রতঃ যিশ্রিত করিতে হইবে।

## গোলাপী আলোক।

গন্ধক ১৬ ভাগ, শুদ্দ কোরাইড্ অব্ ক্যালসিয়ন্ ২০ ভাগ, ক্যোরেট অব্ পটাশ ৬১ ভাগ চূর্ণ করতঃ নিজিত করিতে ইইবে।

#### শিগ্নশিকা।

কয়লা ২ ভাগ, কোরেট অব্পটাস্ ৬ ভাগ, গদ্ধ ১৩ ভাগ শুন্ধ নাইট্রেট অব্ খ্রনসিয় ৪০ ভাগ চুর্ণ করতঃ সিন্তিত কবিতে হুইয়ে।

#### ভায়োলেট বর্ণ আলোক।

কয়লা আট ভাগ গন্ধক ১০ ভাগ তান্তান্থাকু ১৫ ভাগ এবং ক্লোরেট্ অব্ পটাশ ৩০ ভাগ প্থক্ পৃথক্ চুর্ণ করতঃ সিঞ্জিত করিতে হইবে।

## গাঢ় ভায়োলেট বর্ণ আলোক।

ফটকিরি এবং কার্নেট্ অব্ পিটাশ প্রত্যেক ১২ ভাগ, গত্তক ১৬ ভাগ এবং কোরেট্ অব্ পটাশ ৬০ ভাগ চুর্ণ করতঃ মিপ্রিড ক্রিতে হইবে।

### ফিকা ভায়োলেট বৰ্ণ আলোক।

গদক ১৪ জাগ, ফটকিরি এবং কার্নেট জব্পটাস ১৬ ভাগ এবং ক্লোরেট জব্পটাশ ৫৪ ভাগ চূপ্করিয়া মিজিত করিতে হইবে।

#### পীতবৰ্ণ আলোক।

গন্ধক ১৬ ভাগ, শুদ্ধ কাব নৈট আব সোড়া ২৩ ভাগ এবং কোয়েট অব' পটাস্ ৬১ ভাগ চুর্ণ করিয়া মিজিত করিতে ইংবে

মার্চাণ্ড সাহেবের মতে, বৈদ্ধকের বারুদ ১৪ ভাগ, গদক ১৬ ভাগ, শুদ্ধ সোড়া ২০ ভাগ এবং সোর ৫০ ভাগ চুর্ণ করিয়া মিলিড করিতে হইবে।

ক্ষালা ১২ ভাগ, গদক ১৭২ ভাগ, ওজ সোড়া ২০ ভাগ এবং নোরা ৬১ ভাগ চপ কা য়া মিগ্রিড করিতে হইবে কারলা ৬ ভাগ এবং গদক ১৯২ ভাগ চূর্ণ করভঃ মিজিড করিয়া অি সংগগ করিলে সুন্দর পীতবর্ণ আলোক হয়।

#### সাদা আলোক।

সোর ৬০ ভাগ, গন্ধক ২০ ভাগ, ব্লাক এাণ্টিমনি ১০ ভাগ, বল্কের বারুদ চুর্ণ ৬ ভাগ এবং কর্পুর চুর্ণ ■ ভাগ একত্র মিখ্রিত কবিয়া চুর্ণ করিতে হটবে।

বার্ত্র সাহেবের মতে, খেত আর্দেনিক [সেঁকো] । ভাগ কয়লা ২ ভাগ, ব্লাক এয়া গ্রিমনি ১৬ ভাগ, সোব ৪৮ ভাগ এবং গদ্ধক ৬৪ ভাগ একল চুর্ণ করতঃ উত্তমকণে মিশ্রিত করিছে হইবে .

মার্চণিও সাহেবের মতে, করলা ২ ভাগ, গদক ২২ ভাগ নাং। ৭৬ ভাগ চূর্ণ করিয়া মিশ্রিত করিতে হইবে। ইহ সাংখ্যা সাদা আলোক জন্ম ব্যবহৃত হব।

বন্দুকের বারুদ ১৫ ভাগ, গন্ধক ২১ ভাগ এবং সোরা ৬৪ ভাগ চূর্ণ ক্রতঃ মিশ্রিত করিতে হইবে।

মাস সাহেবের মতে, বন্দ্রের বারুদ ১২২ ভাগ, দস্তা চুণ ১৮ ভাগ, গক্ষক ২৩ ভাগ এবং সোরা ৪৬২ ভাগ চূর্ণ করিয়া মিজিত করিতে হইবে।

দস্তাচ্ব ১৫ ভাগ, গ্লাক ২৮ ভাগ এবং সোরা ৫৭ ভাগ চ্ব করতঃ মিডিত করিতে হ্রুবে ইহা ভারা বাজী প্রস্তুত করিবার জন্ম ব্যবহৃত হয়

রজেরি স'হেবের মৃতে, গন্ধক ১৩% ভাগ, সল্ফিটরেট অব্ এটাণ্টিমনি ১৭% ভাগ এবং সোরা ৪৮ ভাগ চূর্ব করতঃ মিঞ্জি করিতে ইইবে। বিঘালগার ২ ভাগ, সোবা ২৪ ভাগ এবং গদক ৭ ভাগ চূর্থ করতঃ মিশ্রিত করিতে হইবে।

কয়লা ১ ভাগ, গন্ধক ২৪ ভাগ এবং সোরা ৭৫ ভাগ চূর্ণ করিয়া মিশ্রিত করিতে হইবে

লোহ কিন্ত দন্তা চূর্ব ২৫ ভাগ এবং বন্দুকের বারাদ ১০০ শত ভাগ উত্তমরাপে মিল্রিড করিয়' ফটতে হইবে।

উপরোজ্ব আলোকাদি প্রস্তুত কবন সময়ে বিশেষ গতর্দ থাকা আবশ্রক ক্লোরেট্ অব্পটান্ প্রভৃতি কয়েকটী পদার্থ অন্ত পদার্থাদির সহিত মিশ্রিত করিয়া পেষিত্র কিয়া চূর্ণী-কৃত ক্রিলে ভয়ানক শব্দ উৎপন্ন হইয়া জ্ঞালিয়া উঠে তজ্জন্ত দ্ব্যাদি পৃথক পৃথক চূর্ণ করিয়া মিশ্রিত কর্মান্তর বোডলে ছিপি-বদ্ধ করিয়া রাধিতে হইবে কারণ বায়ুও আন্ত্রতায় শীব্দ নই হইয়া যায়।

#### বন্দুকের বারুদ।

নদূকের বারদ প্রস্তত জন্ত নির্মাল দানাদার সোরা, বিউদ্ধ গদক, এবং হাল্কা কাঠেব করলা আবগুক হয় ইউরোপের ভিন্ন ভিন্ন প্রদেশে ভিন্ন ভিন্ন পরিয়াণে মিপ্রিত করতঃ প্রস্তুত ইয়, নিয়ে তথ্যধ্যে কয়েকটির পরিয়াণ নিষ্ঠিত হইল।

श्रिक्ष (पर्ण क्यमा, ३१, शक्यक ३०, धवर (मात्रा १८।
क्रांतम, क्रामा ३२ई, शक्यक ३०, धवर (मात्रा १८।
क्राष्ट्रि श्राप्त क्रामा ३८, शक्यक ३०, धवर (मात्रा १८
क्रिया क्रामा ३७ई, शक्यक ३३ई धवर (मात्रा १८
क्रिया क्रामा ३०६, शक्यक ३२५७० धवर (मात्रा १८।
क्रिया क्रामा ३०१८, शक्यक ३२५०० धवर (मात्रा १७।
क्रियम क्रामा ३०, शक्यक अवर (मात्रा १७।
क्रियम क्रामा ३६, शक्यक अवर (मात्रा १८)
क्रियम क्रामा ३६, शक्यक अवर (मात्र १८
क्रामिश्र क्रामा ३६, शक्यक अवर (मात्र १८
क्रामिश्र क्रामा ३६, शक्यक अवर (मात्र १८)

## বিবিধ প্রকার রৎ প্রস্তুত করণ।

## ভার্ণির্যলিয়ন।

একটি পাত্রে বিশুদ্ধ পারদ ২০০ ভাগ, বিশুদ্ধ গদ্ধক ৩৩ ভাগ

মূহ্ অগু জাপে জবীভূত করতঃ অগ্ন একটি পাত্রে দারা আর্ড করিয়া

শীতল করিতে হইবে (গলাইবার সময় বিশেষ সতর্ক থাকা উচিত্র

থেন উহা অগ্নি দারা প্রজ্জলিত ন হয়) পরে উহাকে চুর্

করণান্তর আর্ভ পাত্র মধ্যে রাথিয়া চোদ্বাইতে হইবে যধ্ম

আর্ড পাত্রের তলদেশ রক্তবর্ণ হইবে, তখন নামাইগ্না শীতল করত

জলের সহিত চুর্ণ করত পরিস্কৃত করণান্তর ঢালিয় শুদ্ধ করিলে
প্রস্তুত হইয়া থাকে।

ক্রনাব সাহেবের মতে, বিশুদ্ধ পার্দ ৩০০ ভাগ, বিশুদ্ধ গদ্ধক
১১৪ ভাগ, চূর্ণ করত একতা করেক ঘটাকাল গিল্রিত করিতে হইবে
যে পর্যন্ত ক্রফ্বর্ণ পদার্থে পরিণত না হয় পরে কৃষ্টিক পটাস
৭৫ ভাগ ২৫০ ভাগ জলে তাব করিয়া অত্যন্ত পরিমাণে ক্রেমাঘ্রের
উহাতে মিল্রিত করতঃ পেষিত করিতে হইবে তৎণরে উহা
একটি লোহপাত্র স্বেধা রাখিয়া আয়ুজাপে রাখিয়া আনবরত
আলোড়িত করিতে হইবে এবং মধ্যে মধ্যে জল মিল্রিত করিতে
হইবে। উত্তাপ ১১৩০ ডিগ্রির বেশী না হয় যথক ইহা রক্তবর্ণ
হইবে তথন অগ্রির উত্তাপ ক্র্যাইয়া দিতে হইবে। আবশ্যের
প্রস্তুত হইলে জলের গহিত পূর্কোক্রেব স্তার চূর্ণী করিতে হইবে।
ইহ অবিকৃষ চীত্রের নিন্দ্রের স্তার। ভার্মিলিয়ন অতি স্থার রক্ত

#### লাইট রেড।

ইয়োলো ওকাব অতি উত্যক্ষণে দগ্ধ করিলে ইহা প্রস্তুত্ব হয় ইহ জল ও তৈলে মিপ্রিক করিলে উত্তয় রঙ হয় ইহা বিশুদ্ধ খেত রঙ্এর সহিত সম্ভাবে মিপ্রিত করিলে সাংসের স্থায় রঙ্হয়

#### किंगिंग !

ইংলিস প্রত্রিয়া ( ইংগাজেবা নিয়লিখিত প্রকারে প্রস্তুত করিয়া থাকে)। কচিনিল ১ পা এও এবং কার্নেট অব্ পটাস 😜 আউ স ণ গ্যালন জলের সহিত পলের মিনিট কাল গিন্ধ করত অগিং হইতে माभाष्ट्रमा अक आउम क्रिकिति हुन शिक्षिक क्रिमां आहारिक কবণান্তর পদের মিনিট কাল খির ভাবে রাখিতে হটকে। পরে একটি তাম পাত্রে পরিকার অংশ ঢালিয়া লইয়া উহা ছাঁকিয়া আশিংগ্লাসের জবের সহিত মিশ্রিত করিতে হইবে (আশিংগ্লাস ২ু আউনা, জল এক পাইটে । পরে একটি স্পাচুলা কিন্তা শলাকা দারা উত্তয়কপে আলোড়িত করিয়া অর্দ্ধ ঘটাকাল স্থির ভাবে খাখিতে হইবে। অবশেষে তলদেশ হইতে অধঃস্থ পদাৰ্থ ধৌত করত শুক্ষ করিলে কার্মিন প্রস্তুত হইয়া থাকে ( ফরাসিরা নিয়ঙ্গিও উপায়ে প্রস্তুত কবিয়া থাকেন।) कां हिना हुन' এ क পाउँ ७ जानाम प्रत्नित मिनि है কাল শিল্প ক্ৰত ক্ৰিম অব টাৰ্টার চূৰ্ণ এক আউল মিডিতে করিয় আরও দশ মি নট কাল সিদ্ধ করণান্তব ফুটকিরি চুর্ণ ১২ আউল সংযোগ করিয়া তুই বিষয়া তিন মিনিটকাদ সিদ্ধ করিয়া, নামাইতে हिहेद्वं शांत इत्र गिनिते काम भरत उभत्रक लिकात जर्भे जकि চাদের রামনে রাখিতে হইবে যে পর্যান্ত কার্মিন অধ্যপতিত না হয় ৷

ইহাকেও উপরোক্তের ভাগ ধেতি করত গুন্ধ ক্বিতে হহবে
চীনের প্রক্রিয়া (ইহাকে স্পিরিট প্রক্রিয়াও কহে) ক্রচিনিল ১
পাউণ্ড, ৩ গালেন জলের সহিত, ১৫ সিনিট কাল সিদ্ধ ক্রিডে
হইবে পরে উহাতে ফটকিরি চূর্ণ ১ দ্রাম সিশ্রিত করিয়া প্রনায়
৫৬ মিনিট কাল সিদ্ধ করিয়া, দীত্য হইলে পরিদাব অংশ ঢ লিয়া
লইতে হইবে তংপরে পুনরায় উত্তপ্ত করিয়া স্পিরিটস্ অব টিন্
সাবধানের সহিত সংযোগ ক্বিতে হইবে, ব্তক্ষণ কার্মিন অধ্যন্দ প্রিত না হয় ইহাও পুর্কোক্ত প্রক্রিয়ার স্থায় উত্তগকপে ধ্যাত্ত কর্ত গুদ্ধ ক্রিতে হইবে।

## তর্জ ক্'র্নির্ন।

শ্পিরিটস্ অব হার্টহরান কিন্তা এামোনিযা দ্রবে কার্মিন দ্রবীভূত কনিলে প্রস্তত হয় ইহা অভি তাদর উজ্জ্বল রাজ্যবর্ণ রঙ।
বক্ষা কার্ম্বের লেক

জান্তব কিয়া উদ্ভিজ্ঞা এব্যের কাথ যাহাতে এব্যাদি রঞ্জিত হয়, তাহাতে ফটকিবি এবে কার্থনেট অব পটাস উপযুক্ত পরিমাণে এব করত নিজিত করিলে যাহা অধংপতিত হয় ভাহাকে লেকস্

বক্ষ কাঠ চুর্ব ১ পাউগু, ■ গ্যাবান জলের সহিত ২৪ খাটা।
কাল সিন্ধ করিতে হইবে পরে ১২ পাউগু ফটকিরি আত্যন্ত্র
জলে স্থাভূছ ক্ষিয়া উহার সহিত নিশ্রিত ক্রিতে হইবে
তৎপরে ছাকিয়া পরিষার অংশে সলিউসন অব টিন ২ পাউগু
নিশ্রিত ক্রণান্তর কিন্তার কিন্তা ব্লটিং কানজে ছাকিয়া লইকে
হইবে। অবশেষে এই পরিজার তরল পদার্থ সন্ট অব টার্টার
কিন্তু ক্রিটে অব সোডা অব সাবানের সহিত মিশ্রিত ক্রিতে

হইবে যে পর্যান্ত এক প্রকার ঘন পদার্থ অধংপতিত ন , হয় আর-শ্যে ইহু সংগ্রহ করিয়া ধৌত করত শুক্ত করিলে প্রস্তুত হইবে ইহা খোর রজ্জবর্ণ

#### किर्गिनल लिक

কটিনিল চূর্ব ১ ভাউন্স জল এবং স্পিরিট প্রত্যেকে ২২ জ উদা কে সপ্তাহ কাল ভিজাইয়া কি টার করত উহাতে অত্যন্ন পরিমাণে সেক বি দু টান ক্লৈব প্রতি স্ব টায় স্ব প্রতিত করিলে বঙ্ ক্ষেণ্ডিত হয়, পবে উহাতে সংগ্রহ কবিষা পরিক্রত জল দ্বারা ইত্তমকলে ধ্যেত করত শুক্ত করিলে প্রস্তুত হইয়া থাকে।

#### ল্যাক স্বেক

ক বলৈট্ আৰ্ সোভ জবে নৃতন ষ্টিক লাক . নিদ্ধ করতঃ

টিটার কিন্দ শোষক কাগতে ছাঁকিয়া লওনাস্তর ফট্কিরি দ্রব

টিটাত করিলে আশংপতিত হইবে পরে ঐ আধঃপতিত পদার্থ সংগ্রহ

ইরত উত্তয্ত্রণে ধোত করিয় শুদ্ধ কবিলে প্রশুত হইবে

#### गापित दलक।

भात करें है, जि, रेजनिक खिन गरं है, जन कर वे वर्ष गांगांत के विद्या कि विद

#### াব বৰ ত্রাকার রাড প্রস্তুতকরণ।



শীতপ হইলে স্থিয় ভাবে বাখিয়া উপরস্থ পৌতবর্ণ অংশ পরিত্যাগ পূর্সাক, অনশিষ্টাংশ তিন পোয়া উঞ্চ জলের সহিত মিশ্রিত কর-ণাস্তর শুষ্ক করিলে অর্দ্ধ আইন্স ম্যাদার লেক প্রস্তুত হয়

ডাক্টার ইওস সাহেবের মতে ম্যাদার চুর্ণ ২ পাউও এক গালেন জনের সহিত দশ সিনিট কাল উত্তমরূপে আলোড়িত করিয় মিশ্রিড করিতে হইবে এবং অবশিষ্ট অংশ প্রবাধ তুই তিনু বার ঐরপ এক গ্যালন জনের সহিত অ লোড়িত করিয়া ছাঁকিতে হইবে পরে ঐ সমস্ত জল একরে ববণান্তর ২ পাউও ফটকিরি ও কোবার্টিশ্ জলে জবীভূত কবিয়া উহার সহিত মিশ্রিড করিয়া জলফেলন দারা (ওয়াটার বাথ) ও ৪ ঘণ্টাকাল শুদ্ধ কবিয়া জল মিশ্রিত করিতে হইবে তৎপরে উত্ত থাকিতে থাকিতে স্নানেশ বন্ত দারা ছাঁকিয়া এবং দীতল হইলে শোবক কাগচ দারা প্ররাধ ছাঁকিয়া কার্বনেট্ অব পটাস জব মিশ্রিত করিলে, যাহা অধঃপতিত হইবে তাহা পরিদার জনে উত্তমক্রপে থাত করিয়া শুদ্ধ করিলে প্রস্তুত হইবে

## ष्णम्बीगातिन्।

বিশ্বদ্ধ ল্যাপিন্ ল্য জুউলী নানক প্রস্তার যাহা স্থান রঙ বিশিষ্ট তাহার এক পাউও চুর্ণ করিয়া অগু,তাপে রক্তর্ন জলে প্রক্রেশ করণান্তর স্থান চুর্গ করিতে হইবে এবং পীতবর্ণ রক্তর জ আউল, টার্পিন তৈল সোস এবং মদিনাব তৈল প্রত্যেকে হ আউল একল মিপ্রিস ব্রুত দ্রবীভূত করিয়া উহার সহিত মিপ্রিড করত পিঞাকাব করিবে হইবে পরে উহা সে প্রয়ন্ত না স্থানার নীলবর্ণ হইবে তত্তকণ পর্যান্ত উল্ল জলের সহিত চট্কাইয়া, পরে উহা ত্রির ইইলে, অধঃপতিত পার্থ সংগ্রহ করণান্তর উত্তস্কপে र्षां क्वं छक कतिए एरेक श्रांत श्रेण करण शाहरे भग्न थात्क छक्ष छेरा भितिजान कर याग विजी । छ छुनै । योत्तर करण स्भार तथ् श्रेण रुप हेर स्नाप्ती, छक्ष्म, नीलवर्न तथ, रिक्न कार्या बर्जकारभ वावक्ष स्म खन्दि। गाहिन खजा । मरार्थ

## কৃত্রিম অল্ট্রাম্যারিন।

বেওলিন ৩৭ ভাগ, সলফেট অব সোডা ১৫ ভাগ, কাবনৈট অব সোডা ২২ ভাগ, গদ্ধক ১৮ ভাগ এবং কয়লা ৮ ভাগ একত্র করত ২৪ ৩০ ঘণ্টাকাল অগ্যুতাপে উত্তপ্ত করিছে হইবে যে পর্যান্ত প্রশার নীলবর্ণে পরিণত না হয়। অবশেষে চুর্ণ করিয়া উত্তয়স্থপে ধ্যিত করণান্তর শুক্ষ করিলে প্রশুত হইবে

## কোবল্ট নীলবা

নাইট্রেট অব কোবণ্ট জবে এ্যামোনিয়া এ্যালম (এ্যামোনিয়া হইতে প্রস্তাত ফটকিরি) সংযোগ করিলে যাহা অধঃপতিত হইবে ভাহা উত্তয়নপে ধেতি করিয়া, শুষ্ক করণান্তর লোহিভোতপ্র করিলে স্থের স্থায়ী নীলবর্ণ রঙ প্রস্তাত হয়।

#### প্রাদয়ান নীলবণ'।

পরিকার ভেরোসাঞানইড অব পটাসিয়ন ডবে (কার সংযুক্ত)
সরুজবর্ণ হিরাকস এক ভাগ এবং ফটকিরি ২ ভাগের মিদ্রাণ
সংখোগ করিলে এক প্রকার মেটে সইদ্রব্ধ পদার্থ অধঃপতিত হয়,
যাহা বায়ু হইতে অগ্রিজেন আকর্ষণ করিয়ার নীলবর্ণে পরিণত হয়
পরে উহাকে বায়ুকে রাখিয়া জলমিন্তা পাইজোকোরিক এগাসিড
ছারা সিক্ত করিয় এন বার ধ্যেত ক্রেড ডফ ক্রিলে অনি ছালার

#### টীনের নীল,

কাঁচা অক্সাইড অব কোবণ্ট কিম্বা জাফি, সমভাগ পটার্শ এবং ৮ গুণ ফেলস্পার একটি মুচিতে একত্রিত কবিয়া অগ্নান্তাপে বিগলিত করিতে হইবে। পরে শীতল হইলে, স্ক্র স্ক্রম চুর্ণ করিলে প্রশ্নত হইয়া থাকে ইহা বছল পরিমাণে চীনা বাসন নীলবর্ণ রিক্তি করণ জন্ম ব্যবহৃত হয়।

#### कामिन नीमवर्ग।

হিরাক্স > শার্তিন্য এবং ফটকিরি ৮ আউন্স এক গ্যালন জলে দ্রবীভূতে করত, তাহাতে প্রুসিয়েট অব পটাশ দ্রব এবং সামান্ত প্যারলএয়স দ্রব এককালে মিশ্রিত করিতে হইবে। তাহা সংগ্রহ করত উত্তমকপে জলে ধেতি করিয়া শুন্ধ করিলে প্রস্তুত হইবে।

#### থম্ব নীলবৰ্ণ

প্রাচর পরিমাণ খেতসার চূর্ণে, ত্ব্বা নীল চূর্ণ মিপ্রিত করিয়া পেন্টের ভায়, কঠিন কেক আকারে ইহা বিক্রীত হয় বজকেরা ত্তবন্ত্র উত্তমকপে ধোতকরণ জন্ত ইহা বছল পরিমাণে ব্যবহার করিয়া থাকে।

## প্রিশ্রুত ভার্দিগ্রিজ।

একটি তান্তপাত্রে এক ভাগ ভার্দিগ্রিজ ২ ভাগ পরিক্রত সির্কার্য় দ্রবিভূত করত মৃত্র অগ্নান্তালে আলেড্ডিত করিয়া একটি গৃহে এক পদ্ধ কাল রাখিয়া দিলে ভার্দিগ্রিজ দানা বান্ধিবে। ইহা দীওল জাল দ্রবলীয় গৃহার কবাট, জানালা, খড়খড়ি সবুজবর্গ রঙ্ক করণ জন্ত ইহা বহল কিনাণে ব্যবহৃত হইরা থাকে সাধ্রিণত ২ ক্লাগ স্বাহ্রদা কর ভাগ ভার্দিগ্রিজ সসিনার তৈলে পেষিত করিয়া ব্যবহৃত হয় ইহার বা শীঘ্র নপ্ত ইহা ধার না

সমাপ্ত

## পরিশিষ্ট।

২৪ থোণে—এক পেনিওয়েট। ২০ পেনিওয়েটে—এক আউন্ ২২ আউন্সে—এক পাউও

৬০ ত্রেণে—এক ড্রাম।
৮ ড্রামে—এক অাউন্স্ ।
১৬ আউন্সে—এক পাউও্
২ গ্রেণে—এক রতি
১৮০ গ্রেণে—এক তোলা।
১ আউন্স—অর্জ ছটাক।
পাউও—অর্জ সের।

ব গোণে—এক স্থান।

প স্থানে—এক জান।

৮ ড্রামে—এক আউল্লা

১৬ আউল্লে—এক পাউল্লা

১৮ আউত্তে—এক কোন্ত্রারা

৪ কোন্ত্রালৈরে—এক কান্ত্রারা

৪ কোন্ত্রালৈরে—এক টন।

